THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 16 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख अमावस्या 2083 शुक्रवार, 17 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

धमकी भरे ई-मेल के बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को मिली जेड़ सिक्योरिटी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को लगातार मिल रही बम धमकियों और हालिया सुरक्षा चूक के बाद जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। इसके साथ ही विधानसभा परिसर की सुरक्षा भी पूरी तरह मजबूत की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ाते हुए उन्हें जेड श्रेणी सुरक्षा कवर दिया गया है। यह फैसला तब लिया गया है, जब विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष कार्यालय को आधिकारिक ई-मेल आईडी पर करीब 6 से 7 धमकी भरे ई-मेल मिले। इन ई-मेल में बम धमाके की धमकी दी गई थी।

'महिलाएं पंचायत से पार्लियामेंट आना चाहती हैं'

आज पूरा देश और नारी शक्ति यह निर्णय तो देखेगी, लेकिन इससे ज्यादा हमारी नीयत को देखेगी। इसलिए हमारी नीयत की खोट देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, (लोकसभा में संबोधन)

पीएम बोले-विरोधियों को चुकानी पड़ेगी कीमत

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानी महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की बढ़ती भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और हम सभी खुद को भाग्यशाली मान सकते हैं कि इस परिवर्तन के दौर के साक्षी बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस गहन चर्चा से सकारात्मक परिणाम निकलेंगे, जो आने वाले समय में देश की दिशा और विकास को तय करेंगे।

उन्होंने माना कि यह कदम पहले भी उठाया जा सकता था, लेकिन अब जो अवसर मिला है, वह बेहद महत्वपूर्ण है और इसमें सभी जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम है। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन देश के लिए निर्णायक है। पिछले दो-तीन दशकों में जमीनी स्तर पर महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता को साबित किया है और अब वे केवल स्थानीय निकायों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि नीतियों और फैसलों पर भी प्रभाव डालने की स्थिति में हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि जो लोग राजनीति में आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें इस बदलाव को समझना होगा। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि जो इस परिवर्तन का विरोध करेंगे, उन्हें भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि देश में उभर रही महिला नेतृत्व शक्ति को स्वीकार करना ही राजनीतिक दूरदर्शिता है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर तैयार हो रही महिला लीडरशिप को ध्यान में रखकर ही आगे की रणनीतियां बनानी होंगी।

इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा

संसद के विशेष सत्र के दौरान आज लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'महिला आरक्षण विधेयक' यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि हम इस पल के साक्षी बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि इस मंथन से अमृत निकलेगा और यह मंथन देश की दिशा और दशा तय करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। यह 20-25 वर्ष पहले हो जाना चाहिए था, समय-समय पर इसमें सुधार होते रहते। सदन के सभी साथियों को यह अवसर मिला है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ बड़े पल आते हैं, उस समय समाज की मनोस्थिति एक मजबूत धरोहर तैयार कर देती है।

पीएम ने ऑस्ट्रियाई चांसलर से की मुलाकात

> द्विपक्षीय सहयोग पर हुई बात

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में ऑस्ट्रिया के चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रिया के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करना है। बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद थे। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इसके बाद दोनों देश ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर की।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ संयुक्त प्रेस बयान में दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि चांसलर का यह दौरा व्यापार और निवेश में नई ऊर्जा लाएगा। उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रिया मिलकर टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन को मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को भरोसेमंद समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि दोनों देश रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्वांटम और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाएंगे। साथ ही आईआईटी दिल्ली और ऑस्ट्रिया की मॉन्टेना यूनिवर्सिटी के बीच हुआ समझौता इस सहयोग का अच्छा उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि 2023 में हुए माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौते के तहत अब नर्सिंग सेक्टर में भी लोगों के आने-जाने को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा रिसर्च और स्टार्टअप्स में भी दोनों देश साथ काम करेंगे। भारत और ऑस्ट्रिया ने मिलकर 'वर्किंग हॉलिडे प्रोग्राम' भी शुरू किया है, जिससे युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

भाजपा बंगाल में चुनावों के दौरान बम लगाने की ताक में : ममता बनर्जी

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गंभीर आरोप लगाए। कूचबिहार के दिनहाटा में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि चुनाव के दौरान माहौल खराब करने की साजिश रची जा रही है। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा चुनाव के समय राज्य में अशांति फैलाने के लिए बम लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब चुनावी माहौल को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है, ताकि मतदाताओं में डर पैदा हो सके। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य से किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान एनआईए को लाकर माहौल को और तनावपूर्ण बनाया जा सकता है।

बंगाल चुनाव से पहले अधिकारियों के तबादलों पर कोर्ट की मुहर

> चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। यह तबादले भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किए गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ (जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल थे) ने कहा कि इस मामले में उठाए गए कानूनी प्रश्न को फिलहाल खुला रखा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश कलकत्ता हाई कोर्ट के 31 मार्च के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। हाई कोर्ट ने पहले ही जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया था, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा किए गए तबादलों को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने हैं, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

पार्टी स्पष्ट कर चुकी है, कुछ कहना बाकी नहीं : सोनिया गांधी

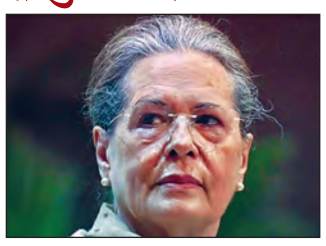

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक और प्रस्तावित परिसीमन बिल को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर चुकी है, मुझे इसमें कुछ और जोड़ना नहीं है। लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से जुड़े तीन विधेयक पेश किए गए, जिनको लेकर सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला।

विपक्ष ने इन प्रस्तावित विधेयकों को असंवैधानिक करार देते हुए कड़ा विरोध जताया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और अमित ने ये विधेयक पेश किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष परिसीमन बिल का एकजुट होकर विरोध करेगा खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि विपक्ष संसद को खराब परिसीमन विधेयकों के जरिए हाईजैक नहीं होने देगा और लोकतंत्र पर इस हमले के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेगा। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को इसे लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण का पूरी तरह समर्थन करती है और यह विधेयक 2023 में संसद से सर्वसम्मति से पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार का मौजूदा प्रस्ताव महिला आरक्षण से जुड़ा नहीं है, बल्कि परिसीमन और गेरीमैंडरिंग के जरिए सत्ता हासिल करने की कोशिश है। गेरीमैंडरिंग का अर्थ है किसी विशेष राजनीतिक दल या समूह को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं को जानबूझकर बदलना।

मतदान से 2 दिन पहले नाम जुड़ा, तो वोट कर सकेंगे : एससी

चुनाव आयोग से कहा-सप्लीमेंट्री लिस्ट अपडेट करें, 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग

अगर लंबित मामलों में वोटिंग की इजाजत दी गई, तो दूसरे लोग भी ऐसी मांग कर सकते हैं, जिससे स्थिति संभालना मुश्किल हो जाएगा।

जस्टिस सूर्यकांत
CJI, सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से दो दिन पहले तक सप्लीमेंट्री लिस्ट में नाम जुड़ने वाले वोटर्स मतदान कर सकेंगे। जिन वोटर्स की आपत्ति ट्रिब्यूनल में पेंडिंग होगी, उन्हें वोट डालने की इजाजत नहीं होगी।

बंगाल में 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल्स को पहले फेज के चुनाव के लिए 21 अप्रैल तक और दूसरे फेज में 27 अप्रैल तक आपत्तियों का निपटारा करने को कहा है। जैसे ही ट्रिब्यूनल नाम जोड़ने का आदेश देगा, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर तुरंत सूची में संशोधन करेंगे और लिस्ट जारी की जाएगी। दरअसल, बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में 90.83 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए हैं। इन वोटर्स की अपील सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं। सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रिब्यूनल पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए, लेकिन एक मजबूत अपील प्रणाली जरूरी है ताकि असली वोटर्स के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अगर बड़ी संख्या में वोटर्स बाहर रह जाते हैं और चुनाव में जीत का अंतर कम होता है, तो नतीजों पर सवाल उठ सकते हैं। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) और राज्य सरकार ट्रिब्यूनल को पूरा सहयोग दें। सुनवाई के दौरान बताया गया कि 19 ट्रिब्यूनल के सामने 34 लाख से ज्यादा अपीलें लंबित हैं। ये ट्रिब्यूनल रिटायर्ड हाईकोर्ट जजों की अगुवाई में बनाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभियान का मकसद वोटर लिस्ट से डुप्लिकेट और अयोग्य नाम हटाना बताया जा रहा है। हालांकि इस पर सियासी विवाद तेज है। सत्ताधारी पार्टी ने बड़े पैमाने पर मतदाताओं को बाहर करने का आरोप लगाया है, जबकि ईसीआई इसे निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी बता रहा है। पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे।

आपका बस चले तो घरों की भी जाति तय कर दें : शाह

महिला आरक्षण को लागू करने के लिए परिसीमन जरूरी प्रक्रिया है। इसी वजह से दोनों विधेयकों को एक साथ पेश किया गया है, ताकि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जा सके।

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण विधेयक और प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर संसद में सियासी टकराव तेज हो गया है। इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष आमने-सामने हैं। गुरुवार से शुरू हुए संसद के विस्तारित सत्र में इस पर जोरदार बहस देखने को मिल रही है। सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि महिला विधेयक के पक्ष में हैं हम। आपको जल्दीबाजी क्यों है? आप जनगणना क्यों नहीं कराना चाहते? सेंसस ये इसलिए नहीं करना चाहते हैं कि जैसे ही जनगणना होगी, हम सब लोग जाति गणना मांगेंगे, जाति की गिनती के बाद हम आरक्षण मांगेंगे। इसलिए धोखा देकर लाना चाहते हैं।

सपा का बस चले तो घरों की जाती तय कर दे :

वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं देश की जनता को बताना चाहता हूं कि देश में जनगणना का काम जारी है। सरकार जाति गणना का निर्णय भी ले चुकी है... अभी घरों की गिनती हो रही है। घरों की कोई जाति नहीं होती। समाजवादी पार्टी की चले तो घरों की भी जाति तय कर दे। जब नागरिकों की जनगणना होगी तब उसमें जाति का कॉलम रखा है। ये मेरा विभाग है। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये जनगणना जाति के साथ ही होने वाली है।

तीन विधेयक हुए पेश :

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से जुड़े तीन विधेयक पेश किए गए, जिनको लेकर सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ने इन प्रस्तावित विधेयकों को असंवैधानिक करार देते हुए कड़ा विरोध जताया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और अमित ने ये विधेयक पेश किए।

क्या है यह विधेयक :

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन के बाद लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक की जा सकती है, ताकि महिला आरक्षण को लागू किया जा सके। इसके साथ ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सीटों में बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर तय की जाएंगी।

इस बीच, कई विपक्षी दलों ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे परिसीमन से जुड़े प्रावधानों का संयुक्त रूप से विरोध करेंगे, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे विधायी निकायों में महिलाओं को आरक्षण देने के खिलाफ नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से व्यवसायी अनिल अंबानी को बड़ा झटका लगा है। एक मामले में कोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें बैंकों को उनके लोन अकाउंट को फ्रॉड (धोखाधड़ी) की श्रेणी में डालने की अनुमति मिली थी।

स्पाइस जेट और अकासा एयर के विमानों के पंख आपस में टकराए; सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टैक्सीइंग के दौरान स्पाइस जेट का एक विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया।

इस घटना में दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा, हालांकि राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट का बी737-700 विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी उसका दाहिना विंगलेट दूसरे विमान से टकरा गया।

कीटनाशक की गैस से 2 बच्चों की मौत, 3 गंभीर

उज्जैन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में कीटनाशक से बनी गैस की वजह से दो बच्चों की मौत हो गई जबकि एक की हालत नाजुक है। हादसा इंदौर रोड स्थित त्रिवेणी हिल्स में लालचंद प्रजापत के घर हुआ। पुलिस के मुताबिक, लालचंद की एक बेटी पूजा की शादी शाजापुर और दूसरी बेटी रीना की शादी कायथा में हुई है। गर्मियों की छुट्टियां बिताने दोनों बहनें बच्चों के साथ मायके उज्जैन आई हैं। सोमवार रात सभी लोग एक ही कमरे में सोए। सुबह करीब 9 बजे सभी की तबीयत बिगड़ गई।

डेढ़ माह की त्रिशा के मुंह से झाग निकलता देख सभी तुरंत अस्पताल भागे। उसने इलाज के दौरान मंगलवार शाम दम तोड़ दिया। सुबह 4 साल की अनिका उर्फ अन्नू की भी मौत हो गई वहीं, जेनिशा को हालत नाजुक होने की वजह से इंदौर रेफर किया गया है। रेहान और येशु का इलाज उज्जैन के अस्पताल में चल रहा है।

चुनाव के डेढ़ साल बाद मुंबई की इस सीट पर फंसा पेच

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की होगी जांच

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधासभा चुनाव परिणाम और विजयी बीजेपी गठबंधन सरकार को लगभग डेढ़ साल हो गए। लेकिन डेढ़ साल बाद चुनाव में एक सीट की ईवीएम-वीवीपीएटी की जांच होगी। कांग्रेस नेता नसीम खान ने हाई कोर्ट में याचिका कर पुनः गिनती और ईवीएमजांच की मांग की थी। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर चांदीवली विधानसभा सीट पर पुन ईवीएम और वीवीपीएटी जांच के आदेश दिए है। आज सुबह 9:30 बजे से ईवीएम की जांच शुरू हो गई है। मुंबई के चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम मशीनों की जांच शुरू हो गई है। इस पूरी प्रक्रिया को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस नेता नसीम खान स्वयं मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने पहले चांदिवली विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई

ईवीएम में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आया। जानकारी के अनुसार, इस प्रकरण में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए मुंबई उच्च न्यायालय ने अहम निर्देश जारी किए थे। अदालत ने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

खास बात यह है कि पहली बार उम्मीदवारों की मौजूदगी में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रत्यक्ष जांच की जा रही है।

ऐसे में इस पूरी प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। हाल ही में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणालियों की बर्न मेमोरी (या माइक्रोकंट्रोलर) के सत्यापन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। यह कदम सर्वोच्च न्यायालय के 2024 के फैसले एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत निर्वाचन आयोग के बाद उठाया गया है।

इस आदेश के अनुसार, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के लिखित अनुरोध पर विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 5% तक ईवीएमऔर वीवीपीएटी माइक्रोकंट्रोलरों का सत्यापन किया जा सकता है। इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक मशीन पर 1,400 वोट तक का मॉक पोल कराया जाएगा। यदि इसके परिणाम वीवीपीएटी पर्चियों से मेल खाते हैं, तो यह माना जाएगा कि बर्न मेमोरी के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और मशीन सत्यापित है।

हालांकि, यदि किसी प्रकार की विसंगति सामने आती है तो उससे निपटने की स्पष्ट प्रक्रिया अभी तय नहीं है।यह तकनीकी एसओपी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाने वाली दो सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) द्वारा तैयार की गई है। चांदीवाली विधानसभा में 400 पोलिंग बूथ पर 400 ईवीएममशीन का उपयोग हुआ था जिसका 5% यानी 20 ईवीएम और वीवीपीएटी मशीन की जांच की जाएगी। ये सभी मशीन कांग्रेस नेता नसीम खान ने खुद चयन की है।

खजराना के पुजारी पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

दूसरी पत्नी महिला थाने पहुंची, 1 करोड़-फॉर्च्यूनर के लिए प्रताड़ना के आरोप

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर से जुड़े पुजारी पुनीत भट्ट के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। महिला का कहना है कि आरोपी पति और ससुराल पक्ष द्वारा 1 करोड़ रुपए नकद और फॉर्च्यूनर कार की मांग की जा रही थी। महिला थाना टीआई श्रद्धा यादव ने बताया कि महिला की शिकायत के बाद मामले की जांच की गई। सभी पक्षों के बयान लिये गए। इसके बाद केस दर्ज किया है। पीड़िता ने महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने पहले जनसुनवाई में आवेदन लेकर दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए।

27 अप्रैल से 2 मई के बीच

हिमाचल दौरे पर आ सकती हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,

शिमला, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अप्रैल के अंत और मई 2026 की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश का दौरा करने वाली हैं। संभावित शेड्यूल के अनुसार वे 27 अप्रैल से 2 मई 2026 तक शिमला के राष्ट्रपति निवास (मशोबरा), पालमपुर और अटल टनल व आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेंगी। राष्ट्रपति भवन से रवाना होकर पालम एयरपोर्ट (आईएएफ एरिया) पहुंचेंगी। इसके बाद सड़क मार्ग से कल्याणी हेलीपैड होते हुए राष्ट्रपति निवास, मशोबरा पहुंचेंगी। शाम को क्वाइट डिनर और वहां ठहराव। कार्यक्रम में हेलीकॉप्टर और सड़क यात्रा, स्नैक्स ऑन बोर्ड, क्वाइट लंच-डिनर और विभिन्न आरक्षित स्लॉट्स शामिल हैं। साथ में सचिव, एएसपी, प्रेस सेक्रेटरी, एमएसपी, डीएमएसपी और अन्य अधिकारी भी यात्रा में शामिल रहेंगे।

यह यात्रा हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में राष्ट्रपति मुर्मू की नियमित ग्रीष्मकालीन यात्राओं की परंपरा को जारी रखती है, जिसमें राष्ट्रपति निवास, मशोबरा उनके ठहरने का मुख्य स्थान होता है। पिछले वर्षों में भी उन्होंने शिमला और आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया है। लेकिन मई 2025 में ये दौरा स्थगित कर दिया गया था। वजह थी पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में चलता तनाव।

मंदिर की गद्दी को लेकर खूनी संघर्ष

ग्वालियर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर में मंदिर की गद्दी को लेकर चल रही पुरानी तनातनी बुधवार रात खूनी संघर्ष में बदल गई। सिरोल थाना क्षेत्र के डोंगरपुर पुतलीघर स्थित बाग वाले मंदिर में दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला लाठी-डंडों और चाकू तक पहुंच गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार योगेंद्र दास महाराज पर चंद्रशेखर महाराज ने अपने साथियों मोहन कुशवाहा और कैलाश बघेल के साथ मिलकर करीब 11:30 बजे हमला कर दिया।

इस हमले में योगेंद्र दास महाराज को पसली में चाकू लगा, वहीं सिर पर डंडा लगने से गंभीर चोट आई। घटना के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि दोनों ही पक्ष मंदिर के पूर्व पुजारी हरिदास बाबा के चेले हैं और लंबे समय से मंदिर पर कब्जे को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा है।

यूपी में दूध-जूस की तरह शराब भी टेट्रा पैक में

एससी ने कहा- जिसे खरीदना है वो किसी भी रूप में खरीदेगा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में टेट्रा पैक में शराब की बिक्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई बंद कर दी है, हालांकि अदालत ने याचिकाकर्ता को छूट दी कि वो याचिका की प्रति संबंधित सरकारी अधिकारियों को एक प्रतिनिधित्व दे सकते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि जो लोग शराब खरीदना चाहते हैं, वे किसी भी रूप में खरीद सकते हैं। उन्होंने ये भी पूछा कि क्या ऐसा कोई उदाहरण है, जहां इस तरह की पैकेजिंग के कारण शैक्षणिक संस्थानों में दखल की समस्या सामने आई हो।

इस मामले में कोर्ट के आदेश में कहा गया कि संबंधित एक्साइज नीति में टेट्रा पैक में शराब बेचने की स्पष्ट अनुमति दिखाई नहीं देती, हालांकि ऐसा प्रतीत होता है कि 4 फरवरी 2025 को एक प्रशासनिक निर्णय के जरिए छोटे पैक में शराब की अनुमति दी गई थी, वह नीति रिकॉर्ड पर उपलब्ध है। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर टिप्पणी करना

फिलहाल उचित नहीं होगा। अंततः अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी कि वह अपनी याचिका को संबंधित प्राधिकरण के समक्ष एक प्रतिनिधित्व दे सकते हैं। यह याचिका मीनाक्षी तिवारी द्वारा दायर की गई थी, जिसमें टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति पर सवाल उठाया गया गया था।

याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने तर्क दिया कि छोटे टेट्रा पैक में शराब उपलब्ध होने से बच्चों और छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में छात्र इन छोटे पैक्स को आसानी से स्कूल या कॉलेज ले जा सकते हैं। हालांकि उन्होंने अहमदाबाद का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां ऐसी कोई समस्या नहीं दिखती। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब उन्होंने उत्तर प्रदेश की एक्साइज पॉलिसी का अवलोकन किया तो उसमें टेट्रा पैक में शराब बेचने की स्पष्ट अनुमति नहीं मिली, लेकिन फरवरी 2025 में राज्य सरकार द्वारा एक प्रशासनिक निर्णय के जरिए छोटे पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दी गई थी, जो रिकॉर्ड में मौजूद है।

हालांकि याचिका में उठाई गई चिंताओं—खासतौर पर छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों पर संभावित प्रभाव—को देखते हुए अदालत ने याचिका का निपटारा कर दिया।

डॉक्टर-वकील और प्रोड्यूसर बताकर 500 से ज्यादा महिलाओं को फंसाया, प्राइवेट वीडियो के नाम पर करोड़ों ठगे

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एक शातिर साइबर ठग और ब्लैकमेलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय आनंद कुमार के रूप में हुई है, जो कि पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले का रहने वाला है। आरोपी खुद को डॉक्टर, वकील, बिजनेसमैन, फिल्म प्रोड्यूसर बताकर ठगी करता था। अब तक 500 से ज्यादा महिलाओं को ठगी का शिकार बनाया। आरोपी के पास से करीब 2 करोड़ रुपये की ठगी और वसूली का खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी आनंद कुमार प्यार और शादी का झांसा देकर पैसे ऐंठता था। प्राइवेट फोटो/वीडियो लेकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था। पुलिस ने कहा कि एक मामले में आरोपी ने महिला से 7 लाख रुपये की ठगी की थी।

चेन्नई रोड शो के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर विजय के खिलाफ केस दर्ज

चेन्नई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय के खिलाफ चेन्नई के टी नगर इलाके में बिना अनुमति के रोड शो करके चुनावी नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन करने के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई एक इलेक्शन फ्लाइंग स्क्वाड अधिकारी की शिकायत के बाद की गई। अधिकारी ने आरोप लगाया था कि विजय ने एक अलग तरह के चुनावी कार्यक्रम के लिए अनुमति मिलने के बावजूद रोड शो किया। उनके इस रोड शो को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन माना गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

ये मामले वेस्ट माम्बलम, नुंगमबक्कम और वेपेरी पुलिस स्टेशनों में विजय के साथ-साथ टीवीके के कई उम्मीदवारों और जिला-स्तरीय पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज किए गए थे। अधिकारियों ने संकेत दिया कि दी गई अनुमतियां विशिष्ट, विनियमित गतिविधियों के लिए थीं, और उनमें

किसी भी तरह के बदलाव (उन्हें बड़े पैमाने के रोड शो में बदलना) के लिए चुनाव अधिकारियों से पहले से अनुमति लेना आवश्यक था। इन शर्तों का पालन न करने के कथित आरोप के कारण फ्लाइंग स्क्वाड ने तत्काल कार्रवाई की। इस स्क्वाड को चुनाव प्रचार के दौरान चुनावी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है।

बता दें कि इन मामलों के संबंध में विजय या टीवीके की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि वे इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को चुनावी आचरण से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करना होगा और चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ढाई करोड़ की सोने की ठगी, चार गिरफ्तार

गुरुग्राम, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम के एक युवक से सोना सस्ते में बेचने के नाम पर ढाई करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगी की घटना करीब तीन महीने पुरानी है। मामले में गुरुग्राम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली से भी इस गिरोह ने ठगी की थी। बताया जाता युवक ने सुशांत लोक थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था। बताया था कि गली में घूम रहे कुछ लोग उनके पास आए और कहा कि उनके पास असली सोने के सिक्के हैं। जांच के लिए उन्होंने कुछ सिक्के दिए भी।

युवक ने उनकी जांच कराई तो वह असली निकले। भरोसा होने पर युवक ने आरोपितों से करीब ढाई करोड़ में 50 तोला सोना खरीद लिया। युवक ने यह रुपये ब्याज पर लिए थे। खरीदे गए सोने में सिक्के और ईंटें थीं। जब युवक ने बाद में इसे इस्तेमाल करना चाहा तो वह नकली मिले। पकड़े गए आरोपितों से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपितों ने गिरोह बना रखा है और वह कई साल से इस तरह से लोगों से धोखाधड़ी करते आ रहे हैं।

हाफिज के साथ लश्कर-ए-तैयबा बनाने वाले हमजा पर हमला, जिंदगी और मौत के बीच लटका

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हाफिज सईद के करीबी और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्यों में से एक आतंकी अमीर हमजा को पाकिस्तान में गोली मार दी गई है। लाहौर में एक निजी न्यूज़ चैनल के बाहर अज्ञात हमलावर ने हमजा को निशाना बनाया। हमजा को बेहद गंभीर हालत में लाहौर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। हमजा जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। अमीर हमजा ने आतंकी हाफिज सईद के साथ मिलकर 1987 में लश्कर-ए-तैयबा नामक आतंकी संगठन की स्थापना की थी। भारत में कई आतंकी हमलों में अमीर हमजा की भूमिका रही है। साल 2018 में हमजा ने खुद का संगठन भी बनाया था। इस संगठन का नाम जैश-ए-मनकाफा रखा गया था। 66 साल के हमजा का जन्म पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखपुरा में हुआ था। हमजा ने मदरसे से आलिम की डिग्री हासिल की।

इसके बाद वो आतंक की राह पर चला गया। आतंकी अमीर हमजा लश्कर में एक वक्त में नंबर 2 की हैसियत रखता था। हमजा का मूल काम अपनी तकरीरों से आतंकियों को तैयार करना था। अमेरिका वित्त विभाग ने साल 2012 में हमजा को आतंकी घोषित किया था। हमजा को अमेरिका के लिए खतरा बताया गया था। हमजा के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन कहा जाता है कि 1979 में हमजा ने आतंक की राह पकड़ी थी। उस वक्त अफगान लड़ाकों के साथ हमजा सोवियत यूनियन के खिलाफ लड़ाई में शामिल हुआ। सोवियत की लड़ाई खत्म होने के बाद हमजा को जम्मू कश्मीर में आतंक फैलान का काम मिला। 2018 में पैसों को लेकर हमजा का रिश्ता हाफिज सईद से खराब हो गया। इसके बाद से ही वो अलग-थलग चल रहा है। हमजा आतंक और उग्रवाद पर कम से कम 8 किताब लिख चुका है। अधिकांश किताबों को लश्कर ए तैयबा के प्रकाशन से पब्लिश्ड किया गया है।

स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे सीएम फडणवीस बीएपीएस की तारीफ में क्या-क्या बोले?

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ प्रार्थना की और भगवान स्वामीनारायण के दर्शन किए। अपने दौरे के दौरान सीएम फडणवीस ने पवित्र अभिषेक समारोह में भाग लिया और अपनी गहरी श्रद्धा तथा आध्यात्मिक भक्ति व्यक्त की।

बीएपीएस के साधु तीर्थस्वरूप दास ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने उन्हें संगठन द्वारा पूरे भारत और दुनिया भर में चलाए जा रहे व्यापक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय कार्यों के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बीएपीएस की उन मूल्यों-आधारित पहलों की सराहना की, जो सेवा, संस्कार (मूल्यों) और एकता के माध्यम से समाज को लगातार प्रेरित करती आ रही हैं।

उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय भी बिताया और वहां के शांत तथा आध्यात्मिक रूप से उत्थान करने वाले वातावरण का अनुभव किया। विनम्रता और भक्ति की भावना के साथ, भगवान स्वामीनारायण और गुरुहरि महंत स्वामी महाराज के चरणों में यह प्रार्थना की गई। देवेंद्र फडणवीस का स्वास्थ्य सदैव उत्तम बना रहे, उन्हें शक्ति प्राप्त हो और वे महाराष्ट्र की जनता की प्रगति तथा कल्याण के लिए समर्पित भाव से अपनी सेवाएं देते रहें।

'ये बिल्डिंग भूतिया है

यहां आत्माएं मंडराती हैं', मंत्री संजय शिरसाट ने दिया अजीबोगरीब बयान

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजी नगर महानगरपालिका में एक कार्यक्रम के दौरान शिवसेना के नेता संजय सिरसाट ने अजीबोगरीब बयान दिया। सिरसाट ने कहा, यहां पर पहले मुर्दे गाड़े जाते थे और कब्रिस्तान का भाग होने की वजह से कभी-कभी यहां की आत्माएं डराती है और इसकी वजह से लोग बेचैन होते हैं, ऐसा मुझे लगता है। अगर आपको इससे मुक्ति चाहिए तो इस बिल्डिंग को कहीं अच्छी जगह ले जाइए, जिससे आत्माओं को भी छुटकारा मिलेगा और आपको भी। महानगरपालिका के इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट को लेकर संजय सिरसाट ने ऐसी बातें कहीं, जिससे हड़कंप मच गया है और सियासत तेज हो गई है।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के पालकमंत्री संजय शिरसाट ने महानगरपालिका की मौजूदा इमारत को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई और इस जगह को अशुभ बताते हुए कहा कि इसका असर कामकाज पर पड़ रहा है। इस इमारत के कारण विकास कार्यों में भी बाधाएं आ रही हैं, ऐसा इन आत्माओं की वजह से ही हो रहा है। शिरसाट ने सुझाव दिया है कि महानगरपालिका की नई इमारत पंचवटी चौक जैसे बेहतर स्थान पर बनाई जाए।

उन्होंने साफ कहा कि वर्तमान इमारत में छोटे-मोटे बदलाव करने से कोई फायदा नहीं होगा और शहर के बेहतर भविष्य के लिए नई इमारत जरूरी है। शिरसाट की इन बातों ने दमकल विभाग की क्षमता को मज़बूत करने की नगर निकाय की पहल को ही फीका कर दिया। पालक मंत्री ने नई इमारत के लिए ज़रूरी फंड दिलाने की बात भी कही।

लुटेरा गिरोह का भंडाफोड़, करीब डेढ़ करोड़ का सोना बरामद

भुवनेश्वर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कटक ग्रामीण पुलिस ने बुधवार को लूट की कई वारदातों में शामिल दो कुख्यात अपराधियों के साथ आठ खरीदारों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 1.40 करोड़ रुपये से अधिक के चोरी किए गए सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इसके अलावा 8 लाख रुपये के चांदी के आभूषण और 61,600 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। इसके साथ ही कार्रवाई के दौरान दो लग्जरी कारें, दो वॉकी-टॉकी और चोरी में इस्तेमाल होने वाले कई औजार भी बरामद किए गए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कटक ग्रामीण के एसपी विनीत अग्रवाल ने बताया कि मुख्य आरोपियों की पहचान राजेश खुंटिया और सुशांत स्वांई के रूप में हुई है, जो जगतसिंहपुर जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इन दोनों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कुल 47 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि अब तक करीब 925 ग्राम सोना, 3.1 किलोग्राम चांदी, 61,600 रुपये नकद, एक महिंद्रा थार, एक फोर्ड फिगो और दो वॉकी-टॉकी जब्त किए गए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकपाल के सीबीआई जांच आदेश को किया रद

निर्दोष पाया गया था डीआरआई अधिकारी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के एक अधिकारी के खिलाफ सीबीआई जांच का निर्देश देने संबंधी लोकपाल के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। न्यायमूर्ति विकास चौधरी व न्यायमूर्ति रेणु भट्नागर की पीठ ने कहा कि स्पष्ट कारण दर्ज किए बिना ऐसा निर्णय नहीं लिया जा सकता। खासकर तब जब पिछली जांच में अधिकारी को निर्दोष पाया गया हो। पीठ ने कहा कि लोकपाल को यह बताना चाहिए था कि दोषमुक्त करने के बाद भी ऐसे क्या तथ्य हैं, जिसके आधार पर प्रथम दृष्टया मामला अभी भी क्यों बनता है। अदालत ने उक्त आदेश डीआरआई अधिकारी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए दिया और लोकपाल के 24 जुलाई 2025 के आदेश को रद कर दिया।

शिकायत के आधार पर लोकपाल ने सीबीआई द्वारा प्रारंभिक जांच का आदेश

दिया था। वहीं, जांच के बाद, एजेंसी को याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई सामग्री नहीं मिली और उसने उन्हें निर्दोष बताते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। सतर्कता महानिदेशक ने इन निष्कर्षों से सहमति व्यक्त की, जिन्हें वित्त मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी ने भी स्वीकार किया। पूरा मामला याचिकाकर्ता और कुछ कस्टम अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और कदाचार का आरोप लगाने से जुड़ा है। शिकायत के आधार पर लोकपाल ने सीबीआई द्वारा एक प्रारंभिक जांच का आदेश दिया था। एजेंसी ने जांच के बाद किहा था कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई सामग्री नहीं पाई और उसे दोषमुक्त करने वाली एक रिपोर्ट सौंपी। सतर्कता महानिदेशक ने भी इससे सहमति जताई और वित्त मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी ने भी इसे स्वीकार कर लिया था। उक्त तथ्यों को देखते हुए पीठ ने टिप्पणी की कि लोकपाल को यह दिखाना होगा कि प्रकरण से जुड़ी सामग्री पर उचित रूप से विचार किया गया है और आगे की कार्रवाई केवल कोरे आरोपों या अनुमानों के आधार पर नहीं की जा रही है।

उत्तर बंगाल में ममता बनर्जी को झटका, भाजपा में शामिल हुई टीएमसी की महिला नेता

जलपाईगुड़ी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हल्दिबारी नगरपालिका की तृणमूल पार्षद पूर्वी रॉय प्रधान ने भाजपा का दामन थाम लिया है। विधानसभा चुनाव के लिए होने जा रहे मतदान से एक सप्ताह पहले इस तृणमृल नेता के भाजपा में शामिल होने से भाजपा की स्थिति इस इलाके में मजबूत होने की बात कही जा रही है। मेखलीगंज से परेश चंद्र अधिकारी एक बार फिर तृणमूल के उम्मीदवार बन गए हैं। शिक्षक भर्ती घोटाले में उनका नाम अप्रत्यक्ष रूप से सामने आया था।

उन पर आरोप था कि उन्होंने अपनी बेटी को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया था। हल्दिबारी नगरपालिका की तृणमूल पार्षद पूर्वी रॉय प्रधान इस बात से नाराज हैं। परेश को फिर से पार्टी का उम्मीदवार बनाये जाने पर वह सवाल पूछ रही है। पार्टी के इस फैसले से नाराज होकर उन्होंने तृणमूल छोड़ भाजपा ज्वाइन कर ली है। मेखलीगंज से तृणमूल के पूर्व विधायक और पूर्वी रॉय के पति अर्घ्य रॉय प्रधान ने हाल ही में पार्टी बदली है।

सुविचार: अपने संकल्प, बोल और कर्म द्वारा सुख देने से सुख के देवता बन जायेंगे

महिला आरक्षण कानून ऐतिहासिक कदम : रामचंद्र राव

> किसी भी राज्य या क्षेत्र को कोई नुकसान नहीं

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने चंदानगर में मीडिया से बातचीत करते हुए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि इस कानून के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस कानून को लागू करने के लिए 2029 से प्रभावी करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही परिसीमन (डीलिमिटेशन) प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। रामचंद्र राव ने इस निर्णय पर तेलंगाना की महिलाओं और राज्य की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2008 में कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक लाने में असफल रही, क्योंकि उसके सहयोगी दलों ने संसद में इसका विरोध किया था। उस समय कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर सोनिया गांधी, स्पष्ट रुख नहीं अपना सकीं।

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा किए गए वादे भी पूरे नहीं हो सके। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि वर्तमान में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की पार्टियां महिला आरक्षण के खिलाफ माहौल बना रही हैं और नए प्रस्तावों के जरिए लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून लागू होने से देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए संसद और विधानसभाओं में सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिसमें 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। रामचंद्र राव ने कांग्रेस पर गलत प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस कानून से किसी भी राज्य या क्षेत्र को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने जनता से अपील की कि इस तरह के भ्रामक प्रचार पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला महिलाओं को विधायिकाओं में उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा।

विधानसभा में केंद्रीय कक्ष निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने गुरुवार को अपने कक्ष में सड़क एवं भवन विभाग, आगा खान ट्रस्ट तथा विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान सभापति ने विधान परिषद परिसर में लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुरूप कहा कि विधान परिषद और विधानसभा के बीच प्रस्तावित केंद्रीय कक्ष के निर्माण कार्य को तत्काल प्रारंभ किया जाए। गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्रीय कक्ष का डिजाइन इस प्रकार तैयार किया जाए, जिससे परिषद और विधानसभा के सदस्यों को अधिकतम सुविधा और आराम मिल सके। साथ ही निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो, यह सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में परिषद सचिव डॉ. नरसिम्हाचार्युलु, सभापति के विशेष कार्याधिकारी गोवर्धन रेड्डी, मोहन रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज शुक्रवार दिनांक 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है ।
जीवदया गौसेवा का
दक्षिण भारत का सभ से बड़ा तीर्थमयी स्थल
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगनपहाड
आप द्वारा स्थापित इस तीर्थमयी स्थल मे 7,000 से अधिक कटने से बचाई गौवंश की सेवा आप सभी के कारण ही संपन्न हो रही है । हज़ारो कबूतरों को नियमित दाना भी अर्पण किया जा रहा है । चलिये इनको अपने करकमलों से चारा दाना अर्पण कर पूण्य कमाइये ।
|| अवश्य पधारिये ||
सत्यम् शिवम् सुन्दरम गौनिवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyd
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260
92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Scan & Pay
Bankers : Bank Of Baroda Nallakunta Branch, Hyd. A/c. : 75450200001071, Ifsc Code : BARBOVJNAKU
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE IN AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST (PROVIDE PAN NO. & OBTAIN CERTIFICATE)
Canara Bank, Basheerbagh Branch, A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878
NAVKAR AGENCIES

तेलंगाना गठन पर टिप्पणी को लेकर जूपल्ली का कड़ा विरोध

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की तेलंगाना राज्य के गठन पर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अज्ञानता भरा और जनता के आत्मसम्मान पर हमला बताया। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना का गठन लंबे संघर्ष और युवाओं के बलिदान का परिणाम है, ऐसे में इस पर अपमानजनक बयान देना उन सभी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें लोकतंत्र और राज्य के इतिहास को कमजोर करने वाली हैं। जूपल्ली ने आरोप लगाया कि भाजपा के भीतर तेलंगाना को लेकर पूर्वाग्रह है और पार्टी राज्य की पहचान को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाई है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व, खासकर सोनिया गांधी, ने जनता की भावनाओं को समझते हुए राज्य गठन का फैसला लिया था। अंत में मंत्री ने तेजस्वी सूर्या से बिना शर्त माफी की मांग की और कहा कि तेलंगाना के सम्मान के खिलाफ किसी भी बयान का जनता कड़ा जवाब देगी।

उन्नत अभियांत्रिकी का वैश्विक केंद्र बन रहा है हैदराबाद : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद तेजी से उन्नत अभियांत्रिकी का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका की अग्रणी डिजिटल विनिर्माण कंपनी प्रोटोलैब्स भारत में अपने विस्तार के तहत हैदराबाद में अपना वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित करेगी।

गुरुवार को सचिवालय में प्रोटोलैब्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से मुलाकात कर भारत में प्रवेश की रणनीति और हैदराबाद में केंद्र स्थापित करने की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री ने कहा कि मजबूत अभियांत्रिकी प्रतिभा, सुदृढ़ डिजिटल तंत्र, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों और बढ़ते विनिर्माण आधार के कारण हैदराबाद विश्व के पसंदीदा केंद्रों में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी इसी माह से अपने कार्य प्रारंभ करने की योजना बना रही है और निकट भविष्य में 200 से 300 कर्मचारियों तक विस्तार किया जाएगा, जिसमें अभियांत्रिकी क्षेत्र के युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्तावित केंद्र उन्नत अभियांत्रिकी, डिजिटल विनिर्माण तकनीकों और उत्पाद विकास पर केंद्रित होगा, जिससे हैदराबाद की उच्च मूल्य विनिर्माण और आधुनिक औद्योगिक तकनीकों में भूमिका और मजबूत होगी। श्रीधर बाबू ने कहा कि यह निवेश शहर की उन्नत अभियांत्रिकी और डिजिटल विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाएगा तथा नवाचार आधारित विकास में हैदराबाद की पहचान को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से स्थानीय नवाचार तंत्र को भी मजबूती मिलेगी और नव उद्यमों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा उद्योगों को उत्पाद विकास में तेजी लाने में सहायता मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद एक ऐसा शहर बनता जा रहा है, जहां सॉफ्टवेयर, अभियांत्रिकी और विनिर्माण का समन्वय हो रहा है। इस प्रकार के निवेश से उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण बनाने और रोजगार सृजन के साथ नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार साईकृष्ण भी उपस्थित रहे।

श्री गोपाल गौशाला
गावो विश्वस्थ मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण
MEENAKSHI

बैसाखी अमावस्या की उपलक्ष में
श्री गणेशाय नमः
ॐ साईं राम
गौशाला पधार कर गौ सेवा कर पितृ एवं गौ माता की कृपा प्राप्त करें
शुक्रवार दिनांक 17.04.2026
समय सुबह 9:00 बजे से
संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रारंभ होगा
पाठ के उपरांत प्रसादी का आयोजन किया जाएगा
शुभ स्थल:
नारायणी गौ सेवा सदन
स्ट्रीट नंबर 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
संपर्क सूत्र: 958 13 4 8889
Trustee एवं आयोजक:
श्री अमन सोनी, डीपी तिवारी, मोहन बाबू, सज्जन डागा, पवन अग्रवाल, अर्जुन
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

'भारत-पाकिस्तान' तुलना पर हरीश राव का विरोध

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की है, जिसमें उन्होंने तेलंगाना के गठन की तुलना भारत-पाकिस्तान विभाजन से की थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन दशकों के संघर्ष और हजारों छात्रों, युवाओं, कर्मचारियों व आम लोगों के बलिदान का परिणाम है। हरीश राव ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां अहंकार को दर्शाती हैं और यह बताती हैं कि भाजपा तेलंगाना राज्य को स्वीकार नहीं कर पा रही है।

जल बोर्ड की आईवीआरएस सेवा बहाल

टैंकर बुकिंग और शिकायत व्यवस्था सामान्य

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) की ग्राहक सेवा और पानी के टैंकर बुकिंग में आई तकनीकी खराबी को गुरुवार दोपहर तक ठीक कर लिया गया, जिससे सेवाएं फिर से सामान्य हो गई हैं। जल बोर्ड ने जानकारी देते हुए बताया कि मेट्रो कस्टमर केयर (एमसीसी) नंबर 155313 पर आईवीआरएस प्रणाली को प्रभावित करने वाली तकनीकी समस्या का समाधान कर लिया गया है और अब सभी फोन लाइनें सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं। बीएसएनएल की तकनीकी टीम के समन्वय से इस समस्या को शीघ्र ठीक किया गया। अब उपभोक्ता दोबारा इस नंबर के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं, सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं और आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण कस्टमर केयर सेवा ठप हो गई थी, जिसके चलते जल बोर्ड ने उपभोक्ताओं को वैकल्पिक माध्यमों से टैंकर बुक करने की सलाह दी थी। इसके तहत ग्राहकों को आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए बुकिंग करने के लिए कहा गया था। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को निकटतम जल बोर्ड कार्यालय से संपर्क करने और आपात स्थिति में स्थानीय लाइनमैन या फील्ड स्टाफ से सहायता लेने की भी सलाह दी गई थी। अब तकनीकी समस्या दूर होने के बाद सभी सेवाएं पुनः सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

पेड़ से लटककर अज्ञात व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बुधवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां कालीखबर रोड पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति देर रात पेड़ पर चढ़ा और रस्सी से फंदा बनाकर अपने गले में डाल लिया। संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे की ओर लटक गया, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों ने पेड़ से एक व्यक्ति को लटका हुआ देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
दर्श-सत्तु अमावस्या
आज शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 प्रातः 11 बजे से
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन ✻ भजन ✻ भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
भोजन प्रसादी : श्री महेन्द्रसिंहजी आगलेचा (अलवाल)
हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी : बाबुजी श्री गोपालदासजी बंसल (अलवाल), श्री नारायणरामजी विक्रमजी सुथार (बोल्लारम)
भजन गायक : श्री जयरामजी सी र वी (अथवेली)
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

ॐ शिव मंदिर गौशाला
OM SHIV MANDIR GOSHALA
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
SHIV MANDIR GOSHALA
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
आज शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 अमावस्या है
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर सकते हैं पीएम मोदी

प्रशासन ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

मेरठ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ से तीर्थराज प्रयाग को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का काम पूरा हो गया है। गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिले में आ सकते हैं हालांकि अभी कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। वहीं 29 अप्रैल को संभावित कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

मेरठ से सीधे तीर्थराज प्रयाग को जोड़ने वाले 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का सबसे अधिक भाग करीब 100 किलोमीटर का जिले में है। गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास शाहजहांपुर जनपद के रोजा में 18 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। काम को शुरूआत में तो तेजी से कराया गया, लेकिन बाढ़ और अन्य आपदा से बीच-बीच में काम प्रभावित हुआ।

जिले की सीमा में 100 किलोमीटर लंबाई में काम पूरा कराने के लिए प्रशासन ने उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को गंगा एक्सप्रेसवे बनवाए जाने में आने वाली कठिनाइयों को दूर कराया, इससे जिले में काम ने गति पकड़ी, इससे काम पूरा हो पाया है। जिले में तहसील शाहाबाद, सवायजपुर और बिलग्राम के गांवों से भूमि का अधिग्रहण किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शीर्ष प्राथमिकता में से एक भारत के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेसवे को छह लेन में बनवाया गया है। इसे आठ लेन तक बढ़ाए जाने के लिए पहले से ही भूमि को अधिग्रहीत किया गया है।

जिले की सीमा में अडानी समूह के माध्यम से एक्सप्रेसवे को बनवाया गया है। वहीं प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के दृष्टिगत बुधवार को जिलाधिकारी अनुनय झा ने पुलिस अधीक्षक एके मीणा, विधायक आशीष सिंह आशू और अधिकारियों के साथ मल्लावां के मोहल्ला बंदीपुर के पास सभास्थल से लगाकर पार्किंग स्थल तक के लिए जगह को देखा। काम पूरा होने के बाद भी गंगा एक्सप्रेसवे को यातायात के लिए अभी खोला नहीं गया है।

इसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने गंगा एक्सप्रेसवे पर राघौपुर मार्ग पर बने कट के पास मोहल्ला बंदीपुर के सामने सभास्थल , एक्सप्रेसवे पर हैलीपेड के लिए स्थान को चिह्नित किया। राघौपुर रोड पर ही वाहनों की पार्किंग के लिए कटरा व कलेनापुर में भूमि को देखा। डीएम ने यूपीडा, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेलीपैड सहित अन्य व्यवस्थाएं जुटाने के निर्देश दिए।

बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, तिलक समारोह से लौटते समय हादसा

तीन की मौत और एक गंभीर

कानपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिल्हौर के शिवराजपुर में दुबियाना अंडरपास के ऊपर हाईवे पर चार बाइक सवारों को अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक की हालत गंभीर बनी हुई हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग गुरुवार सुबह बिल्हौर से भांजे के तिलक समारोह से वापस घर लौट रहे थे। बिठूर थाने के बाकरगंज गांव निवासी विनोद निषाद (45), रामनारायण (52) और पियूष निषाद (11) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, घायल दीक्षा को रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

महिला को सीएम योगी ने दिया भरोसा

आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे, विवेकाधीन कोष से भी होगी मदद

गोरखपुर , 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान श्रावस्ती से आई एक महिला ने गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे के इलाज में मदद का अनुरोध किया।

साथ में आए बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने महिला से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला की तरफ से 'नहीं बना है', जवाब मिलने पर मुख्यमंत्री ने कहा- घबराइए मत, बच्चे के इलाज में कोई भी बाधा नहीं आने देंगे। आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से भी बच्चे के इलाज में आर्थिक सहायता देंगे। महिला का प्रार्थना पत्र लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अफसरों को इस निर्देश के साथ थमाया कि इसे श्रावस्ती के जिलाधिकारी को भेजकर आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए। साथ ही डीएम के जरिये इलाज का इस्टीमेट भी शासन को उपलब्ध कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

रायबरेली में विधायक पल्लवी पटेल और एसपी रवि कुमार के बीच हो गई जबरदस्त बहस !

वीडियो हुआ वायरल तो पूरी कहानी खुली

रायबरेली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के रायबरेली में फायर ब्रांड नेता और अपना दल कमेरावादी की विधायक पल्लवी पटेल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में पल्लवी पटेल किसी से फोन पर बात कर रही हैं।

वह जिले के एसपी से बात कर रही हैं। इस दौरान दोनों के बीच बहस हो जाती है। दावा किया जा रहा है कि वायरल वीडियो में पल्लवी पटेल, एसपी रवि कुमार से बात कर रही हैं। इस दौरान वह बिना उनकी बात सुने फोन काट देने की वजह पूछ रही हैं। फोन पर एसपी रवि कुमार कह रहे हैं कि आप इस तरह से चिल्लाएंगी और गुस्सा करेंगी। फिर पल्लवी पटेल कहती हैं कि आप बताइये, आप कितने दिनों में कार्रवाई कर देंगे। फिर एसपी 15 दिन के अंदर कार्रवाई का आश्वासन देते हैं। एसपी की ये बात सुनने के बाद पल्लवी पटेल कहती हैं कि अगर 15 दिनों के अंदर कार्रवाई नहीं हुई तो वह ऑफिस आ जाएंगी। दरअसल यह मामला जगतपुर के छिछोरा गांव का है।

एक महीने पहले यहां के रहने वाले किसान सुरेश कुमार की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनके दस्तावेज पर बैंक से 5 लाख तक का लोन ले लिया गया था। ये पैसे गांव के ही एक युवक ने लिए थे। परिजनों का कहना है कि इन्हीं पैसों की रिकवरी के लिए बैंक से बार-बार नोटिस आ रहा था, जिससे किसान सुरेश कुमार काफी परेशान थे। इसी तनाव में आकर उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस मामले में नामजद तहरीर के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। 1 महीने बाद जब मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो पल्लवी पटेल पीड़ित के यहां पहुंची। फिलहाल पुलिस का कोई ऑफिशियल वर्जन अभी तक मामले को लेकर नहीं आया है।

ओडिशा में बिहार के 59 नाबालिग बच्चे रेस्क्यू

मदरसे में दाखिला के नाम पर मानव तस्करी अररिया सीडब्ल्यूसी को भेजी गई लिस्ट

अररिया, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने मानव तस्करी की आशंका में बिहार के अररिया जिले के 59 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया है। ये बच्चे धौली एक्सप्रेस से प्लेटफॉर्म नंबर चार पर उतर रहे थे, तभी आरपीएफ की टीम को उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। सभी बच्चे नाबालिग थे और उनके साथ कोई अभिभावक नहीं था। संदेह होने पर आरपीएफ जवानों ने तुरंत उन्हें रोका और पूछताछ शुरू की। बच्चों ने बताया कि उन्हें अररिया जिले के विभिन्न गरीब गांवों से लाया गया था। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि उन्हें ओडिशा के एक मदरसे में दाखिला दिलाने के नाम पर मुफ्त पढ़ाई, खाना और रहने का लालच दिया गया था। इसी

लालच में वे अपने घरों से निकले थे। बच्चों की यात्रा का रास्ता काफी लंबा था। वे पहले अररिया से ट्रेन से कटिहार पहुंचे, फिर हावड़ा होते हुए कटक पहुंचे थे। आरपीएफ ने तत्काल चाइल्डलाइन को सूचित किया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। रेस्क्यू किए गए सभी 59 बच्चों को कटक चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में 45 डिग्री वाला टॉर्चर !

बांदा जिला सबसे गर्म अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम?

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में मौसम में यू-टर्न ले लिया है। गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। अधिकतम तापमान करीब 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया है। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म वाला जिला रहा। अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रदेश के 15 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, महोबा, चित्रकूट और आसपास के जिलों में गर्मी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। वहीं दक्षिणी यूपी के कई जिलों में भी पारा तेजी से बढ़ रहा है। लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी तापमान में

लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम और शुष्क हवाओं के कारण तापमान में अचानक बढ़ोतरी हो रही है। तेज घूप के कारण बुधवार को सड़कों पर आवाजाही कम देखने को मिली और लोग धूप से बचते नजर आए। आज यूपी में बारिश की संभावना नहीं है। राजधारी में भी गर्मी का कहर जारी है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना जताई है। लखनऊ का तापमान आने वाले दिनों में 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं और इस दौरान हीटवेव का भी असर रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घरों से बाहर न निकलने की सलाह की है.

युवती ने रिटायर्ड बैंक अधिकारी को जाल में फंसाया

निवेश के बहाने 97 लाख ठगे

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड ने रिटायर्ड बैंक अधिकारी अमरेंद्र कुमार सिन्हा से 97.06 लाख की ठगी कर ली। उन्होंने फेसबुक पर वेपलोग नाम के एड पर क्लिक किया तो साक्षी अग्रवाल नाम की युवती से बात हुई। उसने खुद को मुंबई की वीवी कंस्ट्रक्शन की सीईओ बताया। दोनों के बीच वीडियो कॉल और वाट्सएप चैट से बातचीत होने लगी। फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए साक्षी ने उन्हें जाल में फंसाया और धीरे-धीरे उनसे निवेश करा लिया। इस कंपनी का पता खोजा सोसाइटी, वैशाली नगर, जोगेश्वरी, वेस्ट मुंबई है। इतनी मोटी रकम निवेश करने के बाद उन्हें केवल 1978 रुपए मिले। अमरेंद्र पुनाईचक में रहते हैं। वे पूर्णिया स्थित एसबीआई की होम लोन ब्रांच के मुख्य प्रबंधक पद से 30 अगस्त 2024 को रिटायर हुए।

'बीजेपी की फितरत में है धोखा देना'

शिवपाल सिंह यादव का बड़ा बयान, बोले– सपा के साथ ब्राह्मण, 2027 में हर हाल में बनेगी सरकार

लखनऊ , 16 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा है कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में पार्टी की सरकार हर हाल में बनेगी।

शिवपाल यादव अपने गृह जिले इटावा के पृथ्वीपुर गांव में ब्राह्मण महासभा के सम्मेलन में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की जन विरोधी नीतियां उत्तर प्रदेश के 2027 विधानसभा के चुनाव में सपा की सरकार को बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। सपा नेता ने कहा है कि देश प्रदेश के हालत भाजपा के सत्ता में होने के कारण बेहद खराब हो गए है। यह बात हर कोई देख और समझ बहुत अच्छे से रहा है। यादव ने कहा कि सपा को हर वर्ग का समर्थन हासिल हो रहा है। ब्राह्मण वर्ग समाजवादी पार्टी के साथ में बड़ी तादात में आकर के खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी इस समय चरम पर है। हर के किसान परेशान बना हुआ है। किसानो की कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है । पहले आलू किसान ओर अब गेहूं किसान के सामने बड़ा संकट खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता धोखे की राजनीति करते है और धोखा देना उनकी फितरत में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बुरी तरह से खराब हो गई है यह भाजपा की बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था का सबसे बड़ा नमूना कहा जाएगा।

आजम खान की सजा बढ़ेगी या नहीं?

हाईकोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला, अब नवाब काजिम अली खान भी बनेंगे पक्षकार

रामपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से झटका लगा है। अदालत ने रामपुर की ट्रायल कोर्ट को पैनकार्ड और पासपोर्ट मामले में शिकायतकर्ता नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां का पक्ष सुनने के निर्देश दिए हैं।

मामला निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की ओर से दाखिल अपील से जुड़ा है। इसी अपील में शिकायतकर्ता नवाब काजिम अली खां ने भी पक्षकार बनाए जाने की मांग की थी, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। मिली जानकारी के मुताबिक, हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान आजम खान और अब्दुल्ला आजम की ओर से शिकायतकर्ता की याचिका का विरोध किया गया।

दलील दी गई कि अपील में उन्हें पक्षकार बनाए जाने का औचित्य नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का आदेश पलट दिया। अदालत ने कहा कि सजा बढ़ाने की अपील जैसे मामलों में शिकायतकर्ता भी महत्वपूर्ण पक्ष होता है, इसलिए उसे अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाना चाहिए।

नोएडा हिंसा मामला: श्रमिकों से मिलेगा सपा प्रतिनिधिमंडल

अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

नोएडा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंसक झड़प, बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी के बाद विपक्षी समाजवादी पार्टी से नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में 10 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल 17 अप्रैल को श्रमिकों से मुलाकात करेगा।

पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल को श्रमिकों की पीड़ा सुनकर उनके मुद्दे उठाने के निर्देश दिए हैं। प्रतिनिधिमंडल लाठीचार्ज में पीड़ितों के परिजनों से भी बात करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के साथ जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, विधायक अतुल प्रधान, पंकज कुमार मलिक, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी व नोएडा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का कहना है कि नोएडा में श्रमिकों को 10 से 11 हजार रुपये वेतन देकर उनसे 10-12 घंटे काम कराया जा रहा है।

कई बार साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता। कई महीनों से सैंकड़ों श्रमिक वेतन बढ़ाने और अतिरिक्त काम की एवज में ओवरटाइम की मांग भी कर रहे थे। फेज-दो स्थित मदरसन कंपनी के बाहर श्रमिक वेतनमान बढ़ाने को लेकर शांतिपूर्वक धरना दे रहे थे, लेकिन स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने धरने को जबरन खत्म कराने के लिए लाठीचार्ज शुरू कर दिया। इससे श्रमिकों में रोष व्याप्त है। उनकी मांग और पीड़ा को सुनने के लिए 17 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल जाएगा।

बजरंगबली की मूर्ति पर कालिख पोती

दीवारों पर लिखे अपशब्द, सुपौल में जबरदस्त बवाल

सुपौल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र से गुरुवार (16 अप्रैल, 2026) की सुबह एक संवेदनशील और चिंताजनक मामला सामने आया। अराजक तत्वों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की जिसके बाद लोगों ने जबरदस्त बवाल किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को संभाला। जानकारी के अनुसार, त्रिवेणीगंज बाजार स्थित चिलोनी नदी पुल के पास बने बजरंगबली के मंदिर में स्थापित प्रतिमा पर किसी ने कालिख पोत दी। इतना ही नहीं

मंदिर के बाहर दीवारों पर भी अभद्र और आपत्तिजनक शब्द लिख दिए गए। वो शब्द बताया भी नहीं जा सकता है।

सुबह जब श्रद्धालु पूजा करने मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने प्रतिमा की यह हालत देखी, जिसके बाद देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा कr। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की हरकत समाज में अशांति फैलाने की साजिश हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि इलाके में शांति व्यवस्था बनी रहे।

ट्रेन से कटकर 4 की मौत, बोगी से उतरकर लाइन पर खड़े थे

दो ट्रेनों की चपेट में आकर हुई मौत

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। साढ़े सात बजे करछना क्षेत्र के पचदेवरा हाल्ट के पास एक बेहद दर्दनाक रेल हादसा हो गया। ट्रेन से कटकर चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अभी लापता बताया जा रहा है। पचदेवरा हाल्ट पर एक ट्रेन कुछ देर के लिए रुकी हुई थी। एक यात्री बोगी से नीचे उतरकर दूसरी लाइन के पास टॉयलेट करने चला गया। तभी तेज रफ्तार कालका मेल आ गई और उस युवक को अपनी चपेट में ले लिया। युवक मौके पर ही अपनी जान गंवा बैठा। इस भयानक घटना को देखकर ट्रेन में सवार उसके परिजन और अन्य यात्री घबरा गए। वे तुरंत नीचे उतर आए और शोर मचाने लगे। ठीक उसी समय दूसरी ट्रेन भी आ पहुंची और तीन लोगों को अपनी चपेट में ले ली। इस दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से उन तीनों की भी मौके पर मौत हो गई। इस तरह कुल चार लोगों की जान चली गई। घटना के बाद एक अन्य व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली है। आशंका जताई जा रही है कि वह भी ट्रेन की चपेट में आया होगा, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

बिहार: ट्रक की टक्कर से बस पलटी

दो दर्जन से अधिक यात्री घायल ; 8 की हालत गंभीर

सुपौल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पटना से उदाकिशुनगंज जा रही यात्रियों से भरी बस और एक ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर एनएच-27 किनारे हरियाही के पास पलट गई। इस हादसे में बस में सवार दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना निर्मली थाना क्षेत्र के हरियाही स्थित हर्ष पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार तड़के करीब 4 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के अनुसार, बस में करीब 40 से अधिक यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को किसी न किसी रूप में चोटें आई है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली (एसडीएच निर्मली) पहुंचाया गया, जहां 14 घायलों को भर्ती कर उनका इलाज शुरू किया गया। अस्पताल प्रबंधक मुकेश कुमार की देखरेख में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ। आलोक राज ने बताया कि घायलों की स्थिति को देखते हुए 8 लोगों को गंभीर हालत में बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में घायलों ने बताया कि बस आगे बढ़ रही थी, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने के दौरान बस में जोरदार टक्कर मार दी।

संभल में फिर गरजा बुलडोजर,7 बीघा सरकारी भूमि पर बना ईदगाह और इमामबाड़ा किया गया ध्वस्त

संभल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले साल भर से अलग-अलग मामलों में लगातार बुलडोलर एक्शन हो रहा है। गुरुवार को प्रशासन ने एक बार फिर अवैध कब्जों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। संभल कोतवाली क्षेत्र के गांव बिछोली में सात बीघा सरकारी जमीन पर बने अवैध ईदगाह और इमामबाड़े को बुलडोजरों से ध्वस्त किया जा रहा है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। मौके पर कई थानों की फोर्स और पीएसी की एक कंपनी तैनात है।प्रशासन के अनुसार, यह भूमि गाटा संख्या 1240 में दर्ज है,जिसका रकबा 0.166 हेक्टेयर है। राजस्व रिकॉर्ड में इसे खाद के गड्ढे की आरक्षित श्रेणी में अंकित किया गया है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद जांच में सामने आया कि इस सरकारी भूमि पर अज्ञात लोगों द्वारा इमामबाड़ा और ईदगाह का निर्माण कर दिया गया था। जो पूरी तरह अवैध था।मामले में लेखपाल स्पर्श गुप्ता ने 18 जनवरी, 2026 को तहसीलदार न्यायालय में धारा 67 के तहत वाद दायर किया। इसके बाद 31 जनवरी को सार्वजनिक नोटिस जारी कर अखबार में प्रकाशन कराया गया। ताकि संबंधित पक्ष सामने आकर अपना दावा पेश कर सके। हालांकि तय समय सीमा में कोई भी व्यक्ति स्वामित्व का दावा करने या अपत्ति दर्ज करने के लिए नहीं आया। अदालत ने इसके बाद अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए, लेकिन जब आदेश का पालन नहीं हुआ तो 31 जनवरी को ही बेदखली का आदेश पारित कर दिया गया।उल्लेखनीय है कि इस आदेश के खिलाफ किसी भी स्तर पर कोई आपत्ति सामने नहीं आई। इससे प्रशासनिक कार्रवाई का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया। गुरुवार को एसडीएम निधि पटेल और नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। इसलिए अब बुलडोजर कार्रवाई अनिवार्य हो गई थी।

धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत कराई जा रहीं झूठी एफआईआर, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा ये ट्रेंड चिंताजनक

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान राज्य में 'उत्तर प्रदेश का गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021' के तहत गलत एफआईआर दर्ज कराए जाने की बढ़ती घटना पर चिंता जताई और कहा कि ये ट्रेंड चिंताजनक है.

कोर्ट ने यह देखते हुए कि 2021 में बने इस कानून के तहत "धड़ाधड़" एफआईआर दर्ज कराई जा रही है, जो बाद में गलत साबित होती है. साथ ही कोर्ट ने राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिया कि वे निजी तौर पर हलफनामा दायर कर बताएं कि ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई की जा रही है. जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने सोमवार को सुनवाई के दौरान यह आदेश सुनाया. कोर्ट मोहम्मद फैजान और अन्य की ओर से दाखिल एक आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था.

याचिकाकर्ताओं ने बहराइच जिले के एक पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी. इस एफआईआर के तहत यह आरोप लगाया गया था कि याचिकाकर्ता और अन्य लोग, शिकायतकर्ता की 18 साल बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए थे. यह दावा किया गया कि याचिकाकर्ता शिकायतकर्ता की बेटी का धर्म बदलने और उस पर शादी करने के लिए दबाव डालने की कोशिश करेंगे. हालांकि, बेंच को पीड़िता के उस बयान के बारे में भी बताया गया, जिसे बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज किया गया था. इसमें पीड़िता ने कहा था कि वह पिछले 3 सालों से याचिकाकर्ता के साथ आपसी सहमति से बने रिश्ते में थी.

सुबह-सुबह हाथियों की तेज चिंघाड़ से खुली गांव वालों की नींद, बाहर का नज़ारा देख फटी रह गईं आंखें

जलपाईगुड़ी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में आज सुबह एक गांव में अचानक जंगली हाथी घुस आए जिसके बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई। यह घटना आज, गुरुवार 16 अप्रैल की सुबह धुपगुड़ी की गधेयारकुठी ग्राम पंचायत की चरकबस्ती की है। गांव के लोगों ने बताया कि आज तड़के लगभग 5 बजे थे जब अचानक तेज चिंघाड़ की आवाज़ें सुन लोगों की नींद खुल गई।

ग्रामीण दौड़कर बाहर निकले तो देखा कि जंगल से हाथियों का एक झुंड गांव की ओर आ रहा था। ये नजारा देख पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बन गया और लोग घबरा गए। गांव के लोगों ने हाथियों का वीडियो भी बनाया। इसमें दिखता है कि 8 हाथियों का झुंड खेतों से गुज़रता हुआ गांव की ओर बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों ने व्यापक क्षति पहुंचाई है और उनकी खड़ी फसलों को तबाह कर दिया है।

कौन होगा केरल का सीएम?

चुनाव के नतीजों से पहले सामने आई कांग्रेस में आंतरिक कलह, वेणुगोपाल-सतीशन का नाम आगे

कोच्चि, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में मतगणना शुरू होने से पहले ही कांग्रेस पार्टी एक जानी-पहचानी समस्या आंतरिक कलह से जूझ रही है। 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को समाप्त हो गया और परिणाम 4 मई को आएगी। ऐसे में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की संभावित जीत को लेकर बढ़ती आशाओं ने अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर तीखी बहस छेड़ दी है। पार्टी के भीतर दबी आवाजों के रूप में शुरू हुई बात अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म प्रमुख दावेदारों के समर्थन में चलाए जा रहे अभियानों से भरे पड़े हैं, जबकि टेलीविजन चैनलों ने इस कहानी को और भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है, जिससे यह एक पूर्ण विकसित राजनीतिक तमाशा बन गया है। कांग्रेस कार्यकर्ता भी इस विवाद में कूद पड़े हैं। खुले तौर पर अपने पसंदीदा नेताओं के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। असामान्य आक्रामकता के साथ एक-दूसरे के खिलाफ दावे पेश कर रहे हैं। इस बहस के केंद्र में वीडी।

सतीशान, के।सी। वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला जैसे नेता हैं, जिनमें से प्रत्येक को पार्टी के भीतर अलग-अलग गुटों का समर्थन प्राप्त है। वेणुगोपाल के समर्थक राहुल गांधी से उनकी निकटता और राष्ट्रीय स्तर की रणनीतियों को आकार देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालते हैं, और उन्हें एक सर्वसम्मत नेता के रूप में प्रस्तुत करते हैं। दूसरी ओर, सतीशान को एक युवा, अधिक आक्रामक नेतृत्व के चेहरे के रूप में पेश किया जा रहा है, जिन्हें वामपंथी सरकार के खिलाफ यूडीएफ के अभियान को ऊर्जा प्रदान करने का श्रेय दिया जाता है। चेन्निथला का खेमा वरिष्ठता और अनुभव पर जोर दे रहा है। यह तर्क देते हुए कि यदि पार्टी सत्ता में वापस आती है तो वह स्वाभाविक पसंद बने रहेंगे।

हालांकि, इस खुलेआम खींचतान ने पार्टी के भीतर चिंताएं बढ़ा दी हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को पेश करने से सावधानीपूर्वक परहेज किया था। यह कहते हुए कि यह निर्णय उच्च कमान पर निर्भर करेगा। इसका उद्देश्य गुटबाजी को चुनावी संभावनाओं को कमजोर करने से रोकना था। मतदान के दिन के बाद वह संयम तेजी से खत्म होता दिख रहा है।

अब खबरों से पता चलता है कि दिल्ली में पार्टी नेतृत्व आंतरिक मतभेदों के सार्वजनिक होने से नाखुश है। ऐसा समझा जा रहा है कि उच्च कमान ने दोहराया है कि अंतिम निर्णय स्थापित प्रक्रियाओं द्वारा निर्धारित किया जाएगा। न कि सोशल मीडिया अभियानों या सार्वजनिक बयानबाजी द्वारा। इस बात को लेकर भी चिंता है कि चल रही खींचतान मतदाताओं को भ्रमित करने वाले संकेत दे सकती है।

कौन है 'दबंग मैम' निदा खान?

ऑफिस में बुर्का पहनाने से इस्लाम में धकेलने तक, सनसनीखेज खुलासे

नासिक, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बीपीओ में सामने आए धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न के मामले ने पूरे देश को चौंका दिया है। इस पूरे विवाद के केंद्र में एक ही नाम है— निदा खान, जिसे ऑफिस में कर्मचारी 'दबंग मैम' कहकर बुलाते थे। आरोप है कि निदा खान सिर्फ एक एचआर मैनेजर नहीं थी, बल्कि वह एक ऐसे खूंखार प्लान की मास्टरमाइंड थी, जिसका मकसद कर्मचारियों का ब्रेनवॉश कर उन्हें इस्लाम की ओर धकेलना था। टाटा संस के चेयरमैन एन। चंद्रशेखरन ने भी इस मामले पर चिंता जताई है और कंपनी ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस निदा खान की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। दर्ज की गई 9 एफआईआर में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं।

महिला कर्मचारियों का कहना है कि निदा खान उन पर बुर्का पहनने और इस्लामी रीति-रिवाजों को अपनाने का दबाव डालती थी। वह खुद महिलाओं को सिखाती थी कि बुर्का कैसे पहना जाता है। इतना ही नहीं, एक पुरुष कर्मचारी ने आरोप लगाया कि उसे जबरन टोपी पहनाकर नमाज पढ़वाई गई और उसकी तस्वीरें भी ली गईं। विरोध करने पर कर्मचारियों को करियर बर्बाद करने की धमकी दी जाती थी। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने एक व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा था, जिसमें निदा खान भी शामिल थी।

ट्रेन के एसी क्लास से 311 दुर्लभ कछुओं की तस्करी का मामला

आरोपी की जमानत याचिका खारिज, कोर्ट का बड़ा फैसला

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में दुर्लभ और प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की तस्करी से जुड़े बड़े मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल ने आरोपी दीपक पारखे की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला रेल नेटवर्क के जरिए लंबे समय से संचालित हो रहे एक संगठित तस्करी गिरोह से जुड़ा हुआ है। अदालत के इस फैसले को वन्यजीव तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की सटीक विवेचना और अभियोजन पक्ष की मजबूत दलीलों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया।

रेल नेटवर्क के माध्यम से मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की तस्करी में संलिप्त आरोपी दीपक पारखे की प्रथम जमानत याचिका जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल द्वारा खारिज कर दी गई है। आरोपी दीपक पारखे, निवासी इंदौर, ने न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन किया था, लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया। फिलहाल आरोपी लगभग दो माह से केंद्रीय जेल, भोपाल में निरुद्ध है और मामले की विवेचना अभी जारी है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, भोपाल इकाई द्वारा की गई विस्तृत जांच और अभियोजन पक्ष की प्रभावी दलीलों को न्यायालय ने गंभीरता से लिया। इसी के आधार पर यह माना गया कि मामला न केवल गंभीर है, बल्कि संगठित वन्यजीव अपराध से जुड़ा हुआ है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर आरोपी को जमानत देना जांच को प्रभावित कर सकता है। 3 फरवरी 2026 को स्टेट टाइगर फोर्स मध्यप्रदेश (भोपाल), रेलवे सुरक्षा बल और वन मंडल भोपाल की संयुक्त कार्रवाई के दौरान पटना–इंदौर एक्सप्रेस में संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर एक बड़ी सफलता मिली थी। इस दौरान प्रथम श्रेणी कोच में अटेंडेंट के रूप में कार्यरत आरोपी अजय सिंह राजपूत, निवासी इंदौर, के कब्जे से 311 जीवित दुर्लभ और प्रतिबंधित प्रजाति के कछुए जब्त किए गए थे। इस संबंध में तत्काल वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया।

विकास प्राधिकरण में एनओसी रैकेट सक्रियः योजना से जमीन मुक्त करने एक महीने में दो बार भेजी नकली एनओसी

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। विकास प्राधिकरण (आईडीए) में जमीन की एनओसी को लेकर एक बड़ा रैकेट चल रहा है। इसमें प्राधिकरण के ही कर्मचारी के मिले होने की बात सामने आई है। कर्मचारी खुद अधिकारियों के साइन कर एनओसी जारी करते हैं। इसके बाद टीएनसीपी में नक्शा मंजूरी के लिए भेजा जा रहा था। यह खुलासा टीएनसीपी (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) अधिकारियों की जांच से हुआ है। इधर, आईडीए अधिकारियों का शक है कि विधि विभाग का बाबू शुभम श्रीवास्तव इस रैकेट से जुड़ा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि जिस दिन से मामला सामने आया है, उस दिन से ही वह बिना सूचना के ऑफिस नहीं आया है।

उसका फोन भी बंद है। घर से भी लापता है। मामला योजना 97 पार्ट 4 बिजलपुर की जमीन का है। करीब 20 हजार वर्गफुट से ज्यादा यह जमीन आईडीए की योजना में शामिल है।

एआईएमआईएम पार्षद सहर शेख पर बड़ा आरोप

फर्जी ओबीसी जाति प्रमाणपत्र बनवाया, अब पद है खतरे में

ठाणे, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे मुंब्रा की चर्चित और सोशल मीडिया पर 'कैसा हराया' डायलॉग से वायरल हुई एआईएमआईएम की पार्षद सहर शेख अब एक बड़े विवाद में घिर गई हैं। उनके पार्षद पद पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। मुंब्रा के प्रभाग क्रमांक 30 से चुनी गई सहर शेख पर आरोप है कि उनके पिता युनूस इकबाल शेख ने फर्जी ओबीसी जाति प्रमाणपत्र बनवाया। यह आरोप सिद्दीकी फरहा शबाब अहमद की ओर से लगाया गया है। बताया जा रहा है कि सहर शेख ने मुंबई शहर जिला अधिकारी कार्यालय से जाति प्रमाणपत्र प्राप्त किया था, लेकिन आरोप है कि इस प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों को गुमराह किया गया।

तहसीलदार कार्यालय, ठाणे द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार , जांच में कई गंभीर विसंगतियां सामने आई हैं इस मामले को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) से जुड़े जावेद सिद्दीकी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि सहर शेख का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का है और उन्हें वैध जाति प्रमाणपत्र मिलने की अनुमति नहीं थी। हाल ही में ठाणे महानगरपालिका चुनाव में एआईएमआईएम के टिकट पर जीत हासिल करने वाली सहर शेख अब इस विवाद के चलते कानूनी और राजनीतिक संकट में फंसती नजर आ रही हैं। यदि आरोप साबित होते हैं, तो उनका नगरसेविका पद रद्द हो सकता है और आगे कानूनी कार्रवाई भी संभव है।

सरला भट्ट केस के संदिग्धों का नहीं होगा ब्रेन मैपिंग टेस्ट

जम्मू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिनदहाड़े अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और फिर निर्मम हत्या। 36 वर्ष बाद कश्मीरी हिंदू नर्स सरला भट्ट का न्याय अभी अधूरा है। वर्ष 1990 के चर्चित सरला भट्ट हत्याकांड की जांच कर रही राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) को बड़ा झटका लगा है। श्रीनगर स्थित टाडा कोर्ट ने संदिग्ध आरोपितों के नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

आरोपित भी इस जांच का विरोध कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि 36 साल पुराने इस मामले में जांच की कमियों को पूरा करने के लिए ऐसी अनुमति नहीं दी जा सकती। यहां बता दें कि दशकों तक फाइलों में दफन इस नृशंस हत्याकांड समेत सैकड़ों ऐसे मामलों की उपराज्यपाल प्रशासन ने फिर से जांच के आदेश दिए थे। इन मामलों की जांच राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) को सौंपी गई थी। सरला भट्ट मामले में सुबूत जुटाने के लिए एसआईए की ओर से मुख्य जांच अधिकारी के माध्यम से संदिग्ध आरोपितों के नार्को टेस्ट कराने के लिए याचिका दायर की गई थी।

9 साल के लड़के से करा दी 8 साल की लड़की की शादी, पंडित और घोड़ी वाले पर भी दर्ज हुआ मुकदमा

राजगढ़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजगढ़ पुलिस ने 9 साल बालक और 8 बालिका का विवाह संपन्न करने पर माता-पिता सहित टेंट संचालक, घोड़ी संचालक, प्रिंटिंग प्रेस संचालक, हलवाई, एवं पंडित के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब नाबालिक दूल्हे की हल्दी, मेहंदी और बारात की रस्मों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके बाद प्रशासन की टीम हरकत में आई और राजगढ़ जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के कुशालपुरा गांव पहुंचकर कार्रवाई की।

महिला एवं बाल विकास विभाग और प्रशासन के द्वारा बाल विवाह की रोकथाम को लेकर लगातार अभियान चलाकर इसकी रोकथाम की बात कही जा रही है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हुए नाबालिक दूल्हा-दुल्हन के बाल विवाह की वीडियो ने प्रशासन के अभियान की पोल खोल दी है। करनवास थाना क्षेत्र में भी एक नववर्ष की बच्ची की सगाई कर उसकी शादी 26 अप्रैल को तय कर दी गई।

सीआरपीएफ : एक फोन 'कॉल' से बदल गया 200 बख्तरबंद गाड़ियों का रूट

जम्मू-कश्मीर से मणिपुर जा रहे वाहन बंगाल पहुंचे!

बंगाल में अर्धसैनिक बल, मिली बड़ी जिम्मेदारी

- चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने पर जोर।
- रूट बदलकर पश्चिम बंगाल भेजी गईं बुलेटप्रूफ बख्तरबंद गाड़ियां।
- संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त कर रहे सीआरपीएफ जवानों के वाहन।

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में मतदाता बिना किसी भय के वोट डाल सकें, इसके लिए वहां पर सीआरपीएफ के लगभग दो सौ मार्क्समैन बुलेटप्रूफ बख्तरबंद वाहन लगातार गश्त कर रहे हैं। लोगों को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगा। हालांकि ये बुलेटप्रूफ बख्तरबंद गाड़ियां चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। इन्हें लेकर यह सवाल किया जा रहा है कि आखिर ये गाड़ियां, बंगाल में कैसे पहुंच गई। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से आए एक फोन 'कॉल' ने सीआरपीएफ की 200 बुलेटप्रूफ बख्तरबंद गाड़ियों का रूट बदल दिया।

पिछले दिनों इन गाड़ियों को जम्मू-कश्मीर से मणिपुर जाने के लिए रवाना किया गया था, लेकिन बीच राह में इन्हें 'पश्चिम बंगाल' में टर्न करने का आदेश मिला। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में इस तरह की मूवमेंट के लिए बाकायदा लिखित आदेश/सिग्नल जारी होते हैं। कई महीने पहले से ही ऐसे मूवमेंट पर काम शुरु हो जाता है। कितनी गाड़ियां जाएंगी, ड्राइवर कौन होगा, कमांड किसकी रहेगी, बीच में गाड़ियों का ठहराव कहां पर रहेगा और साथ में 'रोड ओपनिंग पार्टी' जाएगी या नहीं, आदि बातों को लेकर एक 'मानक संचालन प्रक्रिया' (एसओपी) तैयार होती है। इसके बाद तय समय पर गाड़ियों को रवाना किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में तैनात मार्क्समैन बुलेटप्रूफ बख्तरबंद वाहनों को 'मणिपुर' के लिए रवाना किया गया था। ये सभी वाहन अयोध्या में भी ठहरे थे। तब भी इन वाहनों का आखिरी ठहराव मणिपुर बताया गया था। तभी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक विवादित बयान सामने आया। उन्होंने नदिया की एक रैली में कहा, अयोध्या से सीआरपीएफ की 200 बुलेटप्रूफ गाड़ियां पश्चिम बंगाल में आ रही हैं। वे आप पर हमला करने आ रही हैं। बनर्जी ने कहा, ये भाजपा का 15-25 दिन का अस्थायी 'खेल' है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने की अपील की। बनर्जी के इस बयान की भाजपा नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी।

सूत्रों का कहना है कि मणिपुर जा रहे वाहनों को बंगाल जाना है, इस तरह का कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया था। दिल्ली से एक शीर्ष अधिकारी द्वारा सीआरपीएफ के उच्च अधिकारी से फोन पर गाड़ियों का रूट, मणिपुर की बजाए पश्चिम बंगाल करने के लिए कहा गया। आनन-फानन में वह एसओपी तैयार की गई, जिसके आधार पर इन गाड़ियों को बंगाल के विभिन्न हिस्सों में तैनात किया गया। बंगाल में तैनात सीआरपीएफ अधिकारी से कहा गया कि सिलीगुड़ी में खड़े बख्तरबंद वाहनों को ले जाएं। चुनाव में उनका इस्तेमाल करें।

मार्क्समैन बुलेटप्रूफ बख्तरबंद वाहनों को बंगाल की सड़कों पर देखा जा सकता है। सुरक्षा कर्मी, लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे बिना किसी भय के मतदान में हिस्सा लें। असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। इस बाबत सीआरपीएफ के एक अधिकारी का कहना है कि केंद्रीय बलों की तैनाती से मतदाताओं में विश्वास पनपा है। हमारा मकसद एक ही है कि बंगाल में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हो।

तीन सुसाइडः डॉक्टर ने जहर खाया

माता-पिता का आरोप-पति के अफेयर से परेशान थी; विवाहिता-छात्रा ने लगाई फांसी

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में अलग-अलग इलाकों से महिलाओं के आत्महत्या के तीन मामले सामने आए हैं। इनमें एक महिला डॉक्टर, एक विवाहिता और एक छात्रा शामिल हैं। तीनों घटनाओं ने शहर में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खुड़ैल थाना क्षेत्र में 35 वर्षीय डॉ दामिनी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उन्हें नेमावर रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दामिनी देवास जिले के कलवर में सीएचओ पद पर पदस्थ थीं और मूल रूप से कन्नौद की रहने वाली थीं। मायके पक्ष का आरोप है कि पति संदीप के किसी अन्य महिला से संबंध थे, जिसको लेकर अक्सर विवाद होता था। विरोध करने पर पति और सास द्वारा मारपीट भी की जाती थी।

दंपिती का एक 9 साल का बेटा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमॉर्टम कराया है। राऊ थाना क्षेत्र के रंगवासा में रहने वाली 30 वर्षीय ममता बाई ने पति से विवाद के बाद फांसी लगा ली थी।

बेटी ने रचा इतिहास

स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी बनीं राज्यपाल की पहली महिला एडीसी

भुवनेश्वर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले की बेटी और भारतीय वायुसेना की अधिकारी मनीषा पाढ़ी ने एक नई मिसाल कायम की है।स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी मिजोरम के राज्यपाल की एड-डी-कैंप (एडीसी) बनने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता का भी प्रतीक है।

हाल ही में भुवनेश्वर स्थित राजभवन में 3 जनवरी 2025 को राज्यपाल डॉ। हरि बाबू कंभंपति के शपथ ग्रहण समारोह में उनकी सक्रिय भूमिका देखने को मिली। इससे पहले 29 नवंबर 2023 को आइजोल में उनकी ऐतिहासिक नियुक्ति हुई थी, जहां रक्षा मंत्रालय की चयन प्रक्रिया में उन्होंने दो पुरुष उम्मीदवारों को पीछे छोड़ते हुए यह जिम्मेदारी हासिल की।

स्क्वाड्रन लीडर पाढ़ी का जन्म गंजाम जिले के बरहमपुर में हुआ। उनके पिता मनोरंजन पाढ़ी भारतीय वायुसेना में मानद फ्लाइंग ऑफिसर रह चुके हैं, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिली। शुरुआती शिक्षा के बाद उन्होंने भुवनेश्वर के सीवी रमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से पढ़ाई की और एएफसीएटी परीक्षा पास कर वायुसेना में शामिल हुईं। 19 दिसंबर 2015 को 46वें शॉर्ट सर्विस कमीशन (महिला) ग्राउंड ड्यूटी कोर्स के तहत उन्हें वायुसेना में कमीशन मिला। इसके बाद उनका प्रमोशन क्रम इस प्रकार रहा 2017ः फ्लाइट लेफ्टिनेंट, 2021ः स्क्वाड्रन लीडर बनी। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के रूप में उन्होंने बीदर, पुणे और भटिंडा जैसे महत्वपूर्ण एयरफोर्स स्टेशनों पर अपनी सेवाएं दीं। एड-डी-कैंप के रूप में स्क्वाड्रन लीडर पाढ़ी राज्यपाल के आधिकारिक कार्यक्रमों, दौरों और प्रोटोकॉल की जिम्मेदारी संभालती हैं। यह पद बेहद प्रतिष्ठित और जिम्मेदारीपूर्ण माना जाता है, जहां अनुशासन, नेतृत्व और सूझबूझ की विशेष आवश्यकता होती है।

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल चला रही थी पाकिस्तान की आईएसआई

पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा, पिस्तौल और हथगोले बरामद

चंडीगढ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसी आईएसआई पंजाब में आतंकी मॉड्यूल चला रही थी। पंजाब पुलिस ने गुरुवार को इसका भंडाफोड़ किया। इसके साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस ने आरोपी के पास से चार हथगोले भी बरामद किए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर और मोहाली के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठों और पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग के संयुक्त अभियान में दो विदेशी पिस्तौल और गोला-बारूद भी बरामद किए गए। पुलिसन ने पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने एक पोस्ट में बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी विदेशी आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहा था और चंडीगढ़ में हाल ही में हुए ग्रेनेड हमले में शामिल आतंकी मॉड्यूल से उसके संबंध हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अमृतसर के 'पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल' में प्राथमिकी दर्ज की गई है और इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बॉर्डर पार से गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा और छह एडवांस पिस्टल बरामद कीं। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए पाकिस्तान के तस्करों के संपर्क में थे। वह गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी में मदद कर रहे थे और उन्हें क्रिमिनल लोगों को सप्लाई कर रहे थे। आरोपी कंसाइनमेंट लेते थे और आगे पंजाब में क्रिमिनल लोगों को सप्लाई करते थे।

'देश की एससी-एसटी महिलाओं को 21-22 प्रतिशत'

महिला आरक्षण बिल पर बोलीं सपा सांसद डिंपल

नई दिल्ली लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मोदी सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष की ओर से विरोध जताया जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने पहले बिल का समर्थन किया था, लेकिन अब पार्टी ने यूटर्न ले लिया है। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि यह उनकी बेनियती है। हम इस बिल का विरोध करेंगे।

इस बीच सांसद डिंपल यादव का बयान सामने आया है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने बिल को लेकर कहा कि हम चाहते हैं कि जो परिसीमन का प्रयोग है, यह बिना जनगणना के हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार 20 साल पहले का डेटा परिसीमन में कैसे प्रयोग करेगी। यह अपने आप में सरकार की नीयत और नीति में खोट दर्शाता है। डिंपल यादव ने आगे कहा कि इसके अलावा देश की एससी-एसटी महिलाओं को 21-22 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। यह इसलिए नहीं मिल रहा है कि बीजेपी चाहती है।

यह आरक्षण इसलिए मिल रहा है क्योंकि संविधान में भीमराव अंबेडकर ने सुनिश्चित किया है कि यह मिले। उन्होंने आगे कहा, हम चाहते हैं कि ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं को भी आरक्षण मिले। उन्होंने कहा कि इनको मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की मंशा इसलिए साफ नहीं है क्योंकि चार राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं।

डिंपल यादव ने आगे कहा कि 2029 में सरकार को चुनाव लड़ना है। कहीं न कहीं सरकार का वोट बैंक कम हो रहा है, इसलिए महिलाओं को गुमराह करके संशोधन के तहत यह बिल लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी यह मांग है महिलाओं के लिए आरक्षण आए। इसमें पहले जनगणना और जातिगत गणना हो फिर परिसीमन का सही ढंग से प्रयोग किया जाए न की मनमाने तरीके से की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों के हिसाब से परिसमीन किया जाए और फिर महिलाओं को आरक्षण दिया जाए। उसमें एससी-एसटी और ओबीसी की महिलाओं को आरक्षण दिया जाए।

अमेरिका में परमाणु-स्पेस पर रिसर्च करने वाले 5 वैज्ञानिक गायब

5 की रहस्यमय हालत में मौत, ट्रम्प सरकार बोली- मामले की जांच करेंगे

वॉशिंगटन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में न्यूक्लियर और स्पेस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों की मौत और गुमशुदगी के मामलों पर अब व्हाइट हाउस सवालों के घेरे में है। 2023 से अब तक ऐसे 10 मामले सामने आए हैं, जिनमें वैज्ञानिक या अधिकारी या तो लापता हो गए या संदिग्ध हालात में मरे।

बुधवार को व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में पहली बार प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से इन घटनाओं पर सवाल पूछा गया। जवाब में उन्होंने कहा, "मैंने अभी संबंधित एजेंसियों से इस बारे में बात नहीं की है। मैं ऐसा करूंगी और आपको जवाब दूंगी।"

उन्होंने आगे कहा, "अगर यह सही है, तो यह निश्चित तौर पर ऐसी बात है जिसे सरकार जांच के लायक मानेगा।"

उनके इस जवाब के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सरकारी एजेंसियां इस पैटर्न को गंभीरता से नहीं ले रही हैं या फिर इसे छुपाने की कोशिश कर रही हैं। वैज्ञानिकों के लापता या मौत के सभी मामले अमेरिका की हाई-सिक्योरिटी रिसर्च संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं। इनमें लॉस एलामोस नेशनल लैब, नासा का जेट प्रोपल्शन लैब और एमआईटी का प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर शामिल हैं। ये संस्थान न्यूक्लियर हथियार, एडवांस्ड प्रोपल्शन और नई ऊर्जा तकनीकों पर काम करते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लापता वैज्ञानिक अपने घरों से अचानक पैदल निकल गए। उन्होंने फोन, वॉलेट और चाबियां तक पीछे छोड़ दीं। यही पैटर्न कई मामलों में देखा गया है, जिससे संदेह और बढ़ा है।

रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम नील मैककैसलैंड का मामला हाल में बहुत चर्चा में रहा। वे 27 फरवरी को अपने न्यू मैक्सिको स्थित घर से गायब हो गए थे। बताया गया कि वे अपने साथ सिर्फ पिस्टल लेकर निकले थे और उनकी पत्नी ने 911 पर कहा कि वे खुद को छिपाने की कोशिश कर रहे थे।

मोनिका अमेरिकी स्पेस एजेंसी

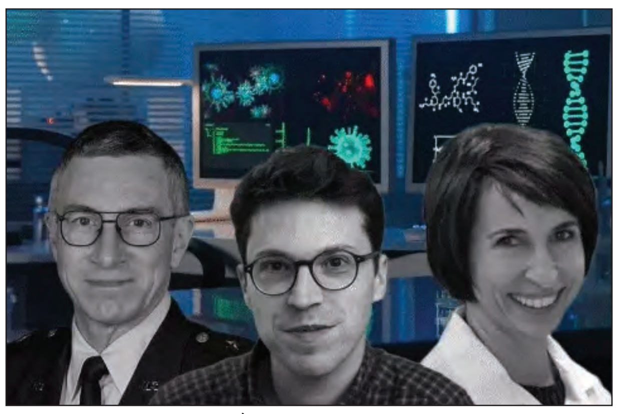

नासा के जेट प्रोपल्शन लैब से जुड़े एक प्रोजेक्ट में काम कर रही थीं। वहां वह नए मटेरियल और धातुओं पर काम देखने वाली एक टीम की चीफ थीं।

वह एक खास धातु पर काम कर रही थीं, जिसे मोंडालोय कहा जाता है। यह मटेरियल खास तौर पर रॉकेट इंजन के लिए बनाया जाता है। यह भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए काफी अहम हो सकता था।

मोनिका को आखिरी बार 22 जून की सुबह माउंट वाटरमैन इलाके में दो दोस्तों के साथ हाइकिंग करते हुए देखा गया था। उनके बारे में अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनिका का प्रोफेशनल कनेक्शन रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम "नील" मैककैसलैंड से था। वह 8 महीने बाद गायब हो गए। इसके बाद शक और बढ़ गया।

विलियम अमेरिका के रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल हैं। वह पहले एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी के कमांडर रह चुके हैं। वहां वे अरबों डॉलर के साइंस और टेक्नोलॉजी प्रोग्राम संभालते थे। यह लैब अमेरिकी सेना की सबसे अहम रिसर्च यूनिट्स में से एक है, जहां नई टेक्नोलॉजी, हथियार सिस्टम, स्पेस से जुड़ी टेक्नोलॉजी और एडवांस साइंस पर काम होता है।

जिस प्रोजेक्ट में मोनिका रेजा काम कर रही थीं, उससे जुड़ी फंडिंग की देखरेख मैककैसलैंड ने की थी। मैककैसलैंड 27 फरवरी 2026 की सुबह न्यू मैक्सिको में अपने घर के पास आखिरी बार देखे गए थे।

गार्सिया कंसास सरकारी ठेकेदार थे और सिटी नेशनल सिक्योरिटी कैंपस से जुड़े थे, जहां परमाणु हथियारों के गैर-न्यूक्लियर पार्ट बनाए जाते हैं। यहां काम करने वाले लोग सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम माने जाते हैं।

गार्सिया 28 अगस्त 2025 को न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर में अपने घर से अचानक गायब हो गए। सबसे अजीब बात यह थी कि वह घर से पैदल निकले। अपना फोन, वॉलेट, चाबियां सब पीछे छोड़ गए। उनके पास सिर्फ एक पिस्टल थी।

लश्कर के को-फाउंडर आमिर हमजा पर फायरिंग

अस्पताल में भर्ती, लाहौर में न्यूज चैनल के ऑफिस के बाहर हमला, पिछले साल भी अटैक हुआ था

लाहौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चला दी। हमले के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने लाहौर में एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर उन पर फायरिंग की। हमला किसने और क्यों किया, यह अभी साफ नहीं हो पाया है।

यह एक साल से भी कम समय में दूसरा मौका है, जब हमजा पर हमला हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई में भी उनके घर के बाहर अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मारी थी।

पिछले हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी थी, हालांकि उस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था।

आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक है। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एक्टिव रहा है।

हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था।

हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकियों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। अमेरिका ने साल 2012 में हमजा को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हमजा को भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों से जोड़ा गया है। उसे जम्मू के सुंजवां में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया जाता है।

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2018 में फंड की कमी की समस्या की वजह से लश्कर-ए-तैयबा में फूट पड़ गई थी। इसके बाद आमिर हमजा ने खुद को संगठन से अलग कर लिया था।

अवैध हथियार केस में दक्षिण अफ्रीका के नेता जूलियस मालेमा को 5 साल की सजा

केप टाउन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के विपक्षी नेता और ईएफएफ के प्रमुख जूलियस मालेमा को कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई है। यह मामला अवैध हथियार रखने और सार्वजनिक जगह पर फायरिंग करने से जुड़ा है। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें इस फैसले के खिलाफ अपील करने की अनुमति दे दी है।

यह मामला साल 2018 का है। उस समय एक वीडियो सामने आया था, जिसमें मालेमा अपनी पार्टी के कार्यक्रम के दौरान सेमी-ऑटोमैटिक राइफल से हवा में फायरिंग करते दिखे थे। अदालत ने उन्हें अवैध हथियार रखने, सार्वजनिक जगह पर फायरिंग करने और लापरवाही से खतरा पैदा करने समेत कई आरोपों में दोषी पाया।

मालेमा ने सफाई दी कि बंदूक उनकी नहीं थी और उन्होंने भीड़ को उत्साहित करने के लिए फायरिंग की थी, लेकिन कोर्ट ने इस दलील को नहीं माना और इसे जानबूझकर किया गया काम बताया।

चीन का भारत-पाकिस्तान से लेकर अमेरिका-ईरान तक 'ग्रेट गेम'

क्या चीनी सैटेलाइट्स बन रहे हैं नया खतरा?

बीजिंग, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद में चीन की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। चीन ने अब उसी ट्रिक को अमेरिका-ईरान युद्ध में भी आजमाया। उसने अमेरिका के खिलाफ ईरान को सटीक जानकारी और सैटेलाइट कोऑर्डिनेट्स मुहैया कराए। इससे ईरान को खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर सटीक हमले करने में मदद मिली। हालांकि, चीन लगातार ईरान को हथियार सप्लाई करने से इनकार करता रहा है, लेकिन लीक हुए सैन्य दस्तावेज बताते हैं कि ईरान को कथित रूप से एक चीनी जासूसी सैटेलाइट की लाइव फीड मिल रही थी, जिसका उसने पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ने इस चीनी सैटेलाइट को 2024 में गुपचुप तरीके से खरीदा था। इस खरीद के बारे में ईरान और चीन के शीर्ष नेतृत्व को ही जानकारी थी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्सेज ने टीईई-01बी सैटेलाइट तब खरीदा, जब चीनी कंपनी एर्थ आई ने 2024 में इसे अंतरिक्ष में लॉन्च किया था।

इस रिपोर्ट में टाइम-स्टैम्प्ड कोऑर्डिनेट लिस्ट, सैटेलाइट की तस्वीरों और ऑर्बिटल एनालिसिस का हवाला दिया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि ईरान के सैन्य अधिकारियों ने सैटेलाइट को अमेरिका के प्रमुख सैन्य ठिकानों पर नजर रखने का आदेश दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सौदे के जरिए आईआरजीसी को चीनी कंपनी एमपोसाट के कमर्शियल ग्राउंड स्टेशनों तक पहुंच मिली। एमपोसाट बीजिंग स्थित डेटा सर्विसेज और सैटेलाइट कंट्रोल का सप्लायर है। इसका नेटवर्क एशिया, लैटिन अमेरिका और अन्य जगहों तक फैला हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस चीनी/ईरानी सैटेलाइट ने 13, 14 और 15 मार्च को सऊदी अरब में प्रिंस सुल्तान एयर बेस की तस्वीरें ली थीं। जब आईआरजीसी ने इन ठिकानों पर हमले किए, तब इस सैटेलाइट ने बहरीन के मनामा में अमेरिकी नौसेना की पांचवीं फ्लीट के नौसैनिक स्टेशन और इराक के इरबिल हवाई अड्डे के साथ ही जॉर्डन में मुवफ्फाक साल्टी एयर स्टेशन पर भी नजर रखी।

यूरेशियन टाइम्स के अनुसार, यह पहली बार नहीं है, जब चीनी सैटेलाइट कंपनियों ने सटीक सूचनाएं देकर ईरान की मदद की है। 27 मार्च, 2026 को प्रिंस सुल्तान बेस पर ईरानी हमले से पहले, चीन से जुड़ी एक कंपनी ने सैटेलाइट तस्वीरें उपलब्ध कराई थीं। इस हमले में कई अमेरिकी सैनिक घायल हुए थे, एक E-3G विमान नष्ट हो गया था और कई KC-135 टैंकर विमानों को नुकसान पहुंचा था। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में काम करने वाली MizarVision नाम की एक चीनी कंपनी ने मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अड्डों, वहां तैनात विमानों की तस्वीरें जारी कीं, जिससे उन जगहों की क्षमता और अमेरिकी उपकरणों के बारे में ईरान को पता चला।

हालांकि, MizarVision के अपने कोई सैटेलाइट नहीं हैं, बल्कि यह पश्चिमी देशों सहित अन्य उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले कमर्शियल सैटेलाइट सेवा प्रदाताओं का उपयोग करती है।

लखनऊ में 2 बेटियां जिंदा जलीं, 250 परिवार बेघर

डेढ़ लाख की गड्डी लिए प्रेग्नेंट महिला बोली सब राख हो गया, अधिकारी बना रहे लिस्ट

भीषण आग

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में बुधवार शाम को लगी आग में 250 से ज्यादा झोपड़ियां राख हो गईं। 2 मासूम बहनें जिंदा जल गईं। इनमें एक 2 साल तो दूसरी 2 महीने की थी। गुरुवार सुबह घटनास्थल पर सिर्फ राख और जल चुका गृहस्थी का सामान नजर आया। बेघर हुए ये लोग राख में सामान तलाश रहे हैं। अलमारी, फ्रिज, बाइक जैसी चीजें राख में मिल गईं।

बेघर हुए कुछ परिवारों को अफसरों ने रात में ही रैन बसेरों में भेजा था, जबकि कुछ ने पास के खाली प्लॉट में रात बिताई। महिलाओं ने रोते हुए आरोप लगाया कि कोठीवालों ने उनकी झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्हें पहले धमकाया गया था कि झोपड़ियां हटा लो, नहीं तो गोली मार दी जाएगी। हम नहीं हटे, तो झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी भर की कमाई राख हो गई। अगर समय पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच जाती, तो कुछ सामान बच सकता था। एक महिला हाथों में डेढ़ लाख रुपए की जली नोटें लेकर बताया- देखिए पति की कमाई जल गई।

फिलहाल, विकासनगर इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। पीड़ित लोग शाम तक अपने उजड़ी झोपड़ियों से बचा-खुचा सामान समेट रहे हैं। एक-दो ने दोबारा पुरानी जगह पर अपनी टाट-पट्टी डाल दी है। कई समाजसेवी लोगों को खाना खिला रहे हैं।

तुर्किये में गोलीबारी का समर्थन करने वाले 162 लोग गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर हत्या की खुशी मनाई थी

इस्तांबुल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्किये में इस हफ्ते दो स्कूलों में हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 162 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया पर गोलीबारी का समर्थन किया और ऐसे पोस्ट किए, जिनसे अपराध और अपराधियों को बढ़ावा मिला।

मंगलवार और बुधवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में दो स्कूलों में फायरिंग की घटनाएं हुईं। बुधवार को कहरामनमाराश के आयसेर चालिक सेकेंडरी स्कूल में हुए हमले में 8 छात्रों और एक शिक्षक की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हुए। घायलों में 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

14 साल का हमलावर भी इस घटना में मारा गया। इससे एक दिन पहले दे एक हाई स्कूल में भी गोलीबारी हुई थी, जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हुए थे।

बाइक और टेंपो में हुई आमने-सामने टक्कर

एलआईसी एजेंट सहित दो की मौत, मेदिनीनगर-रांची मुख्य मार्ग एनएच-39 पर हुआ हादसा

पलामू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में बीती रात एक सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की जान चली गई। यह दुर्घटना मेदिनीनगर-रांची मुख्य मार्ग एनएच 39 के फोरलेन पर हुई, जहां एक टेंपो और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। दोनों वाहनों पर सवार एक-एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के हमीदगंज निवासी संतोष कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह (55) और सदर थाना क्षेत्र के जोरकट निवासी प्रदीप कुमार (36) के रूप में हुई है। संतोष कुमार सिंह एलआईसी एजेंट थे और टेंपो में सवार थे, जबकि प्रदीप कुमार मोटरसाइकिल चला रहे थे। दुर्घटना के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, टेंपो यात्रियों को लेकर सतबरवा से मेदिनीनगर की ओर आ रहा था। वहीं, मोटरसाइकिल सवार मेदिनीनगर से जोरकट की ओर जा रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो पलट गया। हाइवे से गुजर रहे लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया।

भारत के ब्रह्मोस की तरह नई सुपरसोनिक मिसाइल बना रहा फ्रांस

राफेल पर करेगा तैनात, नाम रखा स्ट्रैटस

पेरिस, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस वैश्विक तनाव के बीच अपनी हवाई शक्ति को और मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वह स्ट्रैटस सुपरसोनिक मिसाइल के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। स्ट्रैटस मिसाइल कई मामलों में भारत के ब्रह्मोस की तरह ही होगी।

इस बात की पुष्टि एयर आर्मी जनरल फैबियन मैंडन ने एक संसदीय समिति के सामने की है। वह फ्रांस के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीईएमए) के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्ट्रैटस मिसाइल को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह किसी भी संघर्ष के शुरुआती घंटों में ही दुश्मन की उन्नत एयर डिफेंस को भेदने में फ्रांस की मदद कर सके। इस क्षमता को नाटो अभियानों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता माना

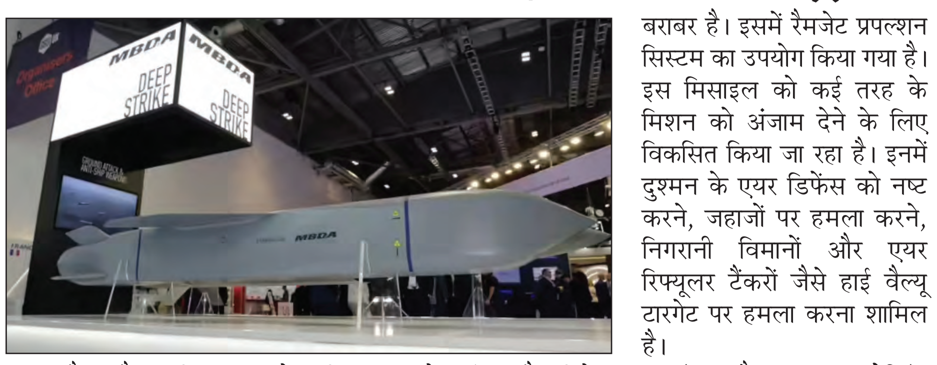

जाता है। स्ट्रैटस मिसाइल को राफेल एफ5 में लड़ाकू विमान में इंटीग्रेट किया जाएगा। इसे युद्धपोतों पर भी तैनात करने की योजना है। इस मिसाइल को फ्रांस और ब्रिटेन मिलकर विकसित कर रहे हैं।

हालांकि, मिसाइल का डेवलपमेंट एमबीडीए कंपनी एफसी/एएसडब्ल्यू कार्यक्रम के तहत कर रही है। ऐसे में इस मिसाइल को फ्रांस और ब्रिटेन दोनों देशों की सेना में शामिल किया जाएगा। यह यूरोप की सबसे तेज मिसाइल भी होगी, जो अपनी रफ्तार से दुश्मन को संभलने का भी मौका नहीं देगी।

स्ट्रैटस मिसाइल Mach 5 (6,125 किलोमीटर प्रति घंटा) की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम होगी। यह गति लगभग 1.715 किलोमीटर प्रति सेकंड के बराबर है। इसमें रैमजेट प्रपल्शन सिस्टम का उपयोग किया गया है। इस मिसाइल को कई तरह के मिशन को अंजाम देने के लिए विकसित किया जा रहा है। इनमें दुश्मन के एयर डिफेंस को नष्ट करने, जहाजों पर हमला करने, निगरानी विमानों और एयर रिफ्यूलर टैंकरों जैसे हाई वैल्यू टारगेट पर हमला करना शामिल है।

फ्रांस, स्ट्रैटस आरएस वेरिएंट के विकास का नेतृत्व कर रहा है, जिसे पहले आरजे10 के नाम से जाना जाता था। यह वेरिएंट 'स्टेल्थ' (छिपकर हमला करने की क्षमता) के बजाय गति और पैंतरेबाजी करने में माहिर होगा। इससे स्ट्रैटस आरएस मिसाइल दुश्मन के एयर डिफेंस को आसानी से चकमा देकर अपने लक्ष्य को साध सकेगी।

नेपाल में भ्रष्टाचार पर सख्ती

पीएम बालेंद्र शाह ने नेताओं की संपत्ति जांच के लिए पैनल बनाया

काठमांडू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए बड़ा कदम उठाया है। उनकी सरकार ने पूर्व और मौजूदा नेताओं व अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए एक पैनल गठित किया है।

इस पांच सदस्यीय पैनल की अगुआई सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज राजेंद्र कुमार भंडारी करेंगे। पैनल का काम नेताओं और अधिकारियों की संपत्ति और परिसंपत्तियों की जांच करना होगा।

कैबिनेट प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और कानूनी मानकों व सबूतों के आधार पर की जाएगी। पैनल की रिपोर्ट और सिफारिशों को सरकार की संबंधित एजेंसियां लागू करेंगी। हालांकि, अभी तक यह नहीं बताया गया है कि पैनल को जांच पूरी करने के लिए कितनी समयसीमा दी गई है।

रूस के यूक्रेन पर मिसाइल हमले में 16 की मौत, 100 घायल

मास्को, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस ने बुधवार रात यूक्रेन के कई शहरों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया।

इस हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 100 लोग घायल हुए हैं। यह हमला हाल ही में हुए ईस्टर सीजफायर के बाद हुआ है। हमले में ओडेसा, कीव, डिनिप्रो और खारकीव जैसे बड़े शहरों को निशाना बनाया गया। ओडेसा में

8 लोगों की मौत हुई। राजधानी कीव में एक 16 मंजिला इमारत गिर गई, जहां मलबे से एक महिला और एक बच्चे को जिंदा निकाला गया।

डिनिप्रो में 3 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। खारकीव में ड्रोन हमले में बुजुर्ग लोग घायल हुए। मायकोलाइव और खेरसोन में बिजली सप्लाई भी ठप हो गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक, रूस ने करीब 700 ड्रोन, 19 बैलिस्टिक मिसाइल और कई क्रूज मिसाइलें दागीं। यूक्रेन का दावा है कि इसमें से 636 ड्रोन मार गिराए।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन में 4 लोगों को फांसी की सजा, एक महिला भी शामिल

तेहरान, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में जनवरी 2026 के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े चार और लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है। इनमें बीता हेम्मती नाम की महिला भी शामिल हैं, जिन्हें इस तरह के मामलों में मौत की सजा पाने वाली पहली महिला बताया जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, तेहरान की रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने चारों को दोषी ठहराया। कोर्ट का कहना है कि आरोपियों ने अमेरिका के इशारे पर काम किया और सुरक्षा बलों पर हमला किया। चारों पर आरोप है कि उन्होंने तेहरान में एक रिहायशी इमारत से सुरक्षा बलों पर कंक्रीट ब्लॉक फेंके थे, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। मौत की सजा पाने वालों में मोहम्मदरेजा मजीदी-असल, उनकी पत्नी बीता हेम्मती, बेहरोज जमानिनेजाद और कूरोश जमानिनेजाद शामिल हैं।

जनवरी के प्रदर्शनों के बाद अब तक 7 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। मानवाधिकार समूहों का दावा है कि इस दौरान हजारों लोग मारे गए और हजारों को गिरफ्तार किया गया।

तेज रफ्तार कार ने 5 वर्षीय बच्चे को रौंदा, मौत

चाईबासा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के कुंडिसाधर गांव में बुधवार देर शाम एक सड़क हादसे में 5 वर्षीय कृष्ण पाड़िया की मौत हो गई। तेज रफ्तार सफेद कार की चपेट में आने से यह घटना हुई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

मृतक कृष्ण पाड़िया के पिता कुंदन पाड़िया ने बताया कि उनका बेटा घर के पास एक दुकान से सामान लेने गया था। मझगांव से बलांडिया की ओर जा रही एक तेज रफ्तार सफेद कार ने विपरीत दिशा से आकर बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चा सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि कार चालक भागने का प्रयास कर रहा था। गांव के एक युवक ने अपनी साइकिल कार के आगे लगाकर उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने साइकिल को टक्कर मारी और तेजी से धनसारी की ओर फरार हो गया।

घटना के बाद परिजन घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कुमारडुंगी ले गए, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेजा गया है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी धीरज कुमार यादव अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों ने बताया कि कृष्ण का इसी माह आदित्यपुर के गम्हरिया स्थित एक निजी विद्यालय में नामांकन कराया गया था। वह पढ़ाई को लेकर काफी उत्साहित था। इस घटना से परिवार और गांव में गहरा दुख है।

वैशाख अमावस्या आज

सुबह सूर्य को चढ़ाएं अर्घ्य, दोपहर में करें पिंडदान

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष वैशाख अमावस्या की तिथि 16 अप्रैल गुरुवार को रात 08 बजकर 11 मिनट पर शुरू हो चुकी है और 17 अप्रैल शुक्रवार को शाम 05 बजकर 21 मिनट पर समाप्त होगी. उदयातिथि के अनुसार यह पर्व 17 अप्रैल, शुक्रवार को मनाया जाएगा.

वैशाख माह की अमावस्या है। मान्यता है कि इस तिथि की शाम यानी प्रदोष काल में तुलसी के पास और मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा अमावस्या तिथि पर पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है। घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है। वैशाख अमावस्या पर शनिदेव की विशेष पूजा करने की भी परंपरा है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, वैशाख अमावस्या पर व्रत करना चाहिए। इससे पितरों की कृपा मिलती है और घर-परिवार की परेशानियां दूर होती हैं।

इस दिन पानी में काले तिल डालकर स्नान करने से कुंडली के शनि के दोष दूर होते हैं, ऐसी मान्यता है। स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल भरें और जल में कुमकुम, लाल फूल, चावल डालें, इसके बाद ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाएं।

इस दिन पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म खासतौर पर करना चाहिए। इसके लिए दोपहर में करीब 12 बजे गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब कंडों के अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें, पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर पितरों को अर्पित करें।

अमावस्या पर पितरों के नाम से जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। अनाज, जूते-चप्पल, खाना, छाता, पानी, मटका, धन का दान भी करें।

वैशाख अमावस्या पर पीपल को जल चढ़ाएं, परिक्रमा करें और पेड़ के नीचे दीपक जलाएं। पीपल की कम से कम 7 परिक्रमा करनी चाहिए।

अमावस्या पर मांसाहार और नशा नहीं करना चाहिए। वैसे तो घर-परिवार में क्लेश नहीं करना चाहिए, लेकिन अमावस्या पर इस बात विशेष ध्यान रखना चाहिए। अगर घर में क्लेश होगा, तो पूजा-पाठ, श्राद्ध कर्म में ध्यान नहीं लग पाएगा और पूजा का पूरा फल नहीं मिलेगा।

शुक्रवार और अमावस्या के योग में शुक्र देव की पूजा करें। शुक्र की पूजा शिवलिंग रूप में कर सकते हैं। शिवलिंग को बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, चावल चढ़ाएं। चंदन का लेप करें। ऊँ नमः शिवाय और ऊँ शुक्राय नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं, आरती करें। मिठाई का भोग लगाएं।

वैशाख अमावस्या से जुड़ी पौराणिक कथा

कथा के मुताबिक, पुराने समय में धर्मवर्ण नाम का एक ब्राह्मण था। एक बार धर्मवर्ण ने किसी संत से सुना कि भगवान विष्णु का नाम स्मरण से ज्यादा पुण्य किसी दूसरे काम से नहीं मिलता है।

इसके बाद धर्मवर्ण ने सांसारिक जीवन छोड़ दिया "पितरों ने कहा अगर तुम वापस जाकर गृहस्थ जीवन की शुरुआत करो, संतान उत्पन्न करो और वैशाख अमावस्या पर विधि-विधान से पिंडदान करो, तो हमें मुक्ति मिल सकती है। धर्मवर्ण ने पितरों को वचन दिया कि मैं आपकी ये इच्छा पूरी करूंगा। इसके बाद धर्मवर्ण ने संन्यास छोड़कर फिर से सांसारिक जीवन अपनाया, विवाह किया और वैशाख अमावस्या पर विधि विधान से पिंडदान कर अपने पितरों को मुक्ति दिलाई।

संत की भक्त महिला को सीख

एक साथ कई काम करने से हमारा ध्यान टूट जाता है, बेहतर होगा अगर एक समय पर एक ही काम करें

एक लोक कथा है, पुराने समय एक महिला रोज अपने घर के पास के मंदिर में पूजा करने जाती थी। वह बहुत नियम से भक्ति करती थी और भगवान में उसकी गहरी आस्था थी, लेकिन धीरे-धीरे उसके मन में एक बात घर करने लगी कि मंदिर में आने वाले कई लोग सिर्फ दिखावा करते हैं। कुछ लोग पूजा के समय भी आपस में बातें करते रहते हैं, जिससे माहौल भक्ति वाला नहीं लगता।

एक दिन वह महिला बहुत परेशान होकर मंदिर के पुजारी के पास गई और बोली, "मैं अब इस मंदिर में नहीं आना चाहती। यहां लोग भगवान की भक्ति नहीं करते, बस दिखावा करते हैं और व्यर्थ बातें करते हैं।"

पुजारी ने शांति से उसकी बात सुनी। वह उस महिला को अच्छी तरह जानते थे, क्योंकि वह वर्षों से मंदिर आ रही थी। उन्होंने पूछा, "क्या आप ने सच में यह सब देखा है?" महिला ने कहा, "हां, मैंने देखा है और मुझे अच्छा नहीं लगता।"

पुजारी मुस्कुराए और बोले, "ठीक है, अगर आपका मन नहीं है तो मत आना, लेकिन इससे पहले मेरा एक छोटा सा काम कर दो।"

महिला ने कहा, "बताइए क्या करना है?"

पुजारी ने उसे एक गिलास दूध दिया और कहा, "इस गिलास को लेकर मंदिर की दो परिक्रमा करो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद दूध जमीन पर न गिरे।"

महिला ने दूध का गिलास लिया और धीरे-धीरे चलने लगी। वह बहुत सावधानी से चल रही थी कि उसका पूरा ध्यान सिर्फ दूध पर था। वह इधर-उधर बिल्कुल नहीं देख रही थी। मंदिर के लोग क्या कर रहे हैं, कौन क्या बोल रहा है- उसने कुछ भी नहीं देखा-सुना। दो परिक्रमा पूरी करने के बाद वह वापस पुजारी के पास पहुंची। पुजारी ने पूछा, "क्या आप ने देखा कि मंदिर में कौन क्या कर रहा है? क्या किसी व्यक्ति की बातों ने आपको परेशान किया?"

महिला ने कहा, "नहीं, मेरा पूरा ध्यान तो दूध पर था। मैं कुछ और देख-सुन ही नहीं पाई।"

पुजारी मुस्कुराए और बोले, "यही तो सीख है। जब आप ने ध्यान सिर्फ एक काम पर लगाया, तो बाकी सब चीजें महत्वहीन हो गईं। इसी तरह जब हम पूजा करते हैं, तो हमें भी पूरा ध्यान भगवान पर रखना चाहिए। अगर मन इधर-उधर भटकेगा, तो पूजा का पूरा फल नहीं मिलेगा।"

महिला को अपनी गलती समझ आ गई। उसने निश्चय किया कि अब वह दूसरों की ओर ध्यान नहीं देगी और केवल भक्ति पर ध्यान लगाएगी।

प्रसंग की सीख

एक समय में एक काम करें

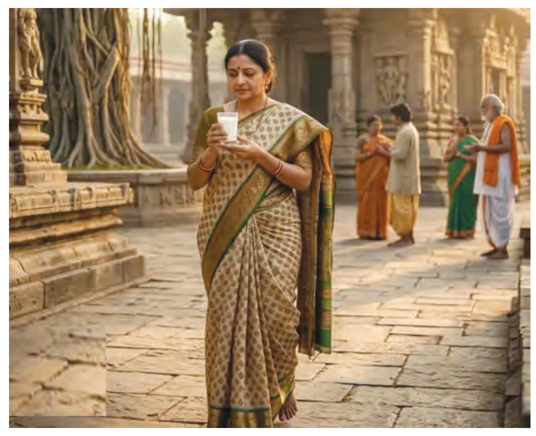

जब हम एक साथ कई काम करने की कोशिश करते हैं, तो हमारा ध्यान टूट जाता है। बेहतर है कि एक समय पर एक ही काम करें और उसे पूरी लगन से पूरा करें, तभी सफलता मिल सकती है।

ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहें

आसपास की व्यर्थ घटनाओं पर ध्यान न दें, ये घटनाएं हमारे मन को भटका सकती हैं। काम हो या पूजा, हमें अपना पूरा ध्यान एक जगह केंद्रित रखना चाहिए।

दूसरों पर ज्यादा ध्यान न दें

हम अक्सर देखते हैं कि हमारे आसपास अन्य लोग क्या कर रहे हैं, लेकिन इससे हमारा फोकस टूट जाता है। अपने लक्ष्य और काम पर ध्यान देना चाहिए।

मन को प्रशिक्षित करें

मन को नियंत्रित करना चाहिए। रोज कुछ समय ध्यान यानी मेडिटेशन करने से मन शांत और स्थिर रहता है।

हर काम को भक्ति भाव से करें

चाहे पूजा हो या कोई काम, अगर हम उसे पूरी निष्ठा, एकाग्रता और मन से करते हैं तो उसका परिणाम बेहतर मिलता है।

नकारात्मक सोच से बचें

दूसरों की कमियां देखने से मन अशांत होता है। सकारात्मक सोच अपनाने से जीवन सरल और शांत बनता है।

स्वयं पर ध्यान दें

अपने व्यक्तिगत सुधार और अपनी आदतों पर ध्यान देना सबसे महत्वपूर्ण है। दूसरों को बदलने से ज्यादा जरूरी खुद को सुधारना है। यदि हम अपने मन को एक दिशा में स्थिर रखना सीख लें, तो जीवन में सफलता, शांति और संतोष आसानी से मिल सकता है। पूजा हो या जीवन का कोई भी कार्य, एकाग्रता ही सबसे बड़ी शक्ति है।

अक्षय तृतीया ही नहीं, साल के इन 3 दिनों में भी होता है 'अबूझ मुहूर्त'

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले मुहूर्त देखने की परंपरा सदियों पुरानी है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि साल में कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जिन्हें अबूझ मुहूर्त कहा जाता है. वैसे अक्षय तृतीया को सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त माना जाता है, लेकिन इसके अलावा 3 और ऐसी तिथियां हैं जो उतनी ही फलदायी हैं।

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले मुहूर्त देखने की परंपरा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है. शादी-विवाह, गृह प्रवेश, नई खरीदारी या कोई भी नया कार्य शुरू करने से पहले लोग पंचांग के अनुसार शुभ समय का चयन करते हैं. लेकिन साल में कुछ ऐसे विशेष दिन भी होते हैं, जिन्हें अबूझ मुहूर्त कहा जाता है. इन दिनों की खासियत यह है कि इन पर किसी भी शुभ कार्य के लिए अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं पड़ती. अधिकतर लोग केवल अक्षय तृतीया को ही अबूझ मुहूर्त मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी तीन ऐसे दिन हैं, जो बेहद शुभ और फलदायी माने जाते हैं. आइए जानते हैं इन सभी दिनों के नाम और उनका धार्मिक महत्व।

क्या होता है अबूझ मुहूर्त?

ज्योतिष गणना के अनुसार, जब सूर्य और चंद्रमा की स्थिति अत्यंत शुभ होती है और कोई भी दोष प्रभावी नहीं होता, तो उसे अबूझ मुहूर्त या स्वयंसिद्ध मुहूर्त कहा जाता है. इन दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, नई गाड़ी खरीदना, सोना खरीदना या व्यापार शुरू करना बहुत सफल और शुभ माना जाता है।

ये हैं साल के 4 महा-मुहूर्त

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है. इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी होता है. इसे सृष्टि के आरंभ का दिन माना जाता है. इस दिन नया व्यापार शुरू करना या नए संकल्प लेना बहुत शुभ होता है. यह दिन नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है।

राम नवमी

चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन भगवान श्री राम का जन्म हुआ था. मर्यादा पुरुषोत्तम के प्राकट्य दिवस होने के कारण यह पूरा दिन पवित्रता से भरा होता है. इस दिन ग्रहों का संयोग ऐसा होता है कि किसी भी मांगलिक कार्य में बाधा नहीं आती. खरीदारी, सगाई या मुंडन जैसे संस्कारों के लिए यह दिन सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

अक्षय तृतीया

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहते हैं. इसे साल का सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त माना गया है. अक्षय का अर्थ है जिसका कभी क्षय (नाश) न हो. माना जाता है कि इस दिन किए गए दान और पुण्य का फल अनंत काल तक मिलता है. इस दिन भारी मात्रा में शादियां होती हैं. साथ ही सोना खरीदना और गृह प्रवेश करना सबसे लोकप्रिय है।

विजयादशमी

अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि यानी दशहरा भी अबूझ मुहूर्त की श्रेणी में आता है. यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. इस दिन विजय मुहूर्त होता है, जो हर कार्य में सफलता सुनिश्चित करता है. अस्त्र-शस्त्र की पूजा, नया वाहन खरीदना या विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन अचूक माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा करने से घर में स्थाई सुख और समृद्धि का वास होता है।पूजा की शुरुआत सुबह जल्दी उठकर स्नान करने और साफ पीले कपड़े पहनने से करनी चाहिए।पूजा के लिए एक छोटी चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान की प्रतिमा स्थापित करें।उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं और चंदन, अक्षत (बिना टूटे चावल) व पीले फूल अर्पित करें।

मां लक्ष्मी को कमल का फूल या गुलाब चढ़ाना बहुत शुभ माना जाता है।इस दिन व्रत का संकल्प लेकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना और अंत में घी के दीपक से आरती करना मानसिक शांति देता है।यह सरल पूजा विधि हमारे मन को सहजता की ओर ले जाती है और घर की नकारात्मकता को दूर करने में सहायक होती है.

पूजा के लिए आवश्यक सामग्री और तैयारी

अक्षय तृतीया की पूजा को संपूर्ण बनाने के लिए आप इन सामग्रियों को अपनी थाली में शामिल कर सकते हैं.

तिलक और अर्पण: पूजा की थाली में रोली, कुमकुम, अक्षत, हल्दी और चंदन रखें।

भोग सामग्री: भगवान के लिए पीली मिठाई, सत्तू, गुड़ और ताजे फल जैसे खरबूजा या आम तैयार रखें.

तुलसी दल: भगवान विष्णु की पूजा के लिए ताजे तुलसी के पत्तों का प्रयोग अवश्य करें।

दीपक और सुगंध: धूप, अगरबत्ती और शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करने के लिए रखें।

कलश स्थापना: कलश के लिए नारियल, कलावा और जल का पात्र पास रखें।

प्रतीक: पूजा में सोने या चांदी का सिक्का रखें, अथवा मिट्टी का नया दीपक या छोटा कलश भी उपयोग कर सकते हैं।

दान का महत्व और सुखद भविष्य के लिए नियम

महत्वपूर्ण वस्तुओं का दानः शास्त्रों के अनुसार, इस दिन जल से भरे मिट्टी के घड़े, अनाज और नए वस्त्रों का दान करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है.

भोजन और भेंट: पूजा के बाद किसी जरूरतमंद या ब्राह्मण को आदरपूर्वक भोजन कराएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार उन्हें कुछ भेंट जरूर दें।

शुद्ध विचार और वाणी: इस पावन दिन पर दूसरों की बुराई करने से बचें, मन में अच्छे विचार रखें और अपनी मधुर वाणी से सबका सम्मान करें।

सात्विक जीवन शैली: परिवार में सुख और मेल-जोल बढ़ाने के लिए सात्विक जीवन अपनाएं और कड़वी बातों से पूरी तरह दूर रहें.

शुभ संकल्पः अपनी मेहनत की कमाई का एक छोटा हिस्सा समाज की भलाई या किसी अच्छे काम में लगाने का संकल्प लें.

भलाई का फल: जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करते हैं, तो हमारे जीवन के दुख कम होने लगते हैं और घर में बरकत आती है।

अक्षय फल की प्राप्ति और नई शुरुआत का संकल्प

इस विशेष दिन का हर क्षण बहुत शुभ होता है, इसलिए इसे किसी भी नए काम की शुरुआत के लिए सबसे उत्तम माना जाता है।इस दिन अपनी बुरी आदतों को छोड़ने और अच्छे गुणों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।भगवान के सामने बैठकर अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगें और भविष्य में सही राह पर चलने की प्रार्थना करें।

अक्षय तृतीया पर जन्मे बच्चे क्यों होते हैं भाग्यशाली?

दू धर्म में अक्षय तृतीया को बहुत ही शुभ और पुण्यदायी तिथि माना जाता है. यह दिन न केवल दान-पुण्य और शुभ कार्यों के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन जन्म लेने वाले बच्चों को भी बेहद भाग्यशाली माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिषीय दृष्टि से यह तिथि इतनी प्रभावशाली मानी जाती है कि इस दिन जन्मे शिशुओं का जीवन समृद्धि, सफलता और सुख-शांति से भरपूर होता है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन जन्म लेने वाले बच्चों को दीर्घायु, समृद्धि और सफलता का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है. आइए जानते हैं इसके पीछे की गहराई से जुड़ी धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं।

साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं कन्याएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया पर जन्म लेने वाली कन्याओं को देवी लक्ष्मी का साक्षात स्वरूप माना जाता है. यह माना जाता है कि उनके कदम घर में पड़ते ही परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगता है और दरिद्रता दूर होती है. ऐसी कन्याएं न केवल अपने माता-पिता के लिए, बल्कि विवाह के बाद अपने ससुराल के लिए भी लक्ष्मी के समान भाग्यशाली सिद्ध होती हैं।

भगवान परशुराम जैसा साहस और तेज

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को ही भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का प्राकट्य हुआ था. यही कारण है कि इस दिन जन्म लेने वाले बालकों में अद्भुत साहस, निडरता और वीरता के गुण पाए जाते हैं. ये बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से बलवान होते हैं और समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हैं।

सूर्य और चंद्रमा की विशेष स्थिति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अक्षय तृतीया का दिन ग्रहों की स्थिति के लिहाज से अद्वितीय होता है. इस दिन सूर्य और चंद्रमा अपनी उच्च राशि में होते हैं. जब सूर्य और चंद्रमा दोनों ही उच्च के हों, तो जन्म लेने वाले बच्चे के जीवन में स्थिरता, सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति बनी रहती है. ऐसे बच्चों का व्यक्तित्व प्रभावशाली होता है और वे नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं।

लक्ष्मी-कुबेर की विशेष कृपा

अक्षय तृतीया का दिन कुबेर देव और माता लक्ष्मी की आराधना का दिन है. मान्यता है कि इस दिन जन्म लेने वाली संतान धन, समृद्धि और सौभाग्य से परिपूर्ण होती है. उन्हें जीवन भर भौतिक सुख-सुविधाओं की कमी नहीं खलती और वे अपने परिश्रम से अपार धन अर्जित करते हैं।

दीर्घायु और अटूट सफलता

अक्षय का अर्थ है जिसका कभी नाश न हो. इस तिथि पर जन्मे बच्चों को दीर्घायु और आरोग्य का आशीर्वाद मिलता है. वे जिस भी क्षेत्र में हाथ डालते हैं, वहां उन्हें निरंतर सफलता प्राप्त होती है. उनके जीवन में आने वाली बाधाएं खुद ही समाप्त होने लगती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 17 अप्रैल - 2026

सधे कदमों से आगे बढ़ता भारत

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय अनेक अनिश्चितताओं और तनावपूर्ण परिस्थितियों से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव, तेल कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ जैसे कदमों ने विश्व बाजार की स्थिरता को चुनौती दी है। ऐसे जटिल समय में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की हालिया रिपोर्ट भारत के लिए भरोसे का संदेश लेकर आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और आगामी वर्षों में भी उसकी विकास दर संतोषजनक रहने की संभावना है। आईएमएफ के अनुसार वित्त वर्ष 2027 तक भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारण अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ में कमी होकर 10 प्रतिशत तक आना बताया गया है। यह राहत भारत के निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है, जो उसकी आंतरिक मजबूती का संकेत है। भारत की विकास दर का प्रमुख आधार केवल निर्यात नहीं, बल्कि घरेलू उपभोग और निवेश भी है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधार, डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार, आधारभूत ढांचे में निवेश और वित्तीय समावेशन के प्रयासों ने अर्थव्यवस्था को अधिक पारदर्शी और संगठित बनाया है। यही कारण है कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की आर्थिक गति बनी हुई है। भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भी मौजूद है, जो बाहरी झटकों के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक की सतर्क नीतियों ने महंगाई को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महंगाई पर नियंत्रण किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए स्थिरता का प्रमुख आधार होता है, और भारत इस दिशा में अपेक्षाकृत सफल रहा है। हालांकि यह तस्वीर पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं है। पश्चिम एशिया संकट के कारण यदि तेल कीमतें अचानक बढ़ती हैं तो इसका असर भारत के राजकोषीय संतुलन पर पड़ सकता है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों की चेतावनी भी महत्वपूर्ण है कि युद्ध जैसे वैश्विक संकटों से भारत पूरी तरह अछूता नहीं रह सकता। इसके बावजूद यह विश्वास जताया गया है कि भारत के पास इतनी क्षमता अवश्य है कि वह इन चुनौतियों का प्रभाव सीमित कर सके। दरअसल, भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार उसकी संतुलित नीतियों और निरंतर सुधारों की प्रक्रिया है। यदि यही गति बनाए रखी जाती है तो भारत न केवल वैश्विक संकटों का सामना करने में सक्षम रहेगा, बल्कि आने वाले वर्षों में विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करेगा। ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितताओं से घिरी है, भारत पर बढ़ता वैश्विक भरोसा उसकी आर्थिक दिशा और नेतृत्व क्षमता दोनों का प्रमाण है।

हिन्दी के शलाका पुरुष मुनीन्द्र जी

मुनींद्र जी

ये जीवन मिला है तो कुछ ऐसा कर जाएं कि तुम्हें याद किया जाए। सच है, ऊपरवाला एक मकसद के साथ हमें इस धरती पर भेजता है। जरूरत है तो अंतरात्मा की आवाज को सुनने व महसूस करने की। ऐसे थे, मुनीन्द्र जी जो हिन्दी और वे एक हो गए थे। उन्होंने सारा जीवन हिन्दी को समर्पित कर दिया। ऐसी लगन, समर्पण, उत्साह व स्व-स्फूर्त प्रेरणा से उन्होंने जो कुछ किया। वह हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में सबसे अलग व विशिष्ट स्थान रखता है। हिन्दी जो आज भी ओछी राजनीति का आये-दिन शिकार होती है। एक ऐसी भाषा जो देश की धड़कन है। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हिन्दी के बारे में कहा हिन्दी के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। हिन्दी को पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष स्थान दिलाने का मुनीन्द्र जी ने सपना देखा था और फिर उस सपने को जीने के लिए उन्हें तत्कालीन देश की प्रतिष्ठित पत्रिका कल्पना का साथ मिला। बिहार से उठ कर उन्होंने सुदूर दक्षिण क्षेत्र के महानगर हैदराबाद की धरती पर कदम रखा। उनके कुशल संपादन में पत्रिका ने लोकप्रियता के नये कीर्तिमान स्थापित किए। कल्पना पत्रिका के बंद होने के बाद उन्होंने हैदराबाद समाचार नाम से, खुद का साप्ताहिक समाचार पत्र निकालना प्रारंभ किया। उन दिनों बिना किसी जमा-पूंजी व सुविधाओं के समाचार पत्र निकालना कितना कठिन था। परंतु दिल में जोश था, हिन्दी के सेवा-भाव ने उन्हें शक्ति प्रदान की। उन्होंने एक मिशन के रूप में इस कार्य को अपने हाथ में लिया। प्रूफ रीडिंग से लेकर संपादन, वितरण व पत्राचार से जुड़े छोटे-बड़े काम वे खुद करते थे। पत्राचार के लिए पोस्ट कार्ड उनकी पहचान बन गया था। इस पर वे थोड़े से शब्दों में रचना की पावती अवश्य देते थे। तब लोगों के हाथों में न स्मार्टफोन था और न जनसंचार के आधुनिक साधन तब ये पोस्ट कार्ड ही लेखक-पाठक-संपादक के बीच सेतु बना। लोगों से उनके व्यक्तिगत संबंध थे। वे बड़ी आत्मीयता से लोगों से मिलते थे। उनकी बातचीत के केंद्र में हिन्दी साहित्य की सेवा का ही भाव रहता था। आज इस बात का अनुमान लगाना कठिन है कि उन्होंने अपने सहज, सरल व असाधारण व्यक्तित्व के जादू से लोगों को जोड़े रखा, हिन्दी में लिखने के लिए प्रेरित किया। हैदराबाद समाचार उनकी छवि का साकार रूप था। कुर्यात सदा मंगलम कालम में विवाहादि समाचार का साफ्ट टच था। वहीं नियुक्ति-पदोन्नति में हिन्दी कर्मियों की नियुक्ति व पदोन्नति से संबंधित सूचनाएं दी जाती थीं। इससे लोगों को एक-दूसरे के बारे में जानकारी हो जाती। शब्द-चर्चा कालम में शब्द-विशेष पर पाठक-संपादक के बीच स्वस्थ-संवाद का आधार बनता था। देश की पत्र-पत्रिकाओं में हिन्दी पर कोई विशेष विचार या संपादकीय छपता था तो वे उसे पाठकों के विचार हेतु वाङ.मय जगत कालम में उसे स्थान देते थे। भाषा की शुद्धता पर उनका विशेष ध्यान रहता था। इस हेतु वे अखबार की पाठ्य-सामग्री की बड़ी सावधानी व गंभीरता के साथ जांच करते थे। उर्दू भाषा में शब्दों के नीचे लगने वाले नुक्ते का विशेष महत्व होता है। क्योंकि नुक्ते के हेर-फेर से अर्थ का अनर्थ हो जाता है। मुझे याद है। उन्होंने बताया था कि इस बारे में उन्होंने एक प्रसिद्ध समाचार पत्र के संपादक को कड़ा पत्र लिखा था। वे मानते थे कि यदि हम ही सही नहीं लिखेंगे तो दूसरों में कैसे सुधार होगा? वे अपने अखबार में छोटे व सारगर्भित विचारों को प्राथमिकता देते थे। उनका सूत्र था थोड़ा लिखो, परंतु अच्छा लिखो। लेखन में ही नहीं बल्कि व्याख्यान आदि में भी उन्होंने इस बात का पालन किया। भाषा के विकास में उनका विचार था कि हिन्दी व हिन्दीतर भाषी के बीच कोई भेद नहीं है बल्कि हिन्दी के लिए सबको साथ आना होगा। इसलिए, अपने पत्र में उन्होंने दक्षिण के हिन्दी साहित्यकारों डा बालशौरि रेड्डी, डा कुट्टन पिल्ले, भीमसेन निर्मल को प्रमुखता से स्थान दिया वहीं रुक्माजी राव में हिन्दी के प्रति रुचि पैदा की। आगे चलकर उन्होंने हिन्दी में कई पुस्तकें लिखीं। यह उनका चुंबकीय व्यक्तित्व था, जो उनके संपर्क में आया वह हिन्दी से जुड़ गया, जीवन की राह पा गया।

गजानन पांडे

देश की राजनीति बड़े बदलाव की दहलीज पर

अशोक भाटिया

देश की राजनीति एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। आज से संसद का विशेष सत्र शुरू हो रहा है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। इनका उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी तरह लागू करना है। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में पेश करने के लिए तीन बिलों की सूची जारी की है। इनका मकसद 2029 तक महिलाओं के लिए आरक्षण कानून को लागू करना और लोकसभा की सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 तक करना है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पहले दो बिल पेश करेंगे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीसरा बिल पेश करेंगे। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति ने इस चर्चा के लिए 18 घंटे का समय तय किया है, जो शुक्रवार तक भी चल सकती है। लोकसभा से पास होने के बाद राज्यसभा में इन बिलों पर चर्चा होगी। परिसीमन इस रणनीति का सबसे पेचीदा हिस्सा है। दक्षिण भारत के कई राज्यों को डर है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होने से उनकी राष्ट्रीय स्तर पर ताकत कम हो सकती है। हालांकि, सरकार का कहना है कि सीटें घटेंगी नहीं, बल्कि सभी राज्यों की सीटें बढ़ेंगी, जिससे संतुलन बना रहेगा। फिर भी, क्षेत्रीय दल इसे अपने प्रभाव में संभावित कमी के रूप में देख रहे हैं। कुल मिलाकर, ये सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम है। असल में, ये कहानी 2023 से शुरू होती है, जब संसद ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" पारित किया था। इस कानून में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान तो था, लेकिन इसे लागू करने के लिए पहले नई जनगणना और परिसीमन जरूरी बताया गया था। इसी कारण कई लोगों को लगा कि इस बदलाव को जमीन पर उतरने में काफी समय लग सकता है। लेकिन हर कहानी में एक दूसरा पक्ष भी होता है। जैसे ही ये विधेयक सामने आए, विपक्षी दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना है कि यह कदम पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले महिलाओं को आकर्षित करने की कोशिश है और इसे उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति बताया। अब सबकी नजरें उस विशेष संसद सत्र पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि ये प्रस्ताव कानून बनते हैं या नहीं।

कुलदीप सिंह सेनेगर और बृजभूषण सिंह जैसे नामांकन इस बात का उदाहरण देने के लिए पर्याप्त हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी महिलाओं के अधिकारों के प्रति कितनी जागरूक है। भाजपा 2014 से सत्ता में है। अगर भाजपा 'नारी शक्ति' को सलाम करने के प्रति इतनी ही ईमानदार है तो उसे केवल सांसदों की संख्या को आरक्षण देने से किसने रोका है? सभी दल इसके लिए भी तैयार हैं, इसलिए जो सांसद 300 सांसदों का बोझ न हों, जो जल्द विकसित होने वाले भारतीयों पर बोझ न डालें, उनकी संख्या में नारी शक्ति को सलाम करना बुद्धिमानी होगी। किसी भी मुद्दे पर 'राष्ट्र प्रथम' की सोच रखने वाली पार्टी को देश के सामने सांसदों की नई आबादी के साथ आने वाले आर्थिक संकट को महसूस नहीं करना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस की तरह भ्रष्ट नहीं है, लेकिन अगर यह मुद्दा उसके सिर में नहीं चमकता है, तो देश के सामने चुनौती कितनी गंभीर है सावधान रहें।

प्रस्तावित दूसरे संशोधन के माध्यम से जहां सांसदों की संख्या बढ़ाई जा रही है, वहीं अनिर्वाचित, आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिगामी काउ-बेल्ट के प्रतिनिधियों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, और उन्नत, शिक्षित और विकसित दक्षिणी राज्यों को कम सांसदों से संतोष करना होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और दिल्ली में वर्तमान में लोकसभा के 543 सांसदों में से 207 सांसद हैं। नवीनतम संविधान संशोधन के पारित होने के साथ, इन राज्यों के सांसदों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़कर 366 हो जाएगी। केरल और पुडुचेरी से लोकसभा में जाने वाले सदस्यों की संख्या 132 से बढ़कर 176 हो जाएगी। यह 33 प्रतिशत की वृद्धि है। इसका मतलब है कि पिछड़े राज्यों में सांसदों की संख्या में 77 प्रतिशत की वृद्धि होगी जबकि दक्षिणी राज्यों की वृद्धि दर उनमें से आधे से भी कम होगी। एक देशभक्त सरकार द्वारा ऐसा करने का एकमात्र कारण कर्नाटक को छोड़कर दक्षिणी राज्यों में हिंदुत्व का अवरुद्ध 'विकास' है, जो नहीं उगते हैं उन्हें बेअसर करना और उन राज्यों को महत्व देना जहां कांग्रेस घास की तरह उगती है। संशयी। पूर्वी राज्यों में प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी भी 14।4 प्रतिशत से घटकर 13।7 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में जनप्रतिनिधियों की हिस्सेदारी 4।4 प्रतिशत से घटकर 3।8 प्रतिशत हो जाएगी। संक्षेप में, पूरा भारत गाय बेल्ट से बंधा होगा।

तीसरा संशोधन जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बीच संबंधों को तोड़ने का पुण्य कार्य करेगा, जिसके अनुसार परिसीमन 2031 में किए जाने की उम्मीद है। संविधान के अनुच्छेद 82 में कहा गया है कि इन निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 1952, 1962 और 1972 की जनगणना के बाद किया जाए और 1976 में संविधान के संशोधन के बाद, परिसीमन को 2001 तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया। उस वर्ष इस तारीख को और 25 साल के लिए बढ़ा दिया गया था ताकि यह इस वर्ष समाप्त हो जाए। हालांकि, वर्तमान सरकार ने 2021 में जनगणना को स्थगित करने का फैसला किया। मैंने शुरू नहीं किया। उस साल इसका कारण कोरोना महामारी दी गई थी। इस पर फिर से चर्चा करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि पूरे देश ने अनुभव किया है कि वह कितने ईमानदार थे। रुकी हुई जनगणना अभी शुरू हुई थी। लेकिन 2029 के चुनावों में इसका फायदा होने की संभावना नहीं है। तो सरकार को क्या करना चाहिए? 2011 की जनगणना ने भारत का चेहरा बदल दिया है, जीवन स्तर बदल गया है, नागरिकता का चेहरा बदल गया है, और वर्तमान सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर 2029 की लोकसभा तय करने का प्रयास कर रही है। यह कक्षा 5 के अंकों के आधार पर किसी को ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश देने की बुद्धिमत्ता के बराबर है। यह समझना मुश्किल है कि 2011 की जनगणना को फिर से कैसे तैयार किया जा सकता है, और सरकार चाहती है कि इसे न केवल समझ के साथ बल्कि दो दिवसीय विशेष सत्र में भी मंजूरी दी जाए। यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो सरकार अब से जनगणना किए बिना निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से तैयार करने में सक्षम होगी, अर्थात, उन क्षेत्रों/राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों को कम करना जो सरल प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से उसके पक्ष में नहीं हैं। इसे भयानक भी माना जा रहा है। सरकार ऐसा तब तक करने की हिम्मत नहीं करती जब तक कि वह विपक्ष की अक्षमता और नागरिकों की लाचारी पर दृढ़ता से विश्वास न करे।

आस्था के नाम पर छल से बचकर ही सुरक्षित रहेगी किसान की मेहनत

डॉ. सत्यवान सौरभ

उत्तर भारत के गाँवों में गेहूँ की कटाई केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव होती है। यह वह समय है जब किसान की महीनों की तपस्या, धूप में जले हाथ, सर्द रातों की पहरेदारी और अनिश्चित मौसम के साथ लड़ी गई जंग अंततः रंग लाती है। खेतों में झूमती सुनहरी बालियाँ किसी साधारण फसल का दृश्य नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक होती हैं। जब यही फसल कटकर घर के आँगन में ढेर बनाती है, तो वह केवल अनाज नहीं होती-वह पूरे साल की सुरक्षा होती है, बच्चों की पढ़ाई का आधार, बीमारियों में सहारा, और भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने की ताकत होती है। घर की महिलाएँ उस अनाज को सहेजती हैं, साफ करती हैं, सुखाती हैं और बड़े जतन से उसे भंडार में रखती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि यही दाने आने वाले समय में घर की नींव को मजबूत बनाए रखेंगे।

लेकिन इस सुनहरे और संतोष भरे दृश्य के साथ ही एक ऐसी परछाईं भी गाँव की गलियों में उतरने लगती है, जो धीरे-धीरे इस खुशी को कम करने लगती है। यह परछाईं है झोली लेकर घूमने वाले तथाकथित बाबाओं और मोड़ों की, जो इसी मौसम का इंतजार करते हैं। जैसे ही अनाज घरों में आता है, ये लोग अचानक गाँवों में दिखाई देने लगते हैं। उनके वस्त्र, उनका रूप और उनकी वाणी सब कुछ इस तरह से रचा गया होता है कि वे श्रद्धा के पात्र प्रतीत हों। माथे पर तिलक, सिर पर पटका या टोपी, रंग-बिरंगे कपड़े और हाथ में एक झोली-यह सब मिलकर एक ऐसा रूप तैयार करते हैं, जिसे देखकर सामान्य ग्रामीण सहज ही प्रभावित हो जाता है। वे घर-घर जाकर दरवाजे पर खड़े होते हैं और मीठे शब्दों में आशीर्वाद देते हैं-"भगवान भला करेगा", "माता रानी कृपा बनाए रखे"-और बदले में कुछ अनाज या पैसे की अपेक्षा रखते हैं।

गाँवों में दान और सेवा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है, जो आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। खासकर महिलाएँ इस परंपरा को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की दहलीज पर खड़ी होकर आने-जाने वालों का स्वागत करती हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान देती हैं। उनके लिए यह केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा होता है। लेकिन यही आस्था कई बार उनकी कमजोरी बन जाती है, जब कुछ लोग इसका लाभ उठाने लगते हैं।

एक घर से दी गई एक मुट्ठी गेहूँ शायद बहुत छोटी बात लगती है। देने वाले को लगता है कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यही प्रक्रिया जब पूरे गाँव में दोहराई जाती है, तो यह छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मिलकर एक बड़े ढेर में बदल जाती हैं। दिन भर में सैकड़ों घरों से इकट्ठा किया गया अनाज शाम तक एक बड़ी मात्रा में पहुँच जाता है। इसके बाद यह अनाज अक्सर बाजार में बेच दिया जाता है, और उससे प्राप्त धन का उपयोग जरूरी जरूरतों के बजाय नशे, जुए या अन्य अनुचित गतिविधियों में होने की शिकायतें सामने आती हैं। इस प्रकार, जो अनाज किसान ने अपने खून-पसीने से उगाया था, वह धीरे-धीरे ऐसे हाथों में चला जाता है जहाँ उसका सम्मान नहीं होता।

यह केवल आर्थिक नुकसान की बात नहीं है, बल्कि यह विश्वास के टूटने की कहानी भी है। जब कोई व्यक्ति धर्म और आस्था का सहारा लेकर किसी की मेहनत का लाभ उठाता है, तो वह केवल संसाधनों की चोरी नहीं करता, बल्कि सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर करता है। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब होती है जब कुछ लोग दान न देने पर डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। "अगर दान नहीं दिया तो अनिष्ट होगा", "घर में अशांति आ जाएगी"-ऐसे शब्द केवल अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि लोगों के मन में अनावश्यक भय भी पैदा करते हैं। यह भय खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को प्रभावित करता है, जो पहले से ही धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

हालाँकि, इस पूरी तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो वास्तव में जरूरतमंद हैं-बुजुर्ग, विकलांग या ऐसे व्यक्ति जिनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं है। उनके लिए भिक्षा माँगना कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी होती है। उनके चेहरे पर बनावटीपन नहीं, बल्कि संघर्ष और थकान की सच्चाई झलकती है। इसलिए हर झोली लेकर आने वाले व्यक्ति को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है जहाँ विवेक और संवेदनशीलता दोनों की आवश्यकता होती है।

समस्या का समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि समझदारी में छिपा है। सबसे पहले, जागरूकता आवश्यक है। परिवार के सभी सदस्यों को यह समझाना जरूरी है कि दान केवल भावना के आधार पर नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया जाना चाहिए। खासकर महिलाओं को यह सिखाना जरूरी है कि वे किसी भी प्रकार के डर या दबाव में आकर निर्णय न लें। यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती करता है या डराने की कोशिश करता है, तो उसका विरोध करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर पड़ोसियों या पंचायत की सहायता लेनी चाहिए। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है दान की दिशा को सही करना। यदि किसी के मन में देने की भावना है, तो उसे उन लोगों तक पहुँचाना चाहिए जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। गाँव में ऐसे कई परिवार होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिनकी मदद से उनका जीवन बेहतर हो सकता है। विधवाएँ, बुजुर्ग, अनाथ बच्चे या शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े जरूरतमंद लोग-ये वे स्थान हैं जहाँ दान का वास्तविक प्रभाव पड़ता है। इससे न केवल संसाधनों का सही उपयोग होता है, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और विश्वास भी मजबूत होता है।

तीसरा, सामूहिक निर्णय की शक्ति को समझना जरूरी है। यदि पूरा गाँव मिलकर यह तय कर ले कि घर-घर घूमकर अनाज देने की परंपरा को सीमित किया जाएगा, तो इस समस्या का समाधान अपने आप निकल सकता है। अकेले व्यक्ति के लिए मना करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन जब पूरा समुदाय एक साथ खड़ा हो, तो स्थिति बदल जाती है। सामूहिक जागरूकता और एकजुटता ही ऐसे शोषण के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।

अंततः यह मुद्दा केवल अनाज का नहीं है, बल्कि उस सम्मान का है जो किसान अपनी मेहनत से अर्जित करता है। खेत में बहाया गया पसीना केवल पानी नहीं, बल्कि उसके जीवन का एक हिस्सा होता है। उस पसीने से उगा हर दाना अनमोल होता है और उसका सम्मान करना हर समाज का कर्तव्य है। उसे किसी भी प्रकार के छल, दबाव या अंधविश्वास के कारण व्यर्थ जाने देना न केवल आर्थिक हानि है, बल्कि आत्मसम्मान का भी नुकसान है।

आस्था हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन आस्था का अर्थ अंधविश्वास नहीं होता। सच्ची आस्था वही है जो विवेक के साथ चलती है, जो सही और गलत के बीच अंतर कर सके। जब आस्था के नाम पर कोई हमारी मेहनत का शोषण करने लगे, तो उसे पहचानना और उससे बचना ही सच्ची समझदारी है।

जनसंख्या बनाम विकास: लोकसभा पुनर्गठन की असली चुनौती

आरके जैन

भारत की संसदीय व्यवस्था इस समय एक अहम मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया निर्णय आने वाले दशकों की राजनीति, नीतियों और प्रतिनिधित्व की दिशा तय करेगा। लोकसभा की सीटों को वर्तमान 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 (815 राज्य व 35 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए) करने का प्रस्ताव केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के गणित और भूगोल-दोनों को बदलने वाला कदम है। सवाल सीधा है, पर इसका उत्तर जटिल-क्या इससे आम मतदाता की ताकत वास्तव में बढ़ेगी या बड़े राज्यों का राजनीतिक प्रभाव और गहरा होगा? यही वजह है कि यह बहस अब संसद तक सीमित नहीं रही, बल्कि देश के हर उस नागरिक तक पहुंच गई है, जो चाहता है कि उसका वोट सिर्फ गिना ही नहीं, बल्कि असर भी दिखाए।

सरकार का तर्क सीधा और ठोस है कि बढ़ती आबादी के साथ प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाना अब अनिवार्य हो चुका है। मौजूदा स्थिति में एक सांसद पर अत्यधिक जनसंख्या का बोझ है, जिससे स्थानीय समस्याएं अक्सर राष्ट्रीय बहस में दब जाती हैं। प्रस्तावित योजना के तहत सीटों को लगभग 50 प्रतिशत बढ़ाकर अधिकतम 850 करने से प्रत्येक सांसद कम लोगों का प्रतिनिधित्व करेगा, जिससे जनता और प्रतिनिधि के बीच दूरी घटेगी, संवाद सशक्त होगा और जवाबदेही बढ़ेगी। इससे नीतियों का क्रियान्वयन भी अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है। साथ ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लागू करने के लिए यह विस्तार एक ठोस आधार के रूप में देखा जा रहा है, जो राजनीति में लैंगिक संतुलन को मजबूत कर सकता है।

इस प्रस्ताव का एक ऐसा पक्ष भी है, जो गहरी चिंता पैदा करता है और जिसे नजरअंदाज करना आसान नहीं है। दक्षिण भारत के राज्यों ने लंबे समय से जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा और स्वास्थ्य में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में यदि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर हुआ, तो अधिक आबादी वाले राज्यों को ज्यादा सीटें मिलेंगी। इसका असर यह होगा कि दक्षिण के राज्यों का संसद में सापेक्षिक प्रभाव घट सकता है। यह स्थिति एक असंतुलन पैदा करती है, जहां विकास और बेहतर शासन का परिणाम राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी बनकर सामने आता है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि किसी राज्य की मौजूदा सीटें कम नहीं होंगी, फिर भी दक्षिण के राज्यों को अपने प्रभाव में कमी की आशंका है। यदि इसे आम नागरिक की नजर से परखा जाए, तो इस बदलाव के भीतर कई ठोस संभावनाएं दिखाई देती हैं। सीटों में वृद्धि का मतलब है कि संसद में अधिक विविधता आएगी और अलग-अलग क्षेत्रों की समस्याएं पहले से ज्यादा प्रभावी ढंग से उठ सकेंगी। ग्रामीण इलाकों, छोटे शहरों और पिछड़े वर्गों को अपनी बात रखने के लिए व्यापक मंच मिलेगा। महिला आरक्षण के जरिए राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिल सकती है। यह बदलाव उन वर्गों के लिए अवसर का द्वार खोल सकता है, जो अब तक निर्णय प्रक्रिया में सीमित दायरे में ही रह गए थे। असल चिंता यहीं से शुरू होती है-क्या केवल सीटों की संख्या बढ़ा देने से प्रतिनिधित्व वास्तव में सशक्त हो जाएगा? यह मान लेना एक सरलीकृत दृष्टि होगी। प्रतिनिधित्व सिर्फ आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि संतुलन और न्यायपूर्ण भागीदारी का भी प्रश्न है। जब किसी एक क्षेत्र का प्रभाव असामान्य रूप से बढ़ता है, तो नीति निर्माण का झुकाव भी उसी दिशा में होने लगता है। इसका सीधा असर संसाधनों के वितरण, बजट आवंटन और विकास योजनाओं पर पड़ सकता है, जिससे क्षेत्रीय असमानताएं और गहरी हो सकती हैं।

दक्षिण के राज्यों की मुख्य चिंता यही है कि उनका आर्थिक योगदान और सामाजिक उपलब्धियां राजनीतिक फैसलों में अपेक्षित महत्व नहीं पा सकेंगी।

यहीं से एक रचनात्मक और संतुलित समाधान की मांग उभरती है, जहां विपक्ष और कई क्षेत्रीय दल इस प्रस्ताव को केवल संख्या नहीं, बल्कि व्यापक न्याय के दृष्टिकोण से देखने की बात करते हैं। उनका मानना है कि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर तय नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें विकास के ठोस मानकों को भी शामिल करना जरूरी है। साक्षरता, स्वास्थ्य सेवाएं, प्रति व्यक्ति आय और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रयासों को प्रतिनिधित्व निर्धारण में उचित महत्व मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि लोकतंत्र केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि गुणवत्ता, जवाबदेही और संतुलित भागीदारी की एक मजबूत व्यवस्था भी है। निर्णायक दौर में नीतियों की असली कसौटी सामने आती है और यह विमर्श भी उसी पर खरा उतरने की मांग करता है, जहाँ स्थायी व न्यायपूर्ण समाधान संतुलन में निहित है। जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है, लेकिन संघीय ढांचे और राष्ट्रीय एकता के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। यदि परिसीमन में दोनों को समान महत्व मिला, तो यह बदलाव लोकतंत्र को अधिक सुदृढ़ और समावेशी बना सकता है, अन्यथा असंतुलन बढ़ सकता है। उनका मानना है कि परिसीमन केवल जनसंख्या पर आधारित न होकर आर्थिक योगदान, साक्षरता, स्वास्थ्य, प्रति व्यक्ति आय और जनसंख्या नियंत्रण जैसे मानकों को भी महत्व दे, ताकि विकासशील राज्यों की प्रगति को उचित सम्मान मिल सके।

अनपढ़ रहोगे तो बनोगे नवाब

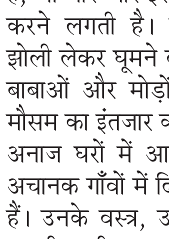

डॉ टी महादेव राव

पढ़ाई लिखाई का कोई महत्व नहीं है। इसलिए मैंने अपने बच्चों को चौथी और छठवीं कक्षाओं के बाद स्कूल से निकालने का फैसला कर लिया है। अचानक इतना खतरनाक फैसला क्यों? स्कूल फीस, यूनिफॉर्म और किताबों का खर्चा बहुत ज्यादा हो रहा है? यह भी एक वजह समझो! काफी पैसा जा रहा है स्कूल के नाम पर ।लेकिन आप दोनों मियां बीवी की कमाई अच्छी होती है, अच्छी खासी नौकरियों के चलते। तुम्हें क्या कमी है पैसों की?

सो तो है लेकिन एक और वजह है जिससे मैं बच्चों को स्कूल छुड़वाने का सोचा है।

अचानक ऐसा फ़ैसला लेने के पीछे कोई खास वजह ही होगी। बताओ। पढ़ने लिखने से फायदा क्या है? अधिक से अधिक कोई छोटा मोटा काम धंधा कर सकेगा। ज्यादा हुआ तो सॉफ्टवेयर में जायेगा। जिसका लंबे समय के लिए कोई भरोसा नहीं। इससे अच्छा है पढ़े ही न। उससे कमाई के बड़े बड़े रास्ते खुलेंगे। लोग सलाम बजाएंगे। आपकी बात मानेंगे।

तुम किन रास्तों के खुलने की बात कर रहे हो। कहीं तुम उन्हें गुंडा, मवाली बनाने की तो नहीं सोच रहे हो? आजकल उसी में पैसा है, लोगों को डराने का माद्दा है।यूं थोड़ा बहुत तुम समझ गए हो, लेकिन पूरी बात कुछ और है। हमारे बचपन में बड़े बड़े शिक्षित नेताओं को, विदेशों में पढ़े लिखे मंत्रियों को देखकर हमें प्रेरणा मिलती थी कि पढ़े लिखे नागरिक बनें। लेकिन अब स्थितियां बिल्कुल विपरीत हो गई हैं। पढ़े लिखे लोग रोजगार भत्ते और मुफ्त राशन के बल पर जी रहे हैं। मोबाइल लेकर दिन भर पड़े रहते हैं। यह सिला है पढ़े लिखे होने का। बेकार, बेरोजगार और ऐसे पढ़े लिखे हैं बेशुमार।

तो उन्हें अनपढ़ रखकर क्या करोगे? क्या योजना है भाई तुम्हारी?

भाई! आप अखबार, टीवी, मोबाइल से जुड़े हो या सिर्फ कोरे कागद पर कविताएं कुरेदते बैठे हो। आजकल क्या हो रहा देश में, प्रदेश में कुछ जानकारी भी है आपको?

गुंडे, खूनी खोर, अनपढ़ लोग बड़े बड़े पदों में विराजमान हो रहे हैं, ऐश कर रहे हैं, अपने घरों में, दोस्तों के घरों में खजाना भर रहे हैं।ठीक। वर्तमान में देखें तो महत्वपूर्ण पदों पर अनपढ़ और अशिक्षित असामाजिक लोग विराज मान हैं। ओनामासी धम बाप पढ़े न हम की तर्ज पर नकली और बनावट भरे प्रमाणपत्र दिखा रहे हैं।

अशिक्षित और अनपढ़ कहां? किसी ने चौथी पास की है और किसी ने छठीं पास की है। थोड़े बहुत पढ़े लिखे हैं, उन्हें अनपढ़ न कहो।

इन्हें पढ़े लिखे कहे तो देश शत प्रतिशत साक्षर हो गए समझो।

तो बच्चों को स्कूल छुड़वाकर क्या पहले गली मोहल्ले और शहर के गुंडे मवाली बनाओगे। फिर धीरे धीरे नेतागिरी की ओर धकेलोगे। बीच में कोई बड़ा अपराध कर लिए तो हाफडिबिट देकर जुबिनल होम में बाल अपराधी के रूप में जल्दी छूट जायेगा। यही न तुम्हारा प्लान है?

बिल्कुल सही। क्या मैं सही कर रहा हूं?बिल्कुल सही कर रहे हो। बच्चों का भविष्य उज्ज्वल कर रहे हो। यही समय की मांग है।

'धुरंधर में रहमान डकैत का रोल तुम्हें करना चाहिए था'

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से कही बात एक्टर ने जताई सहमति

एक्टर गुलशन ग्रोवर ने बताया कि हाल ही में शत्रुघ्न सिन्हा ने उनसे कहा था कि फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना द्वारा निभाया गया रहमान डकैत का रोल उन्हें करना चाहिए था। दरअसल, गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज मटका किंग का प्रमोशन कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में पुराने ट्रेंड्स की वापसी पर बात की।

ग्रोवर ने कहा कि सिनेमा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां पुराने स्टाइल, किरदार और कहानी कहने के तरीके फिर से लौट रहे हैं। उनके मुताबिक, फैशन से लेकर फिल्मों तक, नॉस्टेल्जिया का असर साफ दिख रहा है। एक्टर ने कहा कि आजकल बेल-बॉटम जैसे पुराने फैशन ट्रेंड वापस आ रहे हैं। साथ ही कई पुराने गाने रीमेक के रूप में लौट रहे हैं और परफॉर्मेंस-ड्रिवन सिनेमा भी फिर से देखने को मिल रहा है।

ग्रोवर ने हाल ही में हुए एक डिनर का जिक्र किया, जिसमें शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन मौजूद थे। उन्होंने बताया कि डिनर में शत्रुघ्न ने फिल्म धुरंधर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें उसमें होना चाहिए था। ग्रोवर के मुताबिक, सिन्हा ने यह भी कहा कि अगर वह रहमान डकैत का रोल निभाते, तो और बेहतर होता। इस पर ग्रोवर ने सहमति जताई और कहा कि पब्लिक भी इस बात से सहमत है।

ग्रोवर ने धुरंधर का उदाहरण देते हुए कहा कि पुराने दौर के रोल और फिल्मी एलिमेंट्स आज फिर से फिल्मों में लौट रहे हैं। उनके अनुसार, उस दौर की कई खासियतें अब दोबारा दिखाई दे रही हैं।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज टली

अब जून में सिनेमाघरों में आएगी मूवी

साउथ एक्टर राम चरण की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पेद्दी' रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। मेकर्स ने बेहतर थिएट्रिकल एक्सपीरियंस और पोस्ट-प्रोडक्शन के काम को पूरा करने के लिए यह फैसला लिया है। अब यह फिल्म इसी साल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पहले फिल्म 27 मार्च को थिएटर्स में रिलीज की जानी थी। फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू ने बताया की रिलीज डेट जल्द ही जारी की जाएगी।

फिल्म का काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन एक छोटा सा हिस्सा अभी बाकी है। मेकर्स का कहना है कि वे दर्शकों को बेहतरीन अनुभव देना चाहते हैं, इसलिए टेकनीशियन और पोस्ट-प्रोडक्शन टीम को थोड़ा और समय दिया गया है। फिल्म की टीम ने सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर कर फैंस को इस बदलाव की जानकारी दी।

फिल्म में ए.आर. रहमान का म्यूजिक

फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके गानों ने इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहे हैं। दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा तैयार किया गया पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन (20 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है। वहीं, दूसरा गाना 'राय राय रा रा' एक हाई-एनर्जी ट्रैक है, जिसे यूट्यूब पर अब तक 47 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

फिल्म में राम चरण का एक बिल्कुल अलग और दमदार अवतार देखने को मिलेगा। हाल ही में 'पेद्दी पहलवान' लुक रिलीज किया गया थाफिल्म के टीजर और पोस्टर्स ने पहले ही फिल्म की दमदार कहानी की झलक दे दी है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं।

'भूत बंगला' की कास्ट की सैलरी का हुआ खुलासा, अक्षय कुमार-तब्बू से लेकर राजपाल यादव तक ने ली कितनी फीस

'भूत बंगला' कल से थिएटर्स में लग जाएगी। मूवी में काफी बड़ी स्टार कास्ट है। अक्षय कुमार, तब्बू, राजपाल यादव से लेकर परेश रावल जैसे एक्टर्स इस मूवी का हिस्सा हैं। फिल्म को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। आईए जानते हैं स्टार कास्ट ने फिल्म के लिए कितनी फीस ली है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, अक्षय कुमार इस फिल्म के लिए 18 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। साथ ही वह इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी हैं, इसलिए उन्हें फिल्म के मुनाफे से 70% का हिस्सा मिलेगा। दूसरी प्रोड्यूसर एकता कपूर के पास बाकी 30% मुनाफे का हिस्सा है। तब्बू इस फिल्म के लिए 2 करोड़ रुपये ले रही हैं, जबकि वामिका गब्बी की फीस 1 करोड़ रुपये है। राजपाल यादव इस फिल्म के लिए करीब 75-80 लाख रुपये चार्ज कर रहे हैं। बाकी एक्टर्स की फीस का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

लेंसकार्ट के 'स्टाइल गाइड' पर भड़के अशोक पंडित

कहा- हिजाब ठीक, लेकिन तिलक-बिंदी और कलावा नहीं; कंपनी के बायकॉट की अपील की

फिल्ममेकर अशोक पंडित लेंसकार्ट के कर्मचारियों के लिए जारी स्टाइल गाइड को लेकर भड़क गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कंपनी के बायकॉट करने की अपील की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अशोक पंडित ने स्टाइल गाइड की फोटो शेयर कर लिखा, पीयूष बंसल अपने कर्मचारियों से कहते हैं कि हिजाब ठीक है, लेकिन बिंदी/तिलक/कलावा नहीं। लेंसकार्ट एक ऐसी कंपनी है जो हिंदू बहुल भारत में काम करती है, जहां अधिकतर कर्मचारी और उपभोक्ता हिंदू हैं। आप इस पर क्या कहेंगे? यह लेंसकार्ट के कर्मचारियों के लिए स्टाइल गाइड का पेज 11 है। इसका लिंक यहां देख सकते हैंः

बता दें कि अशोक पंडित ने स्टाइल गाइड की फोटो शेयर की। उसके मुताबिक, हिजाब पहनने की अनुमति है, लेकिन उसका रंग काला होना चाहिए और वह कंपनी के लोगो को कवर नहीं करना चाहिए। पगड़ी भी केवल काले रंग में ही पहनने की अनुमति दी गई है। वहीं, धार्मिक टीका, तिलक, बिंदी या स्टिकर लगाने की अनुमति नहीं है और मेहंदी लगाने पर भी रोक लगाई गई है।

गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रकार की टोपी या हैट पहनने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, स्टोर में ब्लू टॉर्च और स्प्रे बोतल रखना, बाल अस्त-व्यस्त होने पर हेयर नेट का उपयोग करना और टैटू छिपाने के लिए काली फिटेड टी-शर्ट पहनना अनिवार्य बताया गया है।

बता दें कि अशोक पंडित एक फिल्ममेकर हैं, साथ ही वो सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार रखते रहते हैं। उन्होंने करियर की शुरुआत में नुक्कड़, सर्कस और ये जो है जिंदगी जैसे फेमस शो में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने फिल्मी चक्कर जैसे शो का डायरेक्शन किया और कोलगेट टॉप 10 व तेरे मेरे सपने जैसे शो भी बनाए। साथ ही उन्होंने द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और 72 हूरें जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया है।

धर्मेंद्र को याद कर इमोशनल हुए बॉबी देओल

पापा के साथ और वक्त ना बिताने का मलाल

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र के निधन को करीब 140 दिन बीत चुके हैं। उनके छोटे बेटे बॉबी देओल ने पिता के जाने के बाद अपना पहला इंटरव्यू दिया है। बॉबी ने बताया कि उनके पापा की मौत ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया है। इस दौरान उन्होंने अपने पछतावे और सौतेली बहनों ईशा और अहाना देओल के साथ बदलते रिश्तों पर भी खुलकर बात की।

बॉबी देओल ने एस्क्वायर इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि वे अपने पापा के साथ और भी क्वालिटी टाइम बिताना चाहते थे। बॉबी ने भावुक होते हुए कहा,कई ऐसे दिन होते हैं जब मुझे लगता है कि काश मैं पापा

के साथ और बैठता। काश मैंने उनसे और सवाल पूछे होते। अब मैं अपने बेटों, पत्नी और परिवार के साथ रहने को लेकर ज्यादा सजग रहता हूं। बॉक्स ऑफिस, रिव्यूज और रोल्स... ये सब आखिर में मायने नहीं रखते। सफलता के मायने बताते हुए बॉबी ने कहा कि कामयाबी इस बात से मापी जाती है कि आप अपने प्रियजनों के साथ कितना वक्त बिता पाते हैं। उन्होंने कहा, बिना किसी अपने के शोहरत और दौलत का क्या फायदा? मैं आज भी इंस्टाग्राम पर उनकी (धर्मेंद्र) रील्स देखता रहता हूं। वे बहुत ही सादगी भरे और गर्मजोशी से भरे इंसान थे। कभी-कभी लगता है कि वे रील के जरिए सीधे मुझसे ही बात कर रहे हैं।

धर्मेंद्र के निधन के बाद देओल परिवार में एक सकारात्मक बदलाव आया है। बॉबी ने बताया कि इस दुख ने उन्हें अपनी सौतेली बहनों ईशा और अहाना देओल के करीब ला दिया है। बॉबी ने कहा, हम सभी अपने-अपने तरीके से इस दुख से निपट रहे हैं।

भूत बंगला प्रमोट करने में हुई अक्षय कुमार की किरकिरी

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपकमिंग फिल्म भूत बंगला के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। एक्टर फिल्म प्रमोट करने के लिए एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो नागिन 7 में कैमियो करते दिखे। हालांकि अब शो से एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें अक्षय कुमार टेली प्रॉम्पटर की मदद से डायलॉग पढ़ते नजर आ रहे हैं। नागिन 7 के वीकेंड में टेलीकास्ट किए गए एपिसोड में अक्षय कुमार ने नाग गुरू के रूम में कैमियो किया। एपिसोड में वो नागिन बनीं एक्ट्रेस प्रियंका चहर को ड्रैगन यमन से लड़ने का सुझाव दे रहे हैं। अब एपिसोड का एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिस पर एक्टर को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। क्लिप में साफ देखा जा रहा है कि अक्षय कुमार अपने डायलॉग्स याद किए बिना ही टेली प्रॉम्पटर से पढ़ रहे हैं। उनकी आंखें प्रॉम्पटर के शब्दों को फॉलो करती हुई साफ दिखाई दीं।

वीडियो सामने आने के बाद अक्षय को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, 30 साल के करियर के बाद भी अगर 60 साल का एक्टर डायलॉग याद न रखे, तो कुछ लोगों को यह अजीब या शर्मनाक लग सकता है।

कौन है इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाला भोजपुरी एक्टर?

कई ऐसे सितारे हैं, जो भोजपुरी इंडस्ट्री से आए हैं और उन्होंने देशभर में अपना नाम बनाया है। मनोज तिवारी, रवि किशन, निरहुआ और पवन सिंह जैसे कलाकारों ने अपने काम से सभी के दिलों में जगह बनाई है। मैथिली ठाकुर ने भी अपनी गायिकी से सभी को इंप्रैस किया है। लेकिन इन सब के बीच एक ऐसा एक्टर भी है, जिसकी फैन फॉलोइंग इन सब से ज्यादा है। आइए एक-एक कर जानते हैं, भोजपुरी इंडस्ट्री के कलाकारों की फैन फॉलोइंग।

मनोज तिवारी- मनोज तिवारी भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार और संगीत निर्देशक हैं। साथ ही

फिलहाल वे राजनेता के रूप में सक्रिय हैं। बता दें कि वे 18वीं लोकसभा के सदस्य हैं। अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर का 'जिया हो बिहार के लाला जिया तू हजार साला' आज हर प्रोग्राम में सुनाई देता है। मनोज तिवारी काफी पॉपुलर एक्टर हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

दिनेश लाल यादव- दिनेश लाल यादव को निरहुआ के नाम से भी जाना जाता है। वे एक भोजपुरी फिल्म गायक, एक्टर, सांसद लोकसभा आजमगढ़ और टेलीविजन होस्ट हैं। दिनेश लाल यादव बिग बॉस शो के कंटेस्टेंट भी रह चुके हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 2.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

रवि किशन - रवि किशन एक्टर और टेलीविजन पर्सनालिटी हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा में काफी नाम कमाया है। हाल ही में वे 'लापता लेडीज' और 'मामला लीगल है सीजन 2' में नजर आए थे। दोनों प्रोजेक्ट्स के लिए रवि किशन को फैंस से काफी प्यार मिला है। रवि किशन के इंस्टाग्राम पर 3.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

आम्रपाली दुबे- आम्रपाली दुबे एक भोजपुरी फिल्म और टेलीविजन एक्ट्रेस हैं। उन्होंने जी टीवी पर 'सात फेरे और मायका में' अभिनय किया था। साथ ही वे कई भोजपुरी फिल्मों में भी लीड रोल के तौर पर नजर आ चुकी हैं। आम्रपाली के इंस्टाग्राम पर 5.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मोना लिसा- अंतरा बिस्वास, जिन्हें स्टेज पर मोना लिसा के नाम से जाना जाता है। ये अब तक 125 भोजपुरी फिल्में कर चुकी हैं, और इसके साथ ही हिन्दी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। मोना लिसा के इंस्टाग्राम पर 5.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

पवन सिंह- पवन सिंह एक एक्टर, राजनेता और म्यूजिशियन हैं। वे भोजपुरी फिल्म उद्योग में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वे भोजपुरी इंडस्ट्री में कई फिल्में कर चुके हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 6.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

अक्षरा सिंह- अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं और अपने काम के लिए कई अवॉर्ड्स भी जीत चुकी हैं। अक्षरा को एक्शन ड्रामा 'तबादला', राजनीतिक ड्रामा 'सरकार राज' और एक्शन रोमांस 'सत्या' जैसी फिल्मों में उनकी एक्टिंग के लिए जाना जाता है। उनके इंस्टाग्राम पर 6.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

खेसारी लाल यादव- खेसारी लाल यादव भोजपुरी के पॉपुलर एक्टर, सिंगर, डांसर और मॉडल हैं। इन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में कई फिल्मों में काम किया है और लोगों से भी इन्हें काफी प्यार मिला।

जेल में तेज बुखार में तड़पते रहे विक्रम भट्ट

भगवान से कहते थे- मैं यहां नहीं मरना चाहता

30 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में दिसंबर से फरवरी तक जेल में रहे फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने जेल के दर्दनाक दिनों को याद किया है। फिल्ममेकर की मानें तो उन्हें कड़ाके की ठंड की वजह से तेज बुखार हुआ, वो दर्द से कराह रहे थे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसवाले उन्हें डॉक्टर के पास तक नहीं ले गए। जेल के कैदियों ने ही मदद की। ऐसे में वो भगवान से लगातार कहते थे कि वो जेल में नहीं मरना चाहते।

पावर ऑफ प्रेयर्स। उदयपुर जेल में मेरी कैद के लगभग तीन हफ्ते बाद, जनवरी की कड़ाके की ठंड में, एक रात मैं बैरक नंबर 10 में तेज बुखार के साथ कांपते हुए उठा। चार कंबल ओढ़ने के बाद भी ऐसा लग रहा था जैसे शरीर पर कुछ भी नहीं है। पास में सो रहे कैदियों ने मेरे लिए और कंबल जुटाए। मैंने पैरासिटामोल ली और सोचा कि ठीक हो जाऊंगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अगली सुबह मैं जेल के अस्पताल गया। वहां थर्मामीटर तक नहीं था। उन्होंने ऑक्सीजन चेक की और कहा कि सब ठीक है।

आगे फिल्ममेकर ने लिखा, 'मैंने कहा, ये मजाक है क्या? मुझे एक्सियल स्पॉनडिलोआर्थिटिस है, जो एक ऑटोइम्यून बीमारी है, और मेरे लिए तेज बुखार खतरनाक हो सकता है।

अमिताभ बच्चन को याद आए रामधारी सिंह 'दिनकर' के ये शब्द

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं और नियमित रूप से ब्लॉग भी लिखते हैं। हालांकि, अधिकांश बार वे अपने एक्स अकाउंट से बहुत छोटे ट्वीट करते हैं। कई बार सिर्फ नंबर लिखकर छोड़ देते हैं। मगर, बीते दिन उन्होंने एक के बाद एक दो पोस्ट शेयर किए। दरअसल, उन्होंने कुछ मोटिवेशनल लाइनें साझा की थीं। बाद में बताया कि यह लाइनें राष्ट्रकवि दिनकर की हैं।

कवि 'दिनकर' ने बिग बी को दिया था ऑटोग्राफ

अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा कर लिखा, 'सफलता उन लोगों को मिलती है जो हिम्मत करते हैं और एक्ट करते हैं'। फिर, तुरंत बाद उन्होंने एक और पोस्ट साझा किया और स्पष्ट किया कि ये लाइनें कवि 'दिनकर' की हैं। बिग बी ने लिखा, 'पिछली पोस्ट (X) में जो कोट था, वह महान राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' का था। उन्होंने यह मेरी ऑटोग्राफ बुक में तब लिखा था, जब मैंने उनसे ऑटोग्राफ मांगा था। यह बात बहुत पुरानी है, जब वे दिल्ली में हमारे घर आए थे'।

अमिताभ बच्चन के इस पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट्स की झड़ी लग गई है। कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि बात जब कवि 'दिनकर' की हो रही है, तब आपको पोस्ट हिंदी में लिखकर साझा करना चाहिए था। बता दें कि बिग बी ने यह पोस्ट अंग्रेजी में साझा किया है। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'तभी हम सोच रहे कि आज आपने इतना लंबा पोस्ट कैसे लिख दिया'।

बीते दिनों यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना अपने शो 'स्टिल अलाइव' के दौरान अमिताभ बच्चन को रोस्ट किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में अभिषेक बच्चन की सक्सेस पर भी चुटकी ली थी। समय ने कहा था, 'हॉट सीट पर बैठे हुए उन्हें 'उल्टे सीधे' ख्याल आते थे, वे जोक्स करना चाहते थे, लेकिन क्लीन कैरेक्टर बनाए रखने के लिए खुद को रोक लेते थे। एक मजाक जो वह करना चाहते थे लेकिन नहीं वह यह था कि 'सर, आपने इतना पोलियो का एड किया, फिर भी अपने बेटे को पांव पे क्यों नहीं खड़ा कर पाए सर'। ऐसे में अमिताभ बच्चन ने 'दिनकर' की पंक्तियों के जरिए क्या समय रैना को अप्रत्यक्ष रूप से जवाब दिया है? बता दें इससे पहले बीते साल अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ करने के लिए भी यह लाइनें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। बिग बी ने लिखा था, 'अभिनय' का मतलब मंच या फिल्म में अभिनय करना नहीं है, बल्कि जीवन में हिम्मत करना और एक्ट करना है। अभिषेक ने हमेशा ऐसा किया है।

जुनैद खान-साई पल्लवी की 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

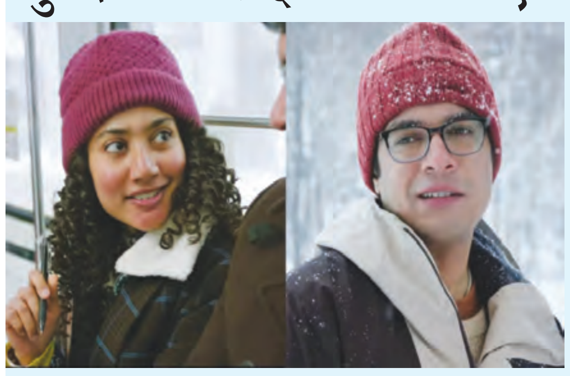

रोमांस में कॉमेडी के तड़के के साथ दिखी ऑफिस वाली लव स्टोरी

एक तरफा प्यार करने वाले अक्सर कल्पनाएं खूब करते हैं। दुआएं भी काल्पनिक होती हैं। कुछ ऐसा ही फिल्म 'एक दिन' के आज रिलीज हुए ट्रेलर में देखने को मिला है। साई पल्लवी और जुनैद खान अभिनीत फिल्म 'एक दिन' का दूसरा ट्रेलर जारी हो गया है। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री है। रोमांस है। एक तरफा प्यार है। और, एक कोरी काल्पनिक कहानी है। ट्रेलर की शुरुआत ऑफिस के एक दृश्य से होती है। जुनैद आईटी विभाग में हैं। साई पल्लवी भी उसी ऑफिस में हैं। उनके किरदार का नाम मीरा है। जुनैद खान का किरदार मीरा को मन ही मन पसंद करता है, लेकिन दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं है। ऑफिस के टारगेट पूरे होने पर पूरी टीम को यह खुशी सेलिब्रेट करने पर पांच दिन के लिए जापान जाने का मौका मिलता है। यहां जुनैद खान और साई के बीच नजदीकी बढ़ती है। मीरा का साथ पाकर जुनैद की खुशी का ठिकाना नहीं, मगर झोल यह है कि यह खुशी सिर्फ एक दिन की होती है।

जापान पहुंचकर जुनैद को एक खास घंटी के बारे में पता चलता है। दुनियाभर से हारे आशिक इस घंटी को बजाकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। जुनैद भी ऐसा करते हैं। दुआं में यहां तक कह देते हैं कि, 'काश मीरा मेरी हो जाए, चाहें एक दिन के लिए ही सही'। दुआ कबूल होती है। एक दिन के लिए मीरा उनकी होती है। दअअसल, जापान में मीरा की एक बीमारी का पता चलता है, जिसमें इंसान को शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस होता है। उस एक दिन मीरा और जुनैद एक-दूसरे के करीब आते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उस दिन की याद मीरा को कभी नहीं रहेगी। मगर, जुनैद उसी में अपनी जिंदगी जीते हैं। मोहब्बत से भरे 'एक दिन' को जीने के बाद मीरा और आईटी (जुनैद) की जिंदगी क्या मोड़ लेती है। और, क्या इस कहानी का

शाहरुख खान बॉडीगार्ड को देते हैं 2.5 करोड़ सैलरी

यासीन खान का खुलासा- बस गुजारा लायक था वेतन

बॉलीवुड के बड़े-बड़े स्टार्स के पास सिक्योरिटी गार्ड होते हैं। वे बिना सिक्योरिटी गार्ड्स के इधर-उधर मूव नहीं करते हैं, चाहे पार्टीज में जाना हो या फिर आउट ऑफ कंट्री। ऐसे में चर्चाएं भी होती हैं कि सेलिब्रिटीज के सिक्योरिटी गार्ड्स की करोड़ों की इनकम होती है। हाल ही में शाह रुख खान के एक्स बॉडीगार्ड रहे यासीन खान ने रिवील किया कि उनको लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही थी कि वह 2 से ढाई करोड़ रुपये कमाते हैं। अब यासीन खान ने बताया है कि वाकई बॉडीगार्ड्स या फिर सिक्योरिटी गार्ड्स को कितनी सैलरी मिलती है।

यासीन खान का कहना है कि कोई भी बॉडीगार्ड 2 या ढाई करोड़ रुपये नहीं कमाता है। उन्होंने पिंकविला की हिंदी वेबसाइट के साथ बातचीत में कहा- यासीन खान का कहना है कि किसी भी बॉडीगार्ड की सैलरी करोड़ों में नहीं होती है सभी बॉडीगार्ड्स की सैलरी फिक्स होती है।

सभी को उनके एक्सपीरियंस के आधार पर भुगतान किया जाता है। ज्यादा एक्सपीरियंस वाला बॉडीगार्ड 1 लाख रुपये प्रति महीने कमाता है। यासीन खान, शाह रुख खान के साथ बॉडीगार्ड के तौर पर करीब 1 दशक तक काम कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर एक्टर की सुरक्षा के लिए एक्स्ट्रा पेमेंट मिलती थी।

एक बार उन्होंने गौरी खान से अपनी बात रखी थी और बताया कि फिल्म के सेट पर बॉडीगार्ड्स को ज्यादा पेमेंट मिलती है, तब गौरी ने उन्हें सेट पर शाह रुख की सुरक्षा करने के लिए ज्यादा पैसे दिए। महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, युवराज सिंह समेत कई सेलिब्रिटीज के साथ बॉडीगार्ड के तौर पर काम कर चुके यासीन खान अब अपना सिक्योरिटी फर्म चलाते हैं।

अवनीत कौर ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

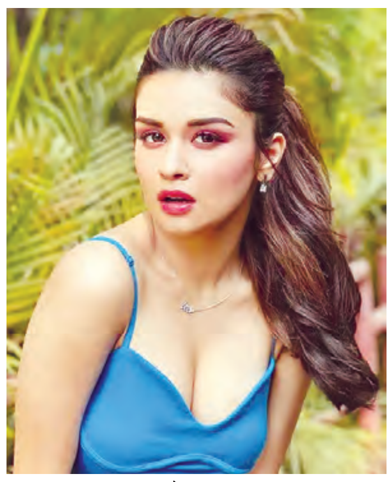

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में उनके लुक्स को लेकर चल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर रिएक्ट किया। उन्होंने साफ किया कि उनके लुक में बदलाव उम्र के साथ नैचुरली हुआ है। गौरतलब है कि अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी कराने के दावे किए जाते हैं। हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में अवनीत ने इन दावों को लेकर कहा कि वह ऐसे कमेंट्स पर ध्यान नहीं देतीं, लेकिन अगर लोग ऐसा सोच रहे हैं तो उन्हें अपने बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे इंसान बड़ा होता है, उसके फीचर्स में बदलाव आना एक नार्मल प्रोसेस है। उन्होंने कहा कि हर कोई उम्र के साथ बदलता है और यह पूरी तरह नेचुरल है। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि उनकी नाक, आंखें और बाकी फीचर्स पहले जैसे ही हैं। उन्होंने अपने ब्यूटी मोल (तिल) का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी वैसा ही है।

अंकिता लोखंडे का एक्स अकाउंट हुआ हैक

अभिनेत्री ने फैंस से की अपील

टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' फेम अभिनत्री अंकिता लोखंडे का एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट हैक हो गया है। उन्होंने बीते दिन देर रात सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को इस बारे में सूचना दी है। उन्होंने बताया कि वे इसे रिकवर करने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही फैंस को सचेत किया है कि फिलहाल वे अगली सूचना तक अकाउंट से होने वाली हर गतिविधि को नजरअंदाज करें। अंकिता लोखंडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फैंस को यह सूचना दी है। उन्होंने लिखा है, 'सभी को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट हैक हो गया है। मैं अभी उसे रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। कृपया ध्यान दें कि अगली सूचना तक इस अकाउंट से होने वाली कोई भी गतिविधि मेरी तरफ से नहीं है। अकाउंट के ठीक होते ही मैं आप सभी को अपडेट कर दूंगी। आपके प्यार और सहयोग के लिए शुक्रिया'।

रेखा की वो को स्टार

जिससे फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई रेप की कोशिश

अर्चना जोगलेकर

भूरी आंखें, सादगी भरा चेहरा और एक अलग ही स्क्रीन प्रेजेंस। 1980 के दशक में एक एक्ट्रेस आई और इसने हिंदी से लेकर मराठी फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा नहीं लेकिन अच्छा काम किया। इसने दूरदर्शन के युवाओं के शो चुनौती (1987) में भी काम किया और जबरदस्त लोकप्रियता भी हासिल की थी।

इसने बॉलीवुड में रेखा के साथ भी काम किया और फिल्म को पसंद किया गया। लेकिन फिर फिल्म की शूटिंग के दौरान इसके साथ गेस्ट हाउस में ऐसा हादसा हुआ कि इसकी पूरी जिंदगी ही बदल गई। इसने एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया और देश से बाहर चली गईं।

हम बात कर रहे हैं अर्चना जोगलेकर की जिन्होंने 1985 में मराठी फिल्म खिचड़ी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। अपनी आंखों और एक्टिंग से वो पहचान बनाने में कामयाब रहीं।

अर्चना जोगलेकर को 1987 में आई फिल्म 'संसार' में रजनी का किरदार निभाया था। इस फिल्म में महिला किरदारों को काफी मजबूत तरीके से दिखाया गया था और अर्चना ने अपने रोल से अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने रेखा के साथ काम किया और शूटिंग के दौरान उनसे साड़ी पहनने का तरीका भी सीखा।

अर्चना ने मराठी फिल्म 'खिचड़ी' के बाद 'अर्धांगिनी' में लीड रोल निभाया। हिंदी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें बिल्लू बादशाह, आग से खेलेंगे, बात है प्यार की और आतंक ही आतंक शामिल हैं। हालांकि इतने काम के बाद भी उन्हें वो स्टारडम नहीं मिला,

लेकिन उनकी एक्टिंग को आज भी याद किया जाता है। वह मुख्य तौर पर सपोर्टिंग रोल में ही नजर आईं।

मृणाल ठाकुर ने निभाया 24 साल बड़े एक्टर की पत्नी का रोल

मृणाल ठाकुर इन दिनों अदिवी शेष के साथ अपनी लेटेस्ट फिल्म डकैत को लेकर सुर्खियों में हैं। वहीं हाल ही में एक्ट्रेस ने 24 साल बड़े एक्टर की पत्नी का रोल निभाने पर बात की। दरअसल, मृणाल ठाकुर ने 57 साल के अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार 2 में काम किया था। वहीं प्रेमा को दिए इंटरव्यू में मृणाल ठाकुर ने बताया कि वह फिल्म की कास्टिंग के बारे में नहीं जानती थीं, जिसने फिल्म के प्रति उनकी सोच पर काफी गहरा असर डाला था।

इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने फिल्म से रोशनी वालिया के साथ सीन कट जाने पर भी बात की। मृणाल ठाकुर ने कहा, मुझे नहीं पता था कि कोई बहुत सीनियर एक्टर मेरे पति का रोल निभाने वाला है। क्योंकि इससे मेरा।।। यह वह नहीं था जिसकी मुझे इस फिल्म से उम्मीद थी। इसलिए वहां मैं नाकाम रही। क्योंकि मेरा थोड़ा-सा भरोसा डगमगा गया था। लेकिन आप जानते हैं, मुझे कोई अफसोस नहीं है। एडिटिंग में सीन कट होने पर मृणाल ठाकुर ने कहा, मुझे नहीं पता था

कि मेरे दो अहम सीन एडिटिंग के दौरान काट दिए जाएंगे। जैसे, रोशनी और मेरे बीच एक बहुत ही प्यारा सीन था। असल में वह मेरी बहन की बेटी है, और फिल्म में मेरी बहन की मौत हो जाती है। यह बस कहानी का एक हिस्सा है और मैं उसकी भलाई के लिए अपनी निजी जिंदगी कुर्बान कर देती हूं।

26 सालों में कोई नहीं कर पाया लारा दत्ता का किला ध्वस्त

मिस यूनिवर्स में बनाया रिकॉर्ड आज भी है कायम

1994 में सुष्मिता सेन वह पहली भारतीय बनी थीं, जिन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद साल 2000 में लारा दत्ता 6 ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम करते हुए देश का नाम दुनियाभर में रोशन किया। लारा उस वक्त 22 साल की थीं, जब उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में जीत हासिल की और उनके सिर पर ये ताज सजा था। इसके बाद उन्होंने 23 साल की उम्र में फिल्मी दुनिया का रुख कर लिया और 2003 में 'अंदाज' से डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में थे। फिल्म में उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। आज, यानी 16 अप्रैल को लारा दत्ता अपना 46वां जन्मदिन मना रही हैं, इस मौके पर आपको उनके उस रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं जो आज भी नहीं टूटा है। लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम करके इतिहास रच दिया था।

लारा दत्ता

ये प्रतियोगिता जीतने वाली लारा दूसरी भारतीय भी बनीं। इस प्रतियोगिता में लारा ने एक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है। मिस यूनिवर्स के फाइनल राउंड में लारा दत्ता ने 9.954 का स्कोर हासिल किया था, जो अब तक का उच्चतम रिकॉर्ड है और आज तक यानी 2026 तक ये रिकॉर्ड कोई अन्य ब्यूटी क्वीन नहीं तोड़ पाई है। यही नहीं, स्विमसूट राउंड में भी उन्होंने सर्वोच्च अंक (9.99) हासिल किए थे। लारा दत्ता का जन्म 16 अप्रैल 1978 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी पढ़ाई बेंगलुरु से की।

हेमा की कजिन है ये एक्ट्रेस

शबनम बन रातोंरात बॉलीवुड में किया दबदबा

हेमा मालिनी बॉलीवुड की सुपरस्टार हैं, जिन्हें फैंस ड्रीम गर्ल के नाम से पुकारते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी कजिन सिस्टर भी बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुकी हैं और 90 के दशक में जाना माना नाम रही हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं फूल और कांटे और दिलजले जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस मधु शाह की, जिन्होंने अजय देवगन के साथ स्क्रीन पर शानदार रोमांस किया गया था, लेकिन अब लाइटलाइट से दूर हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी फिल्मों के रोमांटिक गाने शेयर करती रहती हैं लेकिन उन्हें उतनी पॉपलैरिटी नहीं मिल रही, जो 90 के दशक के बाकी अभिनेत्रियों को मिल रही है।

बेहद कम लोग जानते हैं कि हेमा मालिनी और मधु शाह कजिन हैं। दरअसल, मधु के पिता और प्रोड्यूसर पी रघुनाथन हेमा मालिनी के अंकल हैं। ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में मधु ने कहा था, हेमा जी और मैं कजिन हैं। मेरे लिए उनके लिए बस सम्मान है और मैं उन्हें एक स्टार और आर्टिस्ट के रुप में देखती हूं। मधु शाह 90 के दशक की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार थीं, जिन्होंने अपनी मेहनत के बलबूते पर हिंदी और साउथ सिनेमा में पहचान बनाई थी। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत तमिल फिल्म 'अझगन' से की थी, जिसके बाद जेंटलमैन नाम की फिल्म में दिखीं। अभिनेत्री ने तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषी फिल्मों में काम किया। हालांकि हिंदी फिल्मों में अभिनेत्री को ज्यादा सफलता मिली।

उन्होंने पहली हिंदी फिल्म 'फूल और कांटे' में अजय देवगन के साथ काम किया और रातों-रात अपनी पहचान बना ली। साल 1992 में आई फिल्म 'रोजा' मधु के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। फिल्म मणिरत्नम की थी, जिसमें उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया, जिसके बाद उन्होंने एलान, पहचान, हम हैं बेमिसाल, जालिम और दिलजले जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन ने शाका और अभिनेत्री ने शबनम का रोल प्ले किया। दोनों की केमिस्ट्री ने पर्दे पर आग लगा दी थी। हालांकि अच्छे किरदार की तलाश में अभिनेत्री ने सिलेक्टिव फिल्में करने का फैसला लिया और धीरे-धीरे सिनेमा से दूरी बना ली।

एक्ट्रेस मधु शाह

कार्तिक आर्यन के खटखटाया न्याय का दरवाजा, कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

छोटा हो या कोई बड़ा हर कोई परेशानी के समय कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है। बॉलीवुड की बड़ी-बड़ी हस्तियों ने भी एक समय पर न्याय का दरवाजा खटखटाया था। सलमान, अमिताभ के बाद अब कार्तिक आर्यन ने भी उनके नाम को लेकर जो गलत इस्तेमाल हुआ है, उसके लिए आवाज उठाई है। कार्तिक आर्यन की परेशानी को देखते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिए हैं कि जहां कहीं भी वेबसाइट या ऑनलाइन मीडिया पर उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया हो, वहां से वो तुरंत हटाई जाएं।

कार्तिक आर्यन के वकील ने कोर्ट में ब्यान दिया कि उनकी फोटोज का गलत जगह इस्तेमाल हो रहा था, जिस वजह से उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। सिर्फ इतना ही नहीं वकील ने यह भी बताया की कार्तिक आर्यन के नाम का इस्तेमाल करते हुए कुछ सामान भी बेचा जा रहा था और वो सामग्री आपत्तिजनक थी। उनके वकील का कहना है कि एआई के इस्तेमाल की वजह से कार्तिक आर्यन का नाम भी खराब हो रहा था, जो उनके करियर के लिए बिलकुल भी ठीक नहीं है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख ने यह फैसला किया है कि वो कार्तिक आर्यन के हक़ में ही फैसला लेंगी।

कार्तिक आर्यन

आदेश सुनाते हुए उन्होंने भारतीय और इंटरनेशनल के साथ-साथ कई ऑनलाइन सोशल मीडिया का भी नाम लिया है। ये लोग भी बिना किसी इजाजत के कार्तिक आर्यन का नाम व तस्वीर इस्तेमाल कर रहे थे।

भारत महिलाओं के लिए सबसे सेफ है

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर क्या बोलीं रवीना टंडन?

संसद के विषेश सत्र की शुरुआत के साथ ही देशभर की महिलाओं के लिए ये बेहत खास पल हैं। 16 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहे इस तीन दिवसीय स्पेशल सेशन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन को लेकर विधेयक पेश किया जाना है। पक्ष और विपक्ष समेत देशभर के लोगों की नजरें इस विशेष सत्र पर होंगी। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन भी गदगद हैं और इसे महिलाओं के हित में मान रही हैं और सरकार के समर्थन में हैं।

अक्सर समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर मुखर रहने वाली रवीना टंडन को ये विशेष सत्र एक उम्मीद की किरण की तरह नजर आ रहा है। एक्ट्रेस ने हाल ही में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया और बताया कि किस तरह से ये देश की महिलाओं के हित में है और उनके अधिकारों की सुरक्षा को और मजबूत बनाता है। एक्ट्रेस ने देश की महिलाओं की सेफ्टी पर बातें की और बताया कि ये समय महिलाओं के विकास के लिए

कितना अहम है। एक्ट्रेस रवीना टंडन ने इस मौके पर बातचीत के दौरान कहा- 'एक भारतीय नारी होने पर मुझे गर्व है। भारत महिलाओं के लिए एक सुरक्षित देश है। भारत दुनियाभर में सबसे सेफ देश में से एक है। ऐसा हमारे देश की सरकार और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से है। नारीशक्ति मेरे लिए क्या है। भारत की बेटी होना अपने आप में शक्ति है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस शक्ति को प्रस्तुत किया जो हम महिलाओं के पास सदन में है। अब सरकार ये नहीं सुनती है कि नियम क्या है अब सरकार दिखाती है कि नियम के मायने क्या हैं। अब वो समय आ गया है।'

रवीना ने आगे कहा- 'जब मैं स्कूल और कॉलेज में थी उस दौरान किरण बेदी (पहली महिला आईपीएस अफसर) मेरी अच्छी दोस्त हुआ करती थीं। अब तो हमारे राज में बुल्डोजर चल जाता है। कड़े से कड़े कदम उठाए जाते हैं। नारी से नारायणी। अब वो रूप दिखाना है।' रवीना टंडन ने सरकारी योजनाओं की तारीफ की और देश की महिलाओं को सुरक्षित बताया।

'राम' बनते ही रणबीर कपूर ने रचा इतिहास

'टाइम मैगजीन' की 100 प्रभावशाली हस्तियों में बनाई जगह

रणबीर कपूर ने अपने अभी तक के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है।हर फिल्म में उन्होंने अपनी एक्टिंग स्किल को और बेहतर बनाने की कोशिश की है। वैसे तो करियर की शुरुआत रणबीर कपूर ने रोमांटिक फिल्म से की थी। लेकिन, अब वो अलग-अलग तरह की फिल्में में अलग-अलग किरदार निभाते हुए नजर आते हैं। इसी वजह से उनकी गिनती मोस्ट डिमांडिग एक्टर्स में होने लगी है।रणबीर कपूर 2026 में रामायण जैसी बिग बटज की फिल्म में काम की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

इसी बीच उन्होंने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है।रणबीर कपूर को टाइम मैगजीन में दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल किया गया है।सबसे बड़ी बात तो ये है कि अपनी शानदार एक्टिंग से बॉक्स ऑफिस को हिलाने वाले रणबीर कपूर इस साल इस लिस्ट में जगह बनाने वाले इकलौते इंडियन एक्टर हैं।

आधी कीमत में महिलाओं के नाम होगी प्रॉपर्टी, यूसीसी पर ड्राफ्ट

साय कैबिनेट का वो फैसला जो बदल देगा प्रदेश की तस्वीर

रायपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने एक ही झटके में प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक दिशा बदलने वाले दो बड़े फैसलों पर मुहर लगा दी है। बुधवार को रायपुर में हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने यूसीसी यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए हाई-लेवल कमेटी के गठन और महिलाओं के लिए प्रॉपर्टी रजिस्ट्री शुल्क में 50% कटौती का ऐलान किया। इसका उद्देश्य राज्य में कानूनों में एकरूपता लाना और महिलाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाने में मदद करना है, जिसे ड्राफ्ट तैयार कर विधानसभा में पेश किया जाएगा।

यूसीसी के लिए रंजना देसाई फॉर्मूला

छत्तीसगढ़ सरकार ने वही रास्ता चुना है जो उत्तराखंड ने अपनाया था। रिटायर्ड जस्टिस रंजना

प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में बनने वाली कमेटी नागरिकों, कानूनी विशेषज्ञों और संस्थाओं से सीधा संवाद करेगी। एक समर्पित वेब पोर्टल के जरिए जनता की राय ली जाएगी। इसका मकसद शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों को खत्म कर एक समान कानून लाना है।

कैबिनेट ने महिलाओं के लिए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50% की छूट को मंजूरी दी है। हालांकि, इससे सरकारी खजाने पर 153 करोड़ रुपये का सालाना बोझ पड़ेगा, लेकिन सरकार इसे खर्च नहीं बल्कि निवेश मान रही है। प्रशासन का तर्क है कि इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के नाम पर संपत्ति का स्वामित्व बढ़ेगा, जो लंबे समय में सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

यूसीसी का मुद्दा सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि गहरा राजनीतिक महत्व रखता है। रंजना प्रकाश देसाई वही जस्टिस हैं जिन्होंने उत्तराखंड के यूसीसी ड्राफ्ट में मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्हें छत्तीसगढ़ की कमान सौंपना यह साफ करता है कि सरकार बिना किसी देरी के एक सटीक और कानूनी रूप से मजबूत मॉडल चाहती है। वहीं, रजिस्ट्री में छूट देना एक चतुर आर्थिक दांव है, जो मध्यम वर्ग की महिलाओं को सीधे तौर पर सरकार से जोड़ता है। यह कदम विपक्षी दलों के लिए महिला कार्ड और सांप्रदायिक कार्ड दोनों को एक साथ फेल करने की रणनीति जैसा है।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए हाई-लेवल कमेटी गठित।

जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में जनता और विशेषज्ञों से ली जाएगी राय।

महिलाओं के लिए प्रॉपर्टी रजिस्ट्री फीस अब आधी होगी, जिससे मालिकाना हक बढ़ेगा।

राजस्व में 153 करोड़ की कमी के बावजूद इसे सामाजिक निवेश बताया गया।

कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी के बाद विधानसभा में विधेयक के रूप में लाया जाएगा।

रामगढ़-चाईबासा में हुई बारिश, ओले भी गिरे

रांची समेत 6 जिलों में 17 और 18 अप्रैल को चलेगी लू सबसे गर्म रहा सरायकेला

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में तापमान तेजी से चढ़ रहा है। कई जिलों में पारा 40 डिग्री के आसपास है। पिछले 24 घंटे में सरायकेला 40.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं, रांची में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री पर पहुंच गया।

इसी बीच गुरुवार दोपहर बाद रामगढ़, गिरिडीह और चाईबासा में बारिश हुई और लोगों तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली। रामगढ़ में ओले भी गिरे। वहीं, राजधानी रांची में भी बादल छाए रहे।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिन में पारे में 3-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के आसार हैं। 17-19 अप्रैल के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से (3-4) डिग्री सेल्सियस ऊपर रह सकता है।

बिहार मंत्रिमंडल विस्तार में देरी के पीछे क्या है असली पेच?

अपनों को मनाने और जातीय समीकरण बिठाने की कवायद तेज

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की सियासी जमीन प्रश्नों के लिए काफी उर्वर है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अभी शपथ ही ले रहे थे तो सवाल खड़े होने लगे कि साथी दल लोजपा आर, हम और रालोमो के विधायक मंत्री पद का कब शपथ लेंगे?

अब इस सवाल के साथ एक नया सवाल टैग हो गया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के आयोजित होने में इतने समय का गैप क्यों? जाहिर है कुछ कारण तो होंगे तो चलिए करते हैं कारणों की पड़ताल।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ समारोह के समय किसी कुर्मी मंत्री का शपथ नहीं होने से श्रवण कुमार नाराज हो गए। सूत्र बताते हैं को निशांत कुमार ने शपथ नहीं लिया तो यह उप मुख्यमंत्री का पद कुर्मी जाति के

विधायक को मिलनी चाहिए थी। यह कैसे हुआ और क्यों हुआ। इनकी नाराजगी दूर करने का समय चाहिए।

मंत्रिमंडल गठन की जो औपचारिकता शेष रह गई है वहां विजय कुमार सिन्हा को मनोनुकूल कुछ नहीं दिख रहा है। उप मुख्यमंत्री के बाद किसी भी विभाग का मंत्री पद उप मुख्यमंत्री पद की भरपाई नहीं कर सकता। और इस वजह से भाजपा के कोर वोटर भूमिहार भी नाराज हैं। अब इनको खुश करने के लिए दो तीन बड़े विभाग विजय कुमार सिन्हा को मिले या फिर भूमिहार जाति से एक से ज्यादा यानी दो या तीन मंत्री पद दे कर मनाने की पहल हो। बिहार के कई कद्दावर नेता पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार में लगे हैं। ऐसे में उन नेताओं पर कोई दबाव कायम करना नहीं है। इसलिए पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। 4 मई को परिणाम भी आ जाएंगे। संभव है 29 अप्रैल को या फिर 4 मई को मंत्रियों को शपथ दिलाया जाएगा। चुनाव आयोग के सूत्र के अनुसार राज्य में होने वाले 9 एमएलसी प्लस तथा एमएलसी के 2 उप चुनाव को ले कर अधिसूचना जारी करने का मन बना लिया है।मिली सूचना के अनुसार 20 से 22 तक अधिसूचना जारी होगी। यहां भी सेटिंग गेटिंग करना होगा। जातीय समीकरण के तहत गोटियां बिछाई जाएंगी। साथ ही किस साथी दल को कितनी सीट देनी है, यह सब भी एडजस्टमेंट करना है।

भीषण गर्मी के कारण स्कूलों में छुट्टियां

20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश

राजनांदगांव में 43 डिग्री पारा, हीट वेव का अलर्ट

रायपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों की छुट्टियां पहले करने का फैसला लिया है। पहले ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से शुरू होना था, लेकिन अब इसे 20 अप्रैल से ही लागू कर दिया गया है।

इस फैसले के अनुसार प्रदेश के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में 20 अप्रैल 2026 से 15 जून 2026 तक छुट्टियां रहेंगी। मौसम विभाग ने 16 से 19 अप्रैल के बीच बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग में लू (हीट वेव) का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में तापमान 1 से 2 डिग्री बढ़ा है और अगले 3 दिनों में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 43°सी तक पहुंच चुका है। प्रदेश में फिलहाल मौसम पूरी तरह ड्राई बना हुआ है। बीते 24 घंटों में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43°सी राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 19°सी अंबिकापुर में दर्ज हुआ। आने वाले 2 दिनों में भी मौसम शुष्क रहेगा और कुछ जगहों पर हीट वेव की स्थिति बनी रह सकती है।

हेमंत सोरेन ने बंगाल में ममता दीदी को जिताने के लिए कमर कसी

शनिवार से मैदान में उतरेंगे

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को विधानसभा का चुनावी रण जिताने के लिए अपनी ताकत झोंकने के लिए कमर कस ली है। वे दो दिन बाद 18 अप्रैल को बंगाल के चुनाव मैदान में उतर जाएंगे और तीन दिन, यानी 20 अप्रैल तक धुंआधार प्रचार करेंगे। हेमंत सोरेन ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को राज्य की आदिवासी बहुल सीटें जिताने में मदद करेंगे।

झारखंड के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता हेमंत सोरेन शनिवार,18 अप्रैल से सोमवार,20 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। वे वहां ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी टीएमसी के समर्थन में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। जेएमएम की ओर से हेमंत सोरेन के दौरे की पुष्टि की गई है। पार्टी ने कहा है कि हेमंत सोरेन

अपने तीन दिन के दौरे में कई महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेंगे।

हेमंत सोरेन की नजर बंगाल के आदिवासी बहुल इलाकों पर है। वे खास तौर पर उन क्षेत्रों में अपनी चुनावी सभाएं करेंगे जहां आदिवासी जनसंख्या अधिक है। बंगाल के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जेएमएम का अच्छा प्रभाव है। सोरेन इस प्रभाव का इस्तेमाल करके टीएमसी को वोटों का फायदा दिलाने की कोशिश करेंगे। उनके साथ जेएमएम के कुछ अन्य नेता भी टीएमसी का प्रचार करेंगे।

बीजेपी को रोकने के लिए टीएमसी की मदद

बताया जाता है कि कल्पना सोरेन भी पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करने के लिए जा सकती हैं। हालांकि उनके कार्यक्रम की अब तक पुष्टि नहीं हुई है। जेएमएम की बंगाल में जनाधार है लेकिन वह वहां विधानसभा चुनाव नहीं लड़ रहा है। जेएमएम की ओर से पहले ही यह साफ कर दिया गया था कि वह बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को समर्थन देगा। जेएमएम टीएमसी की मदद करके बीजेपी को बंगाल में पैर फैलाने से रोकने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा। राज्य में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं। पहले चरण में इनमें से 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में कुल 2926 उम्मीदवार मैदान में हैं। हेमंत सोरेन पहले चरण के मतदान से पहले प्रचार करेंगे। वे क्या दूसरे चरण में शामिल सीटों पर भी प्रचार करेंगे, जेएमएम ने फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

जंगल में लगी आग, हाई वोल्टेज तार तक पहुंची लपटें

वन संपदा को नुकसान की आशंका विभाग ने बुझाने का अभियान छेड़ा

चतरा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा जिले के प्रतापपुर वन क्षेत्र में गुरुवार को भीषण आग लग गई है। भरही-केवलिया मुख्य मार्ग पर स्थित घने जंगलों और झाड़ियों में लगी इस आग से आसमान में धुएं का काला गुब्बार छा गया। आग के कारण वन संपदा, पक्षियों और जंगली जानवरों को भारी नुकसान पहुंचा है। पास से गुजर रही हाई-वोल्टेज बिजली की तारें भी खतरे में हैं। प्रतापपुर वन क्षेत्र का भरही-केवलिया मार्ग इस समय धधकती भट्टी में बदल गया है। झाड़ियों से शुरू हुई आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसकी भीषण लपटों और धुएं से आसपास के ग्रामीण दहशत में हैं। तेज हवा के

कारण आग तेजी से जंगल के बड़े हिस्से में फैल रही है। आग की लपटें पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली की तारों को छू रही हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि गर्मी और आग के कारण तार जलकर गिर सकते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। इस आग में बहुमूल्य औषधीय वनस्पतियां और कई छोटे जीव-जंतु भी जलकर नष्ट होने की भी आशंका है।

कारोबारी ने पत्नी-बच्चों संग पिया जहर

सुसाइड नोट में लिखा- व्यापारियों ने 5 करोड़ लिए, वापस नहीं दे रहे, मारने की धमकी दी

कबीरधाम, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में उधार में दिए 5 करोड़ वापस नहीं मिलने पर कारोबारी ने अपने पूरे परिवार के साथ जहर पी लिया। सुसाइड की कोशिश के बाद चारों की हालत गंभीर बनी हुई है, उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार रात की है।

व्यापारी ने 3 पन्नों का सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें 4 से 5 करोड़ के लेनदेन का जिक्र है। देनदारों ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया था। जान से मारने की धमकी भी दी। जिसके चलते वो मानसिक रूप परेशान थे। इसलिए व्यापारी ने आत्मघाती कदम उठा लिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, योगेश जैन (42) की लोहारा रोड स्थित भागो टोला के पास बिल्डिंग मटेरियल की दुकान है। 14 अप्रैल की रात ढाई बजे योगेश ने अपने बड़े भाई लक्ष्मीचंद को फोन कर जानकारी दी कि पत्नी सुमन जैन (37), बेटे प्रिंस (17) और बेटी तारिका (16) को उसने जहर (कीटनाशक) दे दिया, फिर खुद भी पी लिया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और सभी को तुरंत निजी अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस को घटना स्थल से 3 पन्नों का सुसाइड नोट मिला है। इसमें 4 से 5 करोड़ रुपए के लेनदेन की बात लिखी गई है। नोट में एक व्यक्ति पर 5 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बकाया होने की बात कही गई है। सुसाइड नोट के अनुसार, योगेश जैन ने साल 2020 से 2025 के बीच 'चार ट्रेडर्स' के नाम पर करीब 3 करोड़ 20 लाख रुपए दिए थे, लेकिन यह रकम उन्हें वापस नहीं मिली। रकम मांगने पर संबंधित व्यक्ति लगातार टालमटोल करता रहा। योगेश के भाई लक्ष्मीचंद जैन ने बताया कि, सुसाइड नोट में ग्राम रेंगाखुर्द निवासी व्यापारी समसुद्दीन का नाम लिखा है, जिससे करोड़ों रुपए लेना बाकी था और जो पैसे लौटाने से इनकार कर रहा था।

समसुद्दीन कहने लगा कि, वापस नहीं करूंगा, जो करना है कर लेना। ज्यादा दबाओ डालेगा तो गाड़ी से उड़ाने की भी धमकी दी गई। इससे परेशान होकर मेरे भाई ने यह गंभीर कदम पूरे परिवार के साथ उठाया है।

फिलहाल परिवार के सभी सदस्य अचेत अवस्था में हैं, जिसके कारण पुलिस अब तक किसी का बयान दर्ज नहीं कर पाई है। ऐसे में जांच में कई अहम पहलुओं की पुष्टि होना बाकी है। पुलिस का मानना है कि जब तक चारों में से किसी एक का भी बयान नहीं हो पाता, तब तक मामले की सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल होगा।

सारंडा में मुठभेड़, फोर्स ने 10 किमी क्षेत्र घेरा

नक्सलियों से मुठभेड़ में इंस्पेक्टर समेत 6 जवान जख्मी, एक करोड़ का इनामी नक्सली घिरा

चाईबासा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सारंडा के चड़राडेरा जंगल में सुबह करीब 8 बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में कोबरा बटालियन-205 के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश और 5 जवान घायल हो गए। घायलों में इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश, जवान जितेंद्र राय, उत्तम कुमार सेनापति, शैलेश कुमार दुबे, प्रेम शामिल और अभिनय कुमार हैं।

कोबरा जवान अभिनय कुमार गुरुवार को जंगल में हुए आईईडी ब्लास्ट में जख्मी हो गए। उन्हें एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया।

वहीं, बुधवार को इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए हैं। वहीं, शैलेश कुमार दुबे को गर्दन, उत्तम कुमार सेनापति को हाथ और जितेंद्र राय को पैर में गोली लगी है। प्रेम को पैर में भी चोट आई है। जितेंद्र को छोड़कर अन्य घायलों को एयरलिफ्ट कर रांची इलाज के लिए भेजा गया।

सूत्रों के अनुसार, फोर्स ने करीब 10 किमी के दायरे में नक्सलियों की घेराबंदी कर रखी है। इस ऑपरेशन में एक करोड़ के इनामी नक्सली और पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा के फंसे होने की सूचना है। मिसिर बेसरा को झारखंड-ओडिशा क्षेत्र में सक्रिय बड़े नक्सली नेताओं में गिना जाता है।

चाईबासा के एसपी अमित रेनु ने बताया कि मिसिर बेसरा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हो रही है। देर रात तक दोनों ओर से रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों को भी गोली लगने की सूचना मिली है। हालांकि, ऑपरेशन समाप्त होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है।

तीन ट्रकों में टक्कर से गाड़ियों में लगी आग

एक ट्रक के ड्राइवर और खलासी की जलने से मौत, घटनास्थल पर मची अफरातफरी

गिरिडीह, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह में गुरुवार की सुबह तीन ट्रकों की टक्कर होने से उनमें आग लग गई। इस हादसे में एक ट्रक के ड्राइवर और खलासी गाड़ी में दब गए और वो बाहर नहीं निकल सके। कुछ देर बाद उनकी जलने से मौत हो गई।

घटना डुमरी कुलगो टोल प्लाजा के पास हुआ। हादसे में दो ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि एक ट्रक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है।

दरअसल, टोल प्लाजा के पास सड़क किनारे कई ट्रक खड़े थे और उनके चालक-उपचालक उसमें आराम कर रहे थे। इसी दौरान बगोदर की ओर से डुमरी की दिशा में आ रहा एक तेज रफ्तार गुड़ लदा ट्रक अनियंत्रित हो गया और उसने मक्का लदे खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

मक्का लदा ट्रक आगे खड़े कोयला लदे ट्रक से जा टकराया, जिससे तीनों वाहन आपस में भिड़ गए। टक्कर के तुरंत बाद तीनों ट्रकों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लपटें आसमान तक उठने लगीं।

आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि किसी को भी पास जाने का मौका नहीं मिल पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुड़ लदे ट्रक में फंसे चालक और उपचालक बाहर निकल नहीं सके और आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को सूचित किया गया।

नीतीश कुमार की शॉर्ट फिल्म देख भावुक हुए अशोक चौधरी

आंख में आ गए आंसू, निशांत ने संभाला

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार के दो दशकों के सियासी सफर को अब डिजिटल पर्दे पर उतार दिया गया है।

गुरुवार को पटना स्थित जदयू मुख्यालय में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने अपने पिता के जीवन पर आधारित शॉर्ट फिल्म 'मेरा नेता, मेरा अभिमान' और एक विशेष गीत को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया।

इस दौरान शॉर्ट फिल्म देखकर राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के 'मानसपुत्र' अशोक चौधरी भावुक हो गए। उनकी आंखें में आंसू भर आए। इस दौरान पास में बैठे निशांत कुमार ने हाथ पकड़कर अशोक चौधरी को संभाला।

इस मौके पर नीतीश कुमार के करीबी और पूर्व मंत्री अशोक चौधरी काफी भावुक नजर आए।

निशांत कुमार के बगल में बैठे अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला समर्थकों के लिए काफी भावुक कर देने वाला पल था। उन्होंने कहा, 'हम सभी चाहते थे कि नीतीश जी अभी पांच साल और बिहार की कमान संभालें, लेकिन हमारे नेता का फैसला हमारे लिए आज्ञा के समान है। उनके विकास कार्यों को सम्मान देने के लिए ही हमने यह विशेष गीत तैयार किया है।'

शॉर्ट फिल्म में नीतीश कुमार के 1970 के दशक के छात्र जीवन से लेकर जेपी आंदोलन के संघर्षों को बारीकी से दिखाया गया है।

फिल्म में नीतीश कुमार के 1985 से 2004 तक के सफर को भी दिखाया गया है। जब नीतीश 2 बार विधायक बने और 6 बार सांसद रहते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के साथ केंद्र में काम किया।

बता दें, नीतीश कुमार देश के उन गिने-चुने नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें लोकतंत्र के हर सदन विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और अब राज्यसभा में काम किया है।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद अब नीतीश कुमार राज्यसभा के जरिए केंद्र की राजनीति में नई भूमिका निभाने जा रहे हैं।

शॉर्ट फिल्म में इस बदलाव को अंत नहीं, बल्कि एक 'अल्पविराम' और एक 'नए अध्याय' की शुरुआत बताया गया है।

नीतीश का सरेंडर, लालू यादव की 'नींद' और बिहार की सियासत का सन्नाटा

राजनीति में एक दौर का अंत

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। 'बिहार की राजनीति में एक दौर का अंत। नीतीश कुमार के सत्ता से अलग होने को महज़ एक राजनीतिक घटना नहीं कहा जा सकता। यह दरअसल बिहार की राजनीति के एक पूरे दौर के अंत का संकेत है।

लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार—दोनों ही चौहत्तर आंदोलन की उपज हैं, और करीब छत्तीस—सैंतीस वर्षों तक इन दोनों ने मिलकर बिहार की राजनीति की दिशा तय की।' उपरोक्त लाइनें वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी ने लिखी हैं। सोशल मीडिया हैंडल पर उन्होंने नीतीश कुमार और लालू यादव के राजनीतिक सफर को उकेरा है। उन्होंने बताया है कि कैसे दोनों नेताओं की सियासत का ह्रास होते गया। उन्होंने आगे लिखा- इसमें कोई शक नहीं कि एक समय लालू यादव, नीतीश कुमार से कहीं ज़्यादा ताकतवर नेता थे। इतिहास ने उन्हें दो बड़े मौके

दिए। पहला—मंडल कमीशन के समर्थन में खड़े होकर 'सामाजिक न्याय' की लड़ाई को आगे बढ़ाने का मौका। दूसरा—उसी दौर में, जब लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में राम रथ यात्रा निकली और देश में सांप्रदायिक राजनीति ने जोर पकड़ा।

शिवानंद तिवारी ने आगे बताया है कि कैसे लालू यादव की अचानक पूरे देश भर में पहचान बनी। लेकिन उन्होंने ये भी जिक्र किया है कि कई जगहों और मौकों पर लालू यादव ज्यादा नाटकीय हो गए। उन्होंने आगे लिखा- इसी क्रम में लालू यादव ने लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा को रोककर उन्हें गिरफ़्तार किया।

इस घटना से उनकी देशभर में बड़ी पहचान बनी और वे सांप्रदायिकता के खिलाफ एक मजबूत नेता के रूप में स्थापित हुए। लेकिन अगर गहराई से देखें तो सांप्रदायिकता और सामाजिक न्याय—दोनों ही सवालों पर उनके भीतर एक प्रकार की नाटकीयता भी दिखाई देती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया है। वो कहते हैं- उदाहरण के तौर पर 1992 का प्रसंग याद कीजिए। जब बाबरी मस्जिद को गिराने की घोषणा हुई, तब लालू यादव ने बिहार विधानसभा से एक जुलूस निकाला, जो डॉ. लोहिया की प्रतिमा तक गया। वहां उन्होंने घोषणा की कि अगर बाबरी मस्जिद को तोड़ने की कोशिश हुई, तो बिहार से करोड़ों लोग अयोध्या जाएंगे और मस्जिद को घेरकर उसकी रक्षा करेंगे।

शिवानंद तिवारी की नजर में लालू यादव की ये घोषणा काफी महत्वपूर्ण थी। लेकिन, वो कहते हैं कि जिस दिन बाबरी मस्जिद पर हमला हुआ, जब लोग गुंबद पर चढ़कर उसे तोड़ रहे थे, उस समय लालू यादव अपने कमरे में खाना खा रहे थे। यह दृश्य टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा था। बाद में वे सो गए। हमें याद है कि सरयू राय ने मुझे फोन पर बताया कि मस्जिद का एक गुंबद तोड़ दिया गया है और दूसरे को तोड़ने की कोशिश चल रही है।

टैरिफ के साइड इफेक्ट! अमेरिका को पछाड़ चीन बना भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

नई दिल्ली,16 अप्रैल(एजेंसियां)। अमेरिका को पछाड़कर चीन भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बन गया है। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 151 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड 140.2 अरब डॉलर रहा। हालांकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 112 अरब डॉलर पहुंच गया।

भारत से चीन को निर्यात 36 फीसदी बढ़कर 19.5 अरब डॉलर पहुंच गया जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 131.6 अरब डॉलर रहा। इसके साथ ही चीन भारत का तीसरा बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन और सबसे बड़ा इम्पोर्ट सोर्स बन गया। दूसरी ओर अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस कम हो गया। भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट 0.9 फीसदी तेजी के साथ 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। हालांकि अमेरिका अब भी भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बना हुआ है। पश्चिम एशिया में युद्ध और अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का गुड्स एक्सपोर्ट 2025-26 में 441.8 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जो पिछले साल से मुकाबले 1 फीसदी अधिक है।

देश का व्यापार घाटा

हालांकि इस दौरान देश के आयात भी 7.5 फीसदी उछलकर 775 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह देश का व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में 333 अरब डॉलर रहा। मार्च में एक्सपोर्ट 7.6 फीसदी गिरकर 38.9 अरब डॉलर रहा। साथ ही ट्रेड डेफिसिट भी 20.7 अरब डॉलर रह गया जो नौ महीने में सबसे कम है। हालांकि इस दौरान आयात भी 6.4 फीसदी घटकर 59.6 अरब डॉलर रह गया। सर्विसेज को भी मिला लिया जाए तो पिछले फाइनेंशियल ईयर में एक्सपोर्ट 4 फीसदी बढ़कर र860.1 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 6.4 फीसदी उछलकर 920 अरब डॉलर रहा।

अमेरिका को पछाड़कर चीन बना भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 151 अरब डॉलर पहुंच गया

2025-26 में भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड 140.2 अरब डॉलर रहा

चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 112 अरब डॉलर पहुंच गया

इस बीच मार्च में पश्चिम एशिया क्षेत्र को एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट में 50 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने कहा कि मार्च में पश्चिम एशिया को एक्सपोर्ट 57.9 फीसदी गिरावट आई जबकि आयात 51.6 फीसदी गिर गया। भारत ने वहां हर महीने 6 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट किया लेकिन मार्च में यह आंकड़ा गिरकर 2.5 अरब डॉलर रह गया। यानी पिछले महीने एक्सपोर्ट में 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई।

किन चीजों का निर्यात घटा

मार्च में भारत से पश्चिम एशिया को जेम्स एंड जूलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और चावल के शिपमेंट में गिरावट आई। अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच लड़ाई 28 फरवरी को शुरू हुई थी। इसके कारण होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवाजाही प्रभावित हुई है। भारत अपना अधिकांश तेल और गैस पश्चिम एशिया के देशों से ही मंगाता है।

एशिया में मुकेश अंबानी की बादशाहत को खतरा

गौतम अडानी पहुंच चुके हैं बेहद करीब

नई दिल्ली,16 अप्रैल(एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कुर्सी को खतरा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में इस साल 17 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब यह 90.8 अरब डॉलर रह गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें और एशिया में पहले नंबर पर हैं। लेकिन गौतम अडानी अब उनके काफी करीब पहुंच चुके हैं।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में इस साल 4.54 अरब डॉलर की तेजी आई है। अडानी 89 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी से एक पायदान नीचे 21वें और एशिया में दूसरे नंबर पर हैं।

अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल 1.8 अरब डॉलर का अंतर रह गया है। बुधवार को अंबानी की नेटवर्थ में 1.90 अरब डॉलर की तेजी आई जबकि अडानी की नेटवर्थ 1.31 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई।

कौन-कौन है टॉप 10 में

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 658 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। गूगल के फाउंडर लैरी पेज 287 अरब डॉलर के साथ दूसरे और ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 268 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

सर्गेई ब्रिन 267 अरब डॉलर के साथ चौथे और फेसबुक के मार्क जकरबर्ग 238 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 17 अरब डॉलर की गिरावट आई है रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर रह गई है वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें और एशिया में पहले नंबर पर हैं गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल 4.54 अरब डॉलर की तेजी आई है

ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन 221 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। माइकल डेल की नेटवर्थ 165 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में सातवें नंबर पर है। एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग 165 अरब डॉलर के साथ आठवें, फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट 165 अरब डॉलर के साथ नौवें और जिम वॉल्टन 150 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर हैं।

चांदी आज 2 हजार बढ़कर 2.51 लाख पर पहुंची

इस साल कीमत 21 हजार बढ़ी, सोना 241 महंगा होकर 1.53 लाख/10gm हुआ

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 16 अप्रैल को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 2,273 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को इसकी कीमत 2.49 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 241 रुपए बढ़कर 153,106 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 15 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,865 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। बीते दो दिन में सोना 3,095 और चांदी 14,311 रुपए महंगी हुई है।

सोना-चांदी में ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद बढ़ने से आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, महंगाई का डर कम हुआ और डॉलर कमजोर पड़ा, जिससे निवेशक सोने-चांदी की तरफ लौटे हैं।

सोना इस साल 20 हजार और चांदी 21 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20,110 रुपए और चांदी 22,255 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

युद्ध लंबा चला तो भी चीन को नहीं पड़ेगा कोई फर्क

कई साल की तैयारी का अब मिल रहा फायदा

नई दिल्ली,16 अप्रैल(एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान को झुकाने के लिए नई चाल चली है। उसने होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी शुरू कर दी है। इसका असली मकसद चीन की क्रूड सप्लाई को रोकना है। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी की स्थिति से निपटने के लिए आज चीन एशिया में सबसे बेहतर स्थिति में है। इसकी वजह यह है कि चीन ने कई साल पहले इसकी तैयारी शुरू कर दी थी और अब उसे इसका फायदा मिल रहा है। आज उसके पास दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्ट्रैटजिक रिजर्व है। ईरान युद्ध से पहले चीन की क्रूड सप्लाई में सऊदी अरब की 14 फीसदी, ईरान की 11 फीसदी और मिडिल ईस्ट के बाकी देशों से 29 फीसदी कच्चा तेल मंगाता था। चीन के ऑयल इम्पोर्ट में रूस की 20 फीसदी थी जबकि 29 फीसदी बाकी दुनिया से आता था। युद्ध के बावजूद चीन ईरान से लगातार तेल खरीद रहा था। ईरान रोज 2 मिलियन बैरल कच्चा तेल एक्सपोर्ट कर रहा था जिसका 90 फीसदी हिस्सा चीन को जा रहा था। सऊदी अरब और यूएई होर्मुज स्ट्रेट के इतर दूसरे रूट्स से कच्चा तेल भेज रहे हैं। इसके बावजूद चीन के कुल आयात में कम से कम 20 फीसदी गिरावट आई है। लेकिन इसके बावजूद एशिया में चीन सबसे बेहतर स्थिति में है। इसकी वजह है कि चीन ने पिछले दशक में दुनिया का सबसे बड़ा स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाया है। हालांकि उसका प्रोग्राम 2004 में ही शुरू हो गया था। चीन के पास 1.13 अरब बैरल तेल का भंडार है। अगर ईरान युद्ध दो महीने भी खिंचता है तो चीन के एमरजेंसी रिजर्व में केवल 10 फीसदी की कमी आएगी। चीन का स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी देशों के बराबर है। पिछले साल ईरान ने जो तेल एक्सपोर्ट किया उसका 80 फीसदी चीन ने खरीदा। चीन के अलावा अमेरिका, जापान, यूके और ईयू देशों के पास भी कच्चे तेल का बड़ा रणनीतिक भंडार है। राज्य सभा में 23 मार्च, 2026 को दी गई जानकारी में सरकार ने बताया कि इंडियन स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के पास करीब 3.372 मिलियन टन कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है जो कुल स्टोरेज कैपेसिटी का करीब 64% है। भारत की कुल स्ट्रैटजिक स्टोरेज कैपेसिटी 5.33 मिलियन टन है। भारत का स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व प्रोग्राम पहली बार 7 जनवरी, 2004 को अप्रूव किया गया था और इसे लागू करने के लिए 16 जून, 2004 को आईएसपीआरएल का गठन किया गया था।

200 की ओर बढ़ा सरसों तेल दाल भी महंगी होने से घरों का बिगड़ा बजट

रायबरेली,16 अप्रैल(एजेंसियां)। महंगाई का असर अब रायबरेली के रसोई बजट पर साफ दिखने लगा है। बीते कुछ हफ्तों में खाद्य तेलों और दालों की कीमतों में लगातार उछाल से आम लोगों की थाली महंगी हो गई है।

स्थानीय बाजारों में सरसों तेल के दाम 145-150 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 170-175 रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं रिफाइंड तेल भी 150 रुपये से बढ़कर करीब 160 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। थोक बाजार में 15 लीटर सरसों तेल का टिन 2400 रुपये से बढ़कर 2600 रुपये तक पहुंच गया है। दालों के दाम में भी तेजी दर्ज की गई है। अरहर दाल 110 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 120-130 रुपये तक बिक रही है। उड़द दाल 130 रुपये प्रति किलो के करीब पहुंच गई है, जबकि मूंग दाल 110 से 120 रुपये प्रति किलो में मिल रही है। आटे की कीमत भी बढ़कर 44 से 48 रुपये प्रति किलो हो गई है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव,सेंसेक्स 122 अंक फिसला, निफ्टी 24200 से नीचे आया

मुंबई,16 अप्रैल(एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ छलांग लगाते दिखे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ बाजार में बिकवाली हावी हो गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 122.56 अंक या 0.16 प्रतिशत गिरकर 77,988.68 पर बंद हुआ। सूचकांक में तेजी के साथ शुरुआत हुई और सुबह के कारोबार के अंत तक यह 78,730.32 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफावसूली के कारण सूचकांक गिरकर 77,674.93 के निचले स्तर पर आ गया। सत्र के दौरान सूचकांक में 1,055.39 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में तेज तेजी के बाद बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी जैसे बेंचमार्क सूचकांक उतार-चढ़ाव भरे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। घरेलू बेंचमार्क सूचकांक ओपनिंग के दौरान हासिल अपनी बढ़त को गंवाते हुए लाल निशान पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.55 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 24,196.75 पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने के बाद बुधवार को दोनों प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियां थीं। ट्रेंट, इटरनल, अदानी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफोसिस प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.51 प्रतिशत बढ़कर 96.36 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के

ने कहा, भारतीय बाजारों में आज उतार-चढ़ाव भरा सत्र देखने को मिला, जो हालिया तेज रिकवरी के बाद दिशात्मक गति से समेकन की ओर बदलाव को दर्शाता है। वैश्विक संकेतों में सुधार और भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी के चलते सूचकांक सकारात्मक शुरुआत के साथ खुला, लेकिन दिनभर मुनाफावसूली के चलते उच्च स्तर को बनाए रखने में विफल रहा। हरिप्रसाद के अनुसार पश्चिम एशिया संकट के कारण भावनाएं संवेदनशील बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर की संभावना ने कच्चे तेल की कीमतों को नरम करने में मदद की, इससे महंगाई से जुड़ी चिंताओं को कुछ हद तक राहत मिली। हालांकि, बाजार अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सकता इससे पता चलता है कि निवेशक अब भी सतर्कता बरत रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक काफी अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 666.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 1,263.67 अंक या 1.64 प्रतिशत बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ।

मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दिलवाने में सबसे आगे दिल्ली

कर्नाटक और महाराष्ट्र दूसरे और तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली,16 अप्रैल(एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में इन दिनों मजदूरों में उबाल है। चाहे गुड़गांव-मानेसर हो, फरीदाबाद हो या नोएडा हो, सब जगह मजदूर सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। नोएडा में तो स्थिति बिगड़ने के बाद इसी सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार ने अकुशल , अर्ध-कुशल और कुशल कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी में 21 फीसदी तक की बढ़ोतरी भी कर दी है। इससे पहले हरियाणा सरकार बीते 13 अप्रैल को न्यूनतम मजदूरी में 35 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। आपको पता है कि देश में मजदूरों को सबसे ज्यादा मजदूरी किस राज्य में मिलती है?

मजदूरों को वेतन देने में दिल्ली सबसे आगे

देश के 13 प्रमुख राज्यों द्वारा घोषित न्यूनतम मजदूरी की दरों की सूची मनीकंट्रोल ने कलेक्ट की है। इसी दर के हिसाब से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को वेतन का भुगतान किया जाता है। यही दरें सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों पर भी प्रचलित हैं। मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी उपलब्ध कराने में दिल्ली सभी राज्यों में पहले स्थान पर है। मतलब कि दिल्ली ऐसा राज्य है जो अकुशल कर्मचारियों के लिए भी हर महीने 18,456 रुपये, अर्ध-कुशल कर्मचारियों के लिए 20,371 रुपये और कुशल कर्मचारियों के लिए प्रति माह 22,411 रुपये की न्यूनतम मजदूरी नोटिफाई किए हुए है।

दूसरे स्थान पर कर्नाटक

मजदूरों को मजदूरी दिलाने में दूसरे स्थान पर कर्नाटक का नाम आता है। वहां अकुशल कर्मचारियों के लिए प्रति माह 17,295 रुपये, अर्ध-कुशल कर्मचारियों के लिए 18,570 रुपये और कुशल कर्मचारियों के लिए 19,972 रुपये प्रति माह की न्यूनतम मजदूरी का प्रावधान है। महाराष्ट्र ने अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी 13,921 रुपये प्रति माह, अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए 14,756 रुपये प्रति माह, और कुशल श्रमिकों के लिए 15,532 रुपये प्रति माह तय किए हुए है। इसका जायजा आप इस टेबल में ले सकते हैं।इस टेबल में तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे औद्योगिक राज्यों को शामिल नहीं किया गया है। इसकी वजह है कि उन राज्यों में न्यूनतम मजदूरी को सामान्य तीन श्रेणी प्रारूप में प्रकाशित नहीं किया गया है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में 25 श्रेणियां हैं, और लगभग 100 उप-श्रेणियां हैं। इनमें 'बुकिंग क्लर्क' से लेकर 'मैनेजर' तक का पदनाम शामिल है।

शुभमुहूर्त में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर जिले के प्रमुख गेहूं उत्पादक क्षेत्र गौतमपुरा (चंबल) में सेवा सहकारी संस्था छड़ोदा में शासन के आदेशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है।

उक्त जानकारी देते हुए राजकुमार गुप्ता ने बताया कि अब तक लगभग 4000 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। वहीं छड़ोदा केंद्र पर भी लगातार तुलाई जारी है। संस्था प्रभारी लाखन सिंह परमार ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

केंद्र पर किसानों की भीड को देखते हुए 7 कांटों के माध्यम से तुलाई की जा रही है, जिससे किसानों को कम समय में अपनी उपज तौल कराने में सहूलियत मिल रही है। साथ ही स्लॉट बुकिंग और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी तुलाई प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया है। अतिरिक्त केंद्र के जरिए भी किसानों को राहत प्रदान की जा रही है, ताकि किसी को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। किसानों के लिए साफ पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इस दौरान किसान राजकुमार गुप्ता ने भावपूर्वक अपील करते हुए कहा कि सभी किसान अपने-अपने क्रम में केंद्र पर पहुंचें और शासन द्वारा दी जा रही इस जनकल्याणकारी व्यवस्था में सहयोग करें, ताकि सभी को समय पर लाभ मिल सके। किसान राकेश परमार, राहुल परमार एवं फुलान के सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य किसानों ने भी संस्था की व्यवस्थाओं और सुचारू प्रबंधन की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष	मे	मेष..... 05-53 बजे
चंद्र	मीन	मे	वृष..... 07-38 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन.. 09-39 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क... 11-51 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह--- 14-03 बजे
शुक्र	मेष	मे	कन्या-- 16-10 बजे
शनि	मीन	मे	तुला--- 18-15 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृश्चिक..20-25 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु...... 22-39 बजे
			मकर... 00-45 बजे
			कुंभ... 02-36 बजे
			मीन.... 04-14 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-03 सूर्यास्त. 18 -28
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष शुक्रवार 17 April 2026
तिथि - अमावस्या 17-21 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - रेवती 12-02 तक उप अश्विनी
योग - वैधृति 07-21 तक उप. विष्कुंभ
करण - चतुष्पाद 06-50 तक उप नाग
विशेष: देवपितृकार्ये अमावस्या पंचक 12-02 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-42 से 12-16 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06-03 - 07-34	शुभ	रोग	18-28 - 19-58	अशुभ
लाभ	07-34 - 09-08	शुभ	काल	19-58 - 21-24	अशुभ
अमृत	09-08 - 10-42	शुभ	लाभ	21-24 - 22-50	शुभ
काल	19-42 - 12-16	अशुभ	उत्पात	22-50 - 00-16	अशुभ
शुभ	12-16 - 13-50	शुभ	शुभ	00-16 - 01-42	शुभ
रोग	13-50 - 15-24	अशुभ	अमृत	01-42 - 03-08	शुभ
उत्पात	15-24 - 16-58	अशुभ	चंचल	03-08 - 04-34	शुभ
चंचल	16-58 - 18-28	शुभ	रोग	05-34 - 06-03	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपके करियर और पढ़ाई में दिलचस्प बदलाव आ सकते हैं। पेशेवर रिश्तों को बेहतर बनाने में आपको आराम मिल सकता है। सामाजिक मेलजोल या शारीरिक प्रयासों से संभावित लाभ की उम्मीद की जा सकती है। हालाँकि, आंतरिक तनाव या अवरोध हो सकता है। बीमारी से बचने के लिए तनाव से सावधान रहें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ऊर्जा और मौलिकता आपके करियर के प्रयासों में सहायक होंगे। आप अवसरों को जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन बहस में जल्दबाज़ी करने से बचें। तार्किक सोच कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के क्षेत्र में, स्थिर रहें और दूसरों की आलोचना करने से बचें। समस्याओं को सुलझाने के लिए अपनी मानसिक तीक्ष्णता का उपयोग करें और सुनिश्चित करें कि आपकी बातचीत सहयोगात्मक और रचनात्मक बनी रहे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता सफलता की राह तय करते हैं, जिससे आप अपने काम में साहसिक कदम उठा पाते हैं। नवीन सोच स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होती है, जिससे आपको समस्याओं का नए दृष्टिकोण से सामना करने में मदद मिलती है। दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से, आप गहरी आत्म-जागरूकता प्राप्त करते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी प्रेरणा और अनुशासन आपको काम पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, लेकिन भावनात्मक कार्यस्थल स्थितियों में सतर्क रहें। एक व्यावहारिक मानसिकता अच्छे निर्णयों का समर्थन करती है। संघर्षों से बचें और सार्थक अनुभवों को अपने मार्ग को आकार देने दें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका दिन शांत, केंद्रित काम के लिए अनुकूल हो सकता है जो आपके धैर्य और रचनात्मकता को चमकने देता है। भावनात्मक गहराई कलात्मक कार्यों का समर्थन करती है, जबकि मेष राशि में चंद्रमा से ऊर्जा का विस्फोट आपको पहल करने के लिए प्रेरित करता है। जोखिमों के प्रति सचेत रहें और संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखें। आपका अंतर्ज्ञान आज मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दें, दो, चा,ची
आपका करियर पथ उज्ज्वल रूप से चमकता है, पोषण ऊर्जा और एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आपको खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। मान्यता और अपने पेशेवर आकांक्षाओं में वृद्धि की उम्मीद करें। हालाँकि, मानसिक क्षेत्र में लाभहीन अटकलों और संभावित नुकसान से सावधान रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बंगाल चुनाव के बाद क्या बढ़ जाएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम ?

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का बड़ा बयान आया सामने

पाली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाली में टेक्सटाइल उद्योग रोजगार देने के साथ रेवेन्यू जनरेट करने का कार्य कर रहा है, लेकिन कई इकाइयां बंद भी हुई हैं। टेक्सटाइल की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। यह बात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को रोटरी क्लब भवन में बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग को सही ढंग से संचालित करना हमारी जिम्मेदारी है।

पाली से दिल्ली ट्रेन के समय को लेकर उन्होंने कहा कि सांसद पीपी चौधरी, पूर्व सांसद पुष्प जैन सहित सभी के सहयोग से नई ट्रेन को भुज से दो घंटे पहले और दिल्ली से दो घंटे देरी से रवाना कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि यह ट्रेन सुबह 8 बजे दिल्ली पहुंचे और शाम को 8 या 9 बजे वहां से रवाना हो।

नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

पेट्रोल और डीजल के दाम बंगाल चुनाव के कारण बढ़ने की आशंका के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह केवल काल्पनिक बात है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी हम गैस और पेट्रोल की आपूर्ति बनाए रखने में सफल रहे हैं। हमने श्रीलंका और बांग्लादेश को भी पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया है। हमारे पास पर्याप्त भंडार है और हमारी कूटनीतिक व्यवस्था ऐसी है कि हमारे जहाज आसानी से आ-जा रहे हैं।

समझने में फर्क रह गया

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर

दिए गए बयान के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मुद्दा अब समाप्त हो चुका है। वे हमारे लिए सम्मानित हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाल लिया गया।

बना रहे संगठनात्मक जिले

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संगठनात्मक स्तर पर नए जिले बनाए जा रहे हैं। यह नए प्रशासनिक जिलों के गठन के अनुरूप किया जा रहा है। नए जिलों में जिला परिषद भी बनेगी और उसी के अनुसार संगठन का विस्तार किया जाएगा। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह तैयार हैं और चुनाव आयोग जैसे ही रणभेरी बजाएगा, हम मैदान में उतरेंगे।

रिफाइनरी से बढ़ेंगे रोजगार

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रेल को पचपदरा में रिफाइनरी का उद्घाटन करने आ रहे हैं। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रिफाइनरी से राजस्थान को लगभग 8 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलेगा और करीब 90 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

सिवाणा क्षेत्र में भी पेट्रोल-डीजल मिलने की संभावना जताई गई है। उन्होंने महिला आरक्षण को ऐतिहासिक कदम बताया।

पाकिस्तान ने अपना एयरबेस दिया

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अमरीका को अपने एयरबेस के उपयोग की अनुमति दी थी। इस पर हमारे विदेश मंत्री ने कहा था कि हम पाकिस्तान की तरह दलाल नहीं हैं।

इस बयान पर उनसे माफी मांगने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने मिसाइल छोड़ने के लिए एयरबेस उपलब्ध कराया था। यदि पाकिस्तान माफी मांगने को कहता तो अलग बात होती, लेकिन हमारे ही देश के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने माफी मांगने की बात कही।

टीकाराम जूली की सरकार को सलाह

पंचायत और निकाय चुनाव पर करे विचार

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजीव गांधी स्टडी सर्कल, भारत सेवा संस्थान और बियानी लॉ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में विद्याधर नगर स्थित बियानी लॉ कॉलेज के उत्सव सभागार में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में सेमिनार हुई। 'संविधान व संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर इस कार्यक्रम में शिक्षाविदों और राजनीति से जुड़े विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि संविधान आंबेडकर के दूरदर्शी दृष्टिकोण और समानता के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि संविधान में सभी प्रावधान तय हैं, लेकिन वर्तमान समय में उसके सामने कई गंभीर चुनौतियां खड़ी हैं और देश में तानाशाही जैसी स्थिति बनती दिखाई दे रही है। उन्होंने सोनम वांगचुक और आप नेता राघव चड्ढा का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार अपनी बात रखने पर लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति बन रही है, जहां वर्तमान सरकार राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव कराने पर भी विचार नहीं कर रही है।

टीकाराम जूली ने युवाओं का आह्वान किया कि वे कथनी और करनी के अंतर को समझें। उन्होंने कहा कि आज जाति और धर्म की राजनीति के हावी होने के बावजूद यदि हमारा देश एकजुट है तो हमारे संविधान के कारण। उन्होंने कहा कि इसलिए वर्तमान समय में संविधान की रक्षा करना और उसके सिद्धांतों का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कॉलेज के प्रोफेसर रतनलाल ने कहा कि संविधान के प्रभावी संचालन के लिए उसके सिद्धांतों को ईमानदारी से लागू करना आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि जी.एस. बाफना ने कहा कि आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमाएं देखने को मिल रही हैं। कार्यक्रम में हिन्दू कॉलेज के प्रोफेसर रतनलाल, राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष बी.एम. शर्मा, राजीव गांधी स्टडी सर्कल के डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, बियानी कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी तथा निदेशक डॉ. संजय बियानी ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

13 साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने दूध और गैस सप्लायर बनकर किया ऑपरेशन

उदयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 13 साल से फरार दुष्कर्म आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन आखिरकार पुलिस की अनोखी रणनीति के आगे उसकी चालाकी नहीं चल सकी। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2013 में दर्ज पॉक्सो एक्ट मामले में फरार वारंटी रमेश भाई उर्फ झालावाड़ी रेबारी (निवासी उनावा, मेहसाणा) को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम कई दिनों से गुजरात में सक्रिय थी। आरोपी तक पहुंचने के लिए पुलिस ने अलग-अलग भेष अपनाए। टीम कभी बिजली मीटर रीडर, कभी दूध और गैस सप्लायर तो कभी पटवारी बनकर गांव-गांव पहुंची। नवापुरा, ऊंझा और सिद्धपुर सहित कई इलाकों में लगातार तीन दिन तक सर्च अभियान चलाया गया।

ओरण बचाओ पदयात्रा, 700 किलोमीटर दूर से जयपुर आए प्रदर्शनकारी

विधायक भाटी बोले- मांगें नहीं मानी तो करेंगे बड़ा आंदोलन

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में चारागाह और वन क्षेत्र (ओरण) के संरक्षण को लेकर जयपुर में आज बड़ा जनआंदोलन देखने को मिला। आज सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन से ओरण बचाओ पदयात्रा निकाली गई, जिसमें जैसलमेर सहित प्रदेशभर से सैकड़ों लोग शामिल हुए।

यह पदयात्रा मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचकर सरकार का ध्यान पर्यावरण संरक्षण और ओरण भूमि की सुरक्षा की ओर आकर्षित करने के लिए निकाली गई, लेकिन पुलिस ने पद यात्रियों को भवानी निकेतन के पास ही रोक लिया। भवानी निकेतक के पास पद यात्रियों और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हो गई। पदयात्रा में शामिल बाड़मेर जिले के शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सरकार पर निशाना साधा है। भाटी ने कहा कि जैसलमेर की अंतरराष्ट्रीय सीमा से बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग जयपुर पहुंचे

हैं, जिन्होंने 1965 और 1971 के युद्ध में देश के लिए योगदान दिया था, लेकिन आज उन्हें अपनी जायज मांगों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार के लिए चिंतन का विषय है और ओरण भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए।

भाटी ने आरोप लगाया कि वर्तमान में ओरण भूमि का बड़ा हिस्सा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, जिससे अतिक्रमण की घटनाएं बढ़ रही हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में किसानों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई स्पष्ट नीति या गाइडलाइन सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा अतिक्रमण के मामलों पर भी सरकार गंभीर नहीं दिख रही है।

उन्होंने खेजड़ी संरक्षण को लेकर प्रस्तावित बिल का जिक्र किया। कहा कि सरकार ने सदन में बिल लाने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया। विश्नोई समाज सहित कई वर्गों ने इस मुद्दे पर आंदोलन किया, लेकिन सरकार की घोषणाएं अभी तक धरातल पर नहीं उतरी हैं।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे 21 जनवरी को जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से पदयात्रा शुरू कर जयपुर पहुंचे हैं। कड़ाके की ठंड से लेकर अब भीषण गर्मी तक नंगे पैर यात्रा कर रहे लोगों का कहना है कि वे ओरण, गोचर भूमि, खेजड़ी पेड़, नदियों, नालों और तालाबों के संरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : सोलर पावर प्लांट्स निवेशकों को मिलेगी 7 साल तक बिजली शुल्क में पूरी छूट

भीलवाड़ा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए प्रदेश के सौर ऊर्जा निवेशकों को बड़ी राहत प्रदान की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सरकार अपनी घोषित नीति और वादों से इस तरह मनमाने ढंग से पीछे नहीं हट सकती। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आदेश दिया है कि 10 मई 2022 नीति में संशोधन की तिथि से पहले स्थापित हो चुके कैप्टिव और रूफटॉप सोलर पावर प्लांट्स को उनके शुरू होने की तारीख से सात साल तक बिजली शुल्क में पूरी छूट का लाभ मिलेगा।

जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस सुनील बेनीवाल की खंडपीठ ने भीलवाड़ा की मेवाड़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री व विभिन्न सोलर एसोसिएशनों की ओर से दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। सरकार ने प्रदेश में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सौर

ऊर्जा नीति 2019 लागू की थी।

इसके क्लॉज 16.4 में कैप्टिव सोलर प्लांट लगाने वाले उद्योगों को 7 साल तक बिजली शुल्क से छूट का वादा किया था। इसके तहत प्रदेश के बड़े उद्योगों ने करोड़ों रुपए का निवेश कर सोलर प्लांट लगाए।

लेकिन 10 मई 2022 को सरकार ने अचानक नीति में संशोधन कर दिया और यह छूट वापस लेते हुए निवेशकों पर बिजली शुल्क थोप दिया। इसके बाद बिजली कंपनियों ने भारी-भरकम बिल भेजना शुरू कर दिए। निवेशकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

कोर्ट ने माना कि यद्यपि सरकार को जनहित और वित्तीय कारणों से नीतियां बदलने का अधिकार है, लेकिन वह पूर्वव्यापी प्रभाव से उन अधिकारों को नहीं छीन सकती जो निवेशकों को पहले ही मिल चुके हैं। जब सरकार के वादे 7 साल की छूट के आधार पर कंपनियों ने निवेश कर दिया है, तो अब सरकार मुकर नहीं सकती। कोर्ट ने कहा कि यदि ऐसे सरकारी वादों को मनमाने ढंग से तोड़ा गया, तो निवेशकों का सरकारी नीतियों से भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा। यह औद्योगिक विकास के लिए घातक होगा।

इस फैसले का बड़ा असर प्रदेश के उन प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों पर पड़ेगा, जिन्होंने ग्रीन एनर्जी के तहत प्लांट लगाए थे। खासकर टेक्सटाइल, माइनिंग और सीमेंट उद्योगों ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर कैप्टिव सोलर प्लांट स्थापित किए थे। इस फैसले से उन सभी को जो 10 मई 2022 से पहले कमीशन हो गए थे, को शुल्क में करोड़ों की राहत मिलेगी। कोर्ट ने सभी सदस्यों को छूट का लाभ लेने के लिए सक्षम अधिकारी के समक्ष अपना प्रतिवेदन पेश करने की छूट दी है।

टेक्सटाइल सहित अन्य उद्योगों ने सरकार की नीति पर भरोसा कर ग्रीन एनर्जी में करोड़ों रुपए का निवेश किया था। लेकिन बीच में ही छूट वापस लेने से उद्योगों पर भारी आर्थिक बोझ आ गया था। न्यायालय के इस फैसले से उद्योगों को करोड़ों रुपए की राहत मिलेगी। यह फैसला न केवल उद्योगों को संजीवनी देगा, बल्कि भविष्य में भी निवेशकों का भरोसा कायम रखेगा।

गांव वालों ने पहनावे पर कसे थे तंज, अब कामना बनीं मिस ग्लैम राजस्थान 2026 की ब्रांड एंबेसडर

बाड़मेर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में जन्मी और महानगरीय जीवनशैली में पली-बढ़ी कामना राजपुरोहित का सफर आज मारवाड़ के लिए प्रेरणा बन गया है। कोरोना काल में परिस्थितियों ने उन्हें उनके पिता की जन्मभूमि बालोतरा के छोटे से गांव कुंडल ला खड़ा किया।

जहां उनके पहनावे और जीवनशैली को लेकर तानों का सामना करना पड़ा। लेकिन कामना ने इन तानों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाया और आज वही लड़की मिस ग्लैम राजस्थान 2026 की ब्रांड एंबेसडर बनकर उभरी है।

बचपन से ही कामना को डांस, सिंगिंग और एक्टिंग का शौक था। चेन्नई में ही उनका बचपन बीता, लेकिन कोविड के दौरान परिवार के साथ गांव लौटने पर उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई।

ग्रामीण परिवेश में लड़कियों को लेकर बनी सीमित सोच ने उन्हें

भीतर तक झकझोर दिया। लेकिन परिवार, विशेषकर पिता जबर सिंह राजपुरोहित के सहयोग से उन्होंने अपने सपनों को जिंदा रखा।

कामना ने 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के लिए जोधपुर का रुख किया और इसके बाद तीन साल तक गांव रहते हुए यूट्यूब के माध्यम से मॉडलिंग, डांस और एक्टिंग डांस और एक्टिंग सीखी। आगे बढ़ने की चाह ने उन्हें जयपुर पहुंचाया, जहां उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए खुद को स्थापित करने की कोशिश शुरू की।

लगातार ऑडिशन देने और मेहनत करने के बाद उन्होंने मिस इंडिया ग्लैम के लिए चयन हासिल किया। हालांकि, वह खिताब जीत नहीं पाई, लेकिन उन्हें 'बेस्ट एक्टर का खिताब मिला, जिसने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी। इसके बाद कुछ ही महीनों में अपने टैलेंट और मेहनत से उन्होंने पहचान बना ली।

हाल ही में कामना को स्टेट लेवल ब्यूटी पेजेंट 'मिस ग्लैम राजस्थान 2026' का ब्रांड एंबेसडर चुना गया। यह उपलब्धि उनके संघर्ष और समर्पण का परिणाम है। पुरस्कार स्वरूप उन्हें स्कूटी भी प्रदान की गई।

कामना का कहना है कि वह अपने गांव और क्षेत्र की सोच को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते देखना चाहती हैं। उनका सपना है कि वह ऐसी ऊंचाई हासिल करें, जो अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बने।

विवाह प्रमाण-पत्र के बदले रिश्वत मांगना पड़ा महंगा

महिला अधिकारी 10,400 रुपये लेते गिरफ्तार

झालावाड़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने खानपुर पंचायत समिति क्षेत्र की एक ग्राम विकास अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अधिकारी सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल जोड़ों के विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के बदले पैसे की मांग कर रही थी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, मऊ बोरदा ग्राम पंचायत की ग्राम विकास अधिकारी ने एक सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि से विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के बदले राशि की मांग की थी। संस्था की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में कई जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ था और उनके प्रमाण पत्र बनवाना आवश्यक था। इसी प्रक्रिया के दौरान कथित रूप से प्रति प्रमाण पत्र तय राशि देने की शर्त रखी गई।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की और आरोपी अधिकारी को कार्यालय में ही रिश्वत की राशि स्वीकार करते समय पकड़ लिया।

एसीबी की टीम ने निगरानी रखते हुए आरोपी को 10,400 रुपये राशि लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके निवास स्थान की तलाशी भी ली जा रही है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है।

शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, दहेज लेने के आरोप में स्कूल लेक्चरर सस्पेंड

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए एक सरकारी स्कूल लेक्चरर को दहेज लेने के आरोप में निलंबित कर दिया है। यह मामला दहेज प्रताड़ना की शिकायत से जुड़ा हुआ है, जिसमें आरोपी पर विवाह के समय गलत जानकारी देने और शपथ पत्र का उल्लंघन करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

संबंधित लेक्चरर के खिलाफ उसकी पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि विवाह के दौरान दहेज को लेकर दबाव बनाया गया और बाद में प्रताड़ना भी की गई। शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी ने नौकरी जॉइनिंग के समय दिए गए शपथ पत्र में स्पष्ट रूप से यह घोषणा की थी कि उसने किसी भी प्रकार का दहेज नहीं लिया है।

शिकायत के सामने आने के बाद मामला प्रशासनिक स्तर पर जांच के दायरे में आया। प्रारंभिक जांच में आरोपों को गंभीर मानते हुए शिक्षा विभाग ने तत्काल प्रभाव से लेक्चरर को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

सूत्रों के अनुसार, विभाग ने इस पूरे मामले को सरकारी सेवा आचरण नियमों और शपथ पत्र के उल्लंघन से जोड़कर देखा है। नियमों के तहत किसी भी सरकारी कर्मचारी द्वारा गलत घोषणा या नैतिक आचरण का उल्लंघन गंभीर अनुशासनहीनता माना जाता है।

इस मामले में शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी सेवकों से अपेक्षा की जाती है कि वे न केवल अपने कार्यस्थल पर बल्कि निजी जीवन में भी उच्च नैतिक मानकों का पालन करें। ऐसे में दहेज जैसे सामाजिक अपराध से जुड़े आरोपों को बेहद गंभीरता से लिया जाता है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लेक्चरर के खिलाफ विभागीय दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा सकती है।

इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में भी हलचल देखी जा रही है। कई अधिकारी इसे एक सख्त संदेश मान रहे हैं कि सरकारी सेवा में किसी भी प्रकार की अनियमितता या सामाजिक अपराध से जुड़ी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं, सामाजिक संगठनों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है और कहा है कि दहेज जैसी कुप्रथा के खिलाफ प्रशासनिक सख्ती जरूरी है। उनका मानना है कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और पीड़ित पक्ष को न्याय की उम्मीद मिलती है।

अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अब तक पकड़े जा चुके हैं 56 घुसपैठिए

अजमेर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक और बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई अभियान की 23वीं कड़ी है, जिसके बाद अब तक कुल 56 अवैध घुसपैठियों को पकड़ा जा चुका है।

यह अभियान पुलिस मुख्यालय जयपुर और अजमेर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाया जा रहा है। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के नेतृत्व में जिले में अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं मुख्यालय हिमांशु जागिंड तथा वृताधिकारी दरगाह लक्ष्मण राम के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने सीआईडी जोन अजमेर के सहयोग से शहर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया।

हैंगिंग ब्रिज के पास डिवाइडर से टकराकर पलटी बस, तीन लोगों की मौत

कोटा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा में देर रात को भीषण सड़क हादसा हो गया। जहां पर फोरलेन पर सवारियों से भरी बस पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 12 से अधिक लोग घायल हो गए। जिनको कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जबकि हादसे में जान गवा बैठे तीन लोगों के शवों को पोस्टमार्टम रूम में रखवाया गया है। इनमें से दो की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। यह हादसा शहर के आरके पुरम थाना इलाके में नया गांव पुलिया के पास हुआ। जानकारी में सामने आया कि बस अहमदाबाद से मध्य प्रदेश के ग्वालियर-भिंड की तरफ जा रही थी। इसमें अधिकतर मध्य प्रदेश की सवारियां बैठी हुई थी। यह बस देर रात को हैंगिंग ब्रिज को पार कर नया गांव पुलिया से होकर गुजर रही थी।

कोल्ड ड्रिंक कंपनी पर सख्त कार्रवाई, बोतल में प्लास्टिक मिलने पर ढ़ाई लाख रुपये का लगा जुर्माना

जैसलमेर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेर में उपभोक्ता अधिकारों से जुड़ा एक अहम मामला सामने आया है, जहां जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक अंतरराष्ट्रीय पेय पदार्थ कंपनी पर कड़ा रुख अपनाते हुए 2.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 'माजा' कोल्ड ड्रिंक की एक सीलबंद बोतल में प्लास्टिक का टुकड़ा मिलने के मामले में की गई। शहर के ढिब्बा पाड़ा निवासी तुषार पुरोहित ने 16 जुलाई 2025 को 'शिवम मार्केटिंग' से 810 रुपये में माजा कोल्ड ड्रिंक का एक कैरेट खरीदा था। जब उन्होंने बोतलों का उपयोग करना शुरू किया, तो एक सीलबंद बोतल के अंदर प्लास्टिक पॉलिथीन का टुकड़ा दिखाई दिया। यह देखकर उन्होंने गंभीर आपत्ति जताई और 20 अगस्त 2025 को जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करवाई। मामले की सुनवाई के दौरान संबंधित बोतल आयोग के समक्ष पेश की गई। निरीक्षण में स्पष्ट रूप से प्लास्टिक का टुकड़ा पाया गया, जिससे यह साबित हुआ कि पेय पदार्थ दूषित था। जांच में यह भी सामने आया कि बोतल की पैकिंग 16 मार्च 2025 की थी, यानी करीब चार महीने तक वह दूषित अवस्था में ही बाजार में उपलब्ध रही।

कंपनी की ओर से दलील दी गई कि पूरी बॉटलिंग प्रक्रिया ऑटोमैटिक होती है और इस तरह की शिकायत कंपनी की छवि खराब करने के उद्देश्य से की गई हो सकती है। हालांकि, आयोग ने इस तर्क को सिरे से खारिज कर दिया।

कई राज्यों में करोड़ों की ठगी का खुलासा

बैंक खाते खरीदने-बेचने वाले 4 शातिर गिरफ्तार

झालावाड़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' के तहत भवानीमंडी पुलिस ने बैंक खाते खरीदने-बेचने वाले 4 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी म्यूल खातों के जरिए करोड़ों रुपए की साइबर ठगी को अंजाम दे रहे थे। इन खातों के माध्यम से साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करते थे। इस मामले में पहले भी 3 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि भवानीमंडी थाने के सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह को सूचना मिली थी कि यस बैंक की स्थानीय शाखा का एक खाता म्यूल अकाउंट के रूप में उपयोग हो रहा है। इस खाते के माध्यम से बड़े स्तर पर साइबर ठगी की जा रही थी।

PUB/052

असाधारण

भाग–II–अनुभाग 3––उप–अनुभाग (II)

रेल मंत्रालय

(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

सिकन्दराबाद, 9th अप्रैल, 2026

एस.ओ. 1850(इ)–जबकि, केंद्र सरकार, रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड), सं.एस.ओ.587(इ), द्वारा जारी अधिसूचना, तत्संबंधित दि.5 फरवरी, 2026 को भारतीय गजट देखें सं.557 असाधारण, भाग–II, अनुभाग 3, उप –अनुभाग (II), दि.06-02-2026, रेलवे अधिनियम, 1989 (24 वर्ष1989) की अनुभाग 20 ए की उप–अनुभाग (1) में प्रकाशित नुसार, (इसके पश्चात् इसे उक्त अधिनियम कहकर संबोधित किया जायेगा) तत्संबंधित द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने यह घोषणा की है कि, जन हित उद्देश्य हेतु संतुष्टि व्यक्त करने के पश्चात् भूमि विवरण जिसे निम्न प्रकार अनुसूची में संलग्न व दर्शाया गया है, तत्संबंधित भूमि की विशेष रेल परियोजना के अंतर्गत जैसे इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम का उन्नयन, कार्य निष्पादन, रखरखाव, प्रबंधन व संचालन हेतु 1X25 केवी से 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम तक उन्नयन तथा 3000 एमटी लक्ष्य को पूरा करने हेतु आवश्यकता है–उपरोक्त भूमि तेलंगाना राज्य के यादाद्रि भुवनगिरी जिले के गांव व मंडल आलेर पर सिकंदराबाद–काजीपेट सेक्शन स्थित आलेर टीएसएस निर्माणार्थ उक्त भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता है।

तथा जबकि, उपरोक्त अधिसूचना के प्रकाशन के आशय को, निम्न प्रमुख दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्रों जैसे–द हिन्दू तथा इंडियन एक्सप्रेस, तेलुगू दैनिक समाचारपत्र नमस्ते तेलंगाना व आंध्रप्रभा एवम् उर्दू दैनिक सियासत में दि.11 फरवरी,2026 को, मुख्य अभियंता- मोतीलाल भूक्या, निर्माण–II, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के अनुमोदन सहित प्रकाशित किया गया है।

जबकि, इस मामले में कोई भी आपत्तियां प्राप्त नही हुई है तथा इसपर विचार किया गया है एवं संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस मामले में कोई भी आपत्तियों की प्राप्ति को अमान्य किया गया है। तदनुसार, आदेश पारित किये गये हैं तथा जबकि, उक्त अधिनियम अनुभाग 20 इ, उप –अनुभाग (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केंद्र सरकार को तत्संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

इसलिए इसके मध्देनजर, सक्षम प्राधिकारी द्वारा उक्त रिपोर्ट की प्राप्ति के पश्चात् एवम् उपरोक्त अधिनियम की अनुभाग 20इ के उप–अनुभाग (1) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने यह घोषणा की है कि, उपरोक्त सद् उद्देश्य के लिए निम्न तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न निर्धारित भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता है।

और आगे, उपरोक्त अधिनियम 20इ के उप–अनुभाग (2) के अनुसरण में, केंद्र सरकार इसके द्वारा यह घोषणा करती है कि, आफिशियल गजट में प्रकाशित उक्त अधिसूचना के बाद, अनुसूची में संलग्न निर्धारित भूमि केंद्र सरकार में निहित होगी एवं सभी प्रकार से भारों से मुक्त होगी।

अनुसूची

अधिग्रहण से जुडी भूमि का विवरण : तेलंगाना राज्य के यादाद्रि भुवनगिरी जिले के आलेर गांव व मंडल में सिकंदराबाद–काजीपेट सेक्शन में आलेर टीएसएस का निर्माण कार्य–तत्संबंधित निर्माण कार्य जोकि इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के 1X25 केवी से 2X25 केवी तक ट्रैक्शन सिस्टम की लदान लक्ष्य 3000 एमटी को साधने हेतु तत्संबंधित उन्नयन कार्य।

क्रम सं.	जिले का नाम	मण्डल का नाम	गांव का नाम	सर्वे नंबर	भूमि का प्रकार	भूमि का स्वभाव	कुल योग एकड	पट्टादार का नाम
1				23	पट्टा	गीली	0-03¾	इलगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
2								इलगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
3								इलगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
4								इलगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
5								अल्लम भुजालिंगम सुपुत्र सत्तय्या
6								अल्लम रामु सुपुत्र सत्तय्या
7								अल्लम श्रीनू सुपुत्र सत्तय्या
8								अल्लम लक्ष्मण सुपुत्र सत्तय्या
9								इगला प्रताप सुपुत्र रामय्या
10								इगाला कृष्णा सुपुत्र रामय्या
11								इगाला चंदर सुपुत्र रामय्या
12								इगाला लक्ष्मण सुपुत्र रामय्या
13							0-02½	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
14								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
15							0-00¼	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
16								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
						कुल	**0-06½**	
17				24	पट्टा	गीली	0-04½	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
18								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
19								इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
20								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
21								अल्लम भुजालिंगम सुपुत्र सत्तय्या
22								अल्लम रामु सुपुत्र सत्तय्या
23								अल्लम श्रीनू सुपुत्र सत्तय्या
24								अल्लम लक्ष्मण सुपुत्र सत्तय्या
25								इगाला प्रताप सुपुत्र रामय्या
26								इगाला कृष्णा सुपुत्र रामय्या
27								इगाला चंदर सुपुत्र रामय्या
28								इगाला लक्ष्मण सुपुत्र रामय्या
29	यादाद्रि भुवनगिरि	आलेर	आलेर				0-01¼	अल्लम भुजालिंगम सुपुत्र सत्तय्या
30.								अल्लम रामू सुपुत्र सत्तय्या
31								अल्लम श्रीनू सुपुत्र सत्तय्या
32								अल्लम लक्ष्मण सुपुत्र सत्तय्या
33							0-09¾	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
34								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
						कुल	**0-15½**	
35				27	पट्टा	सूखी	0-10	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
36								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
37							0-04½	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
38								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
						कुल	**0-14½**	
39				28	पट्टा	गीली	0-04	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
40								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
						कुल	**0-04**	
41				29	पट्टा	गीली	0-13¼	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
42								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
43							0-00¼	अल्लम भुजालिंगम सुपुत्र सत्तय्या
44								अल्लम रामू सुपुत्र सत्तय्या
45								अल्लम श्रीनू सुपुत्र सत्तय्या
46								अल्लम लक्ष्मण सुपुत्र सत्तय्या
						कुल	**0-13½**	
47				30	पट्टा	गीली	0-01¼	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
48								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
49							0-13¾	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
50								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
51							0-00½	अल्लम भुजालिंगम सुपुत्र सत्तय्या
52								अल्लम रामू सुपुत्र सत्तय्या
53								अल्लम श्रीनू सुपुत्र सत्तय्या
54								अल्लम लक्ष्मण सुपुत्र सत्तय्या
						कुल	**0-15½**	
55				31	पट्टा	गीली	0-03¼	इगाला नरेंदर सुपुत्र रामचंद्रय्या
56								इगाला किशोर सुपुत्र रामचंद्रय्या
57							0-10	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
58								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
						कुल	**0-13¼**	
59				36	पट्टा	सूखी	0-00½	इगाला राजु सुपुत्र रंगय्या
60								इगाला किशन सुपुत्र रंगय्या
						कुल	**0-00½**	
							Ac.2-03¼ जीटीएल	

(एफ.नं.डब्ल्यू. कान/182/एसआरपी/टीएसएस/आलेर/20इ)

ए 069

मोतीलाल भूक्या मुख्य अभियंता/निर्माण–II

एससी–एसटी में गरीबी ज्यादा : जनरल कैटेगरी से 3 गुना ज्यादा पिछड़े

तेलंगाना जाति सर्वे का बड़ा खुलासा

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जाति एवं सामाजिक–आर्थिक सर्वे में राज्य के विभिन्न समुदायों में भारी असमानता पायी गयी है। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि समग्र पिछड़ापन सूचकांक के अनुसार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सामान्य जातियों की तुलना में तीन गुना अधिक पिछड़े हैं। वहीं, पिछड़ा वर्ग सामान्य जातियों की तुलना में 2.7 गुना अधिक पिछड़ा है।

प्रभाकर ने कहा कि राज्यव्यापी समग्र पिछड़ापन सूचकांक का औसत स्कोर 81 है। उन्होंने कहा कि इंडेक्स स्कोर जितना ज्यादा होगा, पिछड़ापन उतना ही ज्यादा होगा। मंत्री ने कहा कि इंडेक्स स्कोर के आधार पर राज्य की 135 जातियां जो कुल जनसंख्या का लगभग 67 प्रतिशत हैं, पहले की अपेक्षा अधिक पिछड़ी हैं।

यह जाति है सबसे पिछड़ी :

प्रभाकर ने बताया कि अनुसूचित जाति समूह दक्कल का पिछड़ापन स्कोर सबसे अधिक 116 रहा जबकि कापू जाति का स्कोर सबसे कम 12 रहा। उन्होंने कहा, सामाजिक और आर्थिक असमानताएं चिंताजनक हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने बताया कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के 78 प्रतिशत से अधिक परिवारों की वार्षिक आय लगभग 1 लाख रुपये है जबकि अन्य जातियों के 13 प्रतिशत से अधिक परिवारों की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में केवल 2.1 प्रतिशत परिवारों की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से अधिक है।

अनुसूचित जातियों में से लगभग 50 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर :

प्रभाकर ने तेलंगाना सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वे पर रिपोर्ट के कुछ अंश जारी किए। इस सर्वे में तेलंगाना के लगभग 97 प्रतिशत यानी 35 करोड़ से अधिक परिवारों को शामिल किया गया। आय, व्यवसाय, शिक्षा, भूमि स्वामित्व, संपत्ति स्वामित्व और चिकित्सा एवं नागरिक बुनियादी ढांचे तक पहुंच सहित 42 इंडिकेटर्स का इस्तेमाल करते हुए 242 जाति समूहों का विश्लेषण किया गया। जिन 135 जातियों को अधिक पिछड़ा पाया गया है, उनमें 69 अनुसूचित जनजाति (बीसी) जातियां, 41 अनुसूचित जाति समूह और 25 अनुसूचित जनजाति जातियां शामिल हैं।

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जातियों में से लगभग 50 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं जबकि सामान्य जातियों में यह आंकड़ा केवल एक–दसवां हिस्सा है। अनुसूचित जनजातियों में से केवल 5 प्रतिशत ही निजी क्षेत्र में कार्यरत थे जबकि सामान्य जातियों में से 30 प्रतिशत से अधिक अच्छी तनख्वाह वाली निजी क्षेत्र की नौकरियों में लगे हुए थे।

तेलंगाना में अनुसूचित जाति की आबादी 17.43 प्रतिशत :

रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में अनुसूचित जाति की आबादी 17.43 प्रतिशत (61,84,319) है, अनुसूचित जनजाति की आबादी 10.45 प्रतिशत (37,05,929) है और अन्य पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम पिछड़ा–पूर्वी वर्ग को छोड़कर) की आबादी 46.25 प्रतिशत (1,64,09,179) है। मुसलमानों में पिछड़ा वर्ग 10.08 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग 2.48 प्रतिशत है। अन्य जातियों में अन्य पिछड़ा वर्ग 13.31 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा मुस्लिम 2.48 प्रतिशत हैं।

राज्य में अनुसूचित जाति मदिगा सबसे बड़ी समुदाय है जो जनसंख्या का 10.3 प्रतिशत यानी 36.58 लाख है। इसके बाद सबसे बड़ी समुदाय शेख मुस्लिम (बीसी–ई) 27.96 लाख (7.9 प्रतिशत), मुदिराज (ओबीसी) 26.39 लाख (7.4 प्रतिशत) और लंबदी/बंजारा (एसटी) 24.04 लाख (6.8 प्रतिशत) हैं।

ओजीएच के पीजी छात्र ने हॉस्टल में की आत्महत्या

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र डॉ. सुरेश कात्रावथ ने गुरुवार को अस्पताल परिसर स्थित अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

इस घटना से चिकित्सा जगत में शोक और स्तब्धता का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनरल सर्जरी विभाग से जुड़े डॉ. सुरेश कात्रावथ की मौत के पीछे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और अत्यधिक कार्य दबाव को संभावित कारण माना जा रहा है।

सुरक्षित यात्रा से हादसों पर लगाम, 'अराइव अलाइव' अभियान तेज

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार के 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम के तहत पूरे तेलंगाना में जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों की जान बचाना है। महबूबनगर जिले के जेडचर्ला में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी ने बताया कि तेज रफ्तार, लापरवाही से ओवरटेकिंग और नशे में वाहन चलाने से अधिकतर हादसे होते हैं। उन्होंने कहा कि एक छोटी सी गलती पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। कार्यक्रम में वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए और हजारों लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। डीजीपी ने कहा कि हर साल सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या अन्य अपराधों से कहीं अधिक है, इसलिए सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए 99 दिनों के 'प्रजा पालना–प्रगति योजना' कार्यक्रम में शामिल किया है। इस दौरान फर्स्ट एड किट, मुफ्त आंख जांच, चश्मा वितरण और ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े शिविर भी लगाए गए। राज्यभर में चौथे दिन भी पुलिस और प्रशासन ने अभियान को आगे बढ़ाते हुए कई जिलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। छात्रों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया गया, ड्राइवरों को हेलमेट और चश्मे वितरित किए गए, और सड़कों पर रिफ्लेक्टर स्टिकर लगाए गए। कुछ जगहों पर अनोखी पहल भी देखने को मिली, जहां 'हेलमेट नहीं–प्रवेश नहीं' जैसे नियम लागू किए गए। साथ ही 'गोल्डन ऑवर' में घायल को अस्पताल पहुंचाने वालों के लिए 25 हजार रुपये इनाम की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और कई जिलों में सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K ANASUYA I Service no: JC- 706888W Rank. SUB/NA. Name: PRAVEEN K, R/o:12-91, Vill &Po-Boath, Teh-Boath, Dist-Adilabad,T.G, 504304, I have changed my name from: K ANASUYA to KADAM ANASUYA my Date of birth 01-07-1963

I, Manisha I Service no: JC- 706888W Rank. SUB/NA. Name: PRAVEEN K, R/o:12-91/5, Vill &Po-Boath, Teh-Boath, Dist-Adilabad,T.G, 504304, I have changed my name from: MANISHA to MANISHA KADAM, Date of birth 08-10-1988

I, Service no: JC- 706888W Rank. SUB/NA. Name: PRAVEEN K, S/o. K BHOJARAM, R/o:12-91/1, Vill &Po-Boath, Teh-Boath, Dist-Adilabad, T.G,504304, I have changed my daughter name from: ARADHYA to KADAM ARADHYA

I, Ananda Mayee Swain, W/o, JC 777203W, Sub Dpitendu Puhan, R/o, Dist: Cuttack, Odisha, changed my name from Ananda Mayee Swain to Ananda Mayee Puhan vide Affidavit No. U 813030 dt 16.04.2026, before Executive Magistrate, Cuttack.

I, No. 14652417 H, Hav, Ramsikh Dheemar, R/o, Dist: Satna, Madhya Pradesh, changed my Son's name from Saurav Kumar Barman to Saurav Kumar vide Affidavit No. 466405 dt. 15.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Poonam, W/o, No. 17005582N, NK, Pawar Paresh Alish Vishal Babasaheb, R/o, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Poonam to Pawar Poonam Paresh, vide Affidavit No. 466406 dt. 15.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, NB SUB SHAILENDRA KUMAR R/O: HOLUPURA, KURAWALI, HALPURA, MAINPURI, UTTAR PRADESH - 205263 have changed my Daughter's name from ANSHIKA to ANSHIKA YADAV vide Affidavit dt.16-04-2026

I, CH T Sirisha, W/o. No. 14655888F, Hav, Sreenivasulu Chenu, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from CH T Sirisha to Chenu Thirumala Sirisha vide Affidavit No. BU 311263 dt. 10.04.2026, before Spl Judicial Magistrate at LB Nagar.

I, No. 14652450 A, NK, Atul Kumar Tiwari, R/o, Dist: Satna, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Suman Devi to Suman Devi Tiwari vide Affidavit No. 466382 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14652745W, Hav, Chakali Madhusudhakar , R/o, Dist: Nandyal, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Rama Pullamma to Chakali Pullamma vide Affidavit No. 466384 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भगवान श्री परशुरामजी का प्रकटोत्सव 19 को

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरीगुटा स्थित श्री परशुराम मंदिर में समाज बन्धुओं के सानिध्य में भगवान श्री परशुरामजी का तीन दिवसय प्रकटोत्सव 17 से 19 अप्रैल को भव्यरुप से मनाया जाएगा। परबत सोलंकी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक रामगोपाल चौधरी ने बताया कि हर वर्ष की भांति वैशाख शुक्ल पक्ष अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान विष्णु के छठें अवतार भगवान श्री परशुरामजी का प्रकटोत्सव भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस 17 अप्रैल शुक्रवार को कलश यात्रा, दीप प्रज्वलन, गणेश पूजन, मंडल स्थापना, नवग्रह स्थापना, हवन–यज्ञ कार्यक्रम होगा। द्वितीय दिवस 18 अप्रैल शनिवार विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानो का आयोजन किया जाएगा। तृतीय दिवस रविवार 19 अप्रैल प्रात: वेला में मंदिर परिसर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर भगवान श्री परशुरामजी का श्रृंगारकर पुजा–अर्चना व महाआरती के पश्चात भक्तों के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सायं 5 बजे से भजनोफ्र का कार्यक्रम होगा। पधारे भक्तों व समाज बन्धुओं के लिए भोजन–प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। भक्तों व प्रवासी समाज बन्धुओं से निवेदन है सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

चारमीनार क्षेत्र के विकास के दावे हवा–हवाई

> बैठने तक की नहीं व्यवस्था

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक ओर जहां राज्य सरकार आगरा के ताजमहल की तर्ज पर चारमीनार क्षेत्र को विकसित करने के बड़े दावे कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। दशकों से चल रही पैदल यात्री परियोजना के बावजूद यहां आने वाले पर्यटकों के लिए बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन सैकड़ों पर्यटक चारमीनार और आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हैं, जबकि छुट्टियों के दौरान यह संख्या और बढ़ जाती है। इसके बावजूद स्मारक परिसर में बैठने के लिए बेंच या विश्राम स्थल की कमी के कारण पर्यटकों को फर्श पर बैठना पड़ता है या पास के होटलों का सहारा लेना पड़ता है। स्थानीय पर्यटन गाइडों के अनुसार, चारमीनार के आसपास ऐसी कोई जगह नहीं है जहां बैठकर इसकी ऐतिहासिक और वास्तुकला की भव्यता का आनंद लिया जा सके। कुछ पर्यटक मजबूरी में मक्का मस्जिद या फिर करीब एक किलोमीटर दूर स्थित चौमहल्ला महल की ओर रुख करते हैं। गौरतलब है कि चारमीनार पैदल यात्रीकरण परियोजना का प्रस्ताव 1990 के दशक के उत्तरार्ध में रखा गया था, जिसे बाद में चारमीनार ऐतिहासिक परिसर पुनरुद्धार परियोजना का नाम दिया गया। इस परियोजना के तहत यातायात को अन्य मार्गों की ओर मोड़ने, ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार और क्षेत्र को सुंदर बनाने की योजनाएं शामिल थीं। हालांकि स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर खास प्रगति नहीं हुई है।

तेजस्वी सूर्या को निष्कासित करने की मांग

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की मांग

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा तेलंगाना राज्य को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी पर कड़ा विरोध जताते हुए उनसे तुरंत बयान वापस लेने और राज्य के लोगों से माफी मांगने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे, जिसमें तेजस्वी सूर्या को सांसद पद से हटाने और संसद से निष्कासित करने का अनुरोध किया जाएगा। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत में प्रभाकर ने कहा कि तेजस्वी की टिप्पणियों को संसदीय अभिलेखों से हटाया जाना चाहिए। उन्होंने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि यह तेलंगाना के लोगों और राज्य गठन के लिए हुए बलिदानों का अपमान है।

मंत्री ने कहा कि संसद में पारित राज्य गठन से जुड़े विधेयकों का अपमान किया जा रहा है, जबकि तेलंगाना से चुने गए भाजपा सांसद चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति राज्य की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेजस्वी सूर्या की टिप्पणियां संविधान और संसदीय प्रणाली का भी अपमान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मामले का संज्ञान लेने की मांग की और बताया कि इस संबंध में वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी ईमेल भेज चुके हैं।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-North-WAT-16-2026, दिनांक :13.04.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट–रायगढ़ा लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन दामनजोड़ि स्टेशन में रनिंग रूम का वृद्धि एवं उन्नयन।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,95,28,475.37, EMD(रुपये में): 3,90,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 08 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 07.05.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-55/R/26-27

भाजपा ने नारी शक्ति अभिनंदन पदयात्रा निकाली

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी हैदराबाद द्वारा संसद में लाए गए प्रस्ताव के समर्थन में नारी शक्ति अभिवंदन पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा गोशामहल बेगम बाजार छतरी से जुमेरात बाजार रानी अवंती बाई प्रतिमा तक निकाली गई।

उक्त जानकारी देते हुए जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक महिला आरक्षण विधेयक है जिसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण प्रदान करना है। इस कानून को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे लाया जा रहा है, जो महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और निर्णय लेने में उनकी हिस्सेदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी संदर्भ में पीएम नरेंद्र मोदी के आभार स्वरूप राकेश जयसवाल के नेतृत्व में उक्त पदयात्रा निकाली गई। अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता उमा महेंदर, निरंजन, कृष्णा अन्ना, पुरूषोतम, सुरेंद्र, नरसिम्हा, मीनाक्षी, सपना, कल्पना, विद्या, चंदना, सभी महिला मोर्चा की महिलाएं शामिल हुईं।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता

पहली भारतीय महिला बनीं; अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से भिड़ंत

पाफोस, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने फाइड विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया।

24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी।

ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़

रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके।

इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली।

करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

दूसरे मैच के ड्रॉ से मिला फायदा

आखिरी राउंड शुरू होने से पहले वैशाली रमेशबाबू और कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा 7.5 अंको के साथ बराबरी पर थीं। आखिरी मुकाबले में कजाकिस्तानी खिलाड़ी को भारत की दिव्या देशमुख ने ड्रॉ पर रोक दिया। इसका फायदा वैशाली को मिला, जिससे उन्हें बढ़त हासिल हुई और वे चैंपियन बन गईं।

धीमी शुरुआत के बाद शानदार वापसी

वैशाली टूर्नामेंट में सबसे कम रेटिंग वाली खिलाड़ी थीं। पहले चार मुकाबले ड्रॉ रहे और पांचवें में हार मिली। इसके बाद उन्होंने लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए वापसी की और खिताब जीत लिया।

10 साल बाद कोई गैर चीनी खिलाड़ी फाइनल में

साल 2016 से विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप पूरी तरह से चीनी खिलाड़ियों के कब्जे में रही है। वैशाली पिछले एक दशक में पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जो चीन के इस दबदबे को चुनौती देंगी। खेल विशेषज्ञ अब वैशाली की तुलना गुकेश से कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 में चीन के ही डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थी। उम्मीद जताई जा रही है कि 2026 में वैशाली भी जू वेनजुन को हराकर वही कारनामा दोहराएंगी।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

आईपीएल 2026 के दौरान अंपायरों की गलती पर छिड़ी बहस

जुर्माना लगाने की शुरू हुई मांग

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में लगभग हर मुकाबला ही देरी के साथ खत्म हो रहा है. जिसके पीछे सबसे बड़ा कारण स्लो ओवर रेट का है. स्लो ओवर रेट के कारण कप्तानों पर जुर्माना लग रहा है, लेकिन उसके बाद भी कप्तान इस मैटर को सीरियस नहीं ले रहे हैं. जिसके कारण ही अब मैच देरी से खत्म होने पर नाराजगी शुरू हो गई है. आईपीएल 2026 में एक मुकाबला तो 4 घंटे 22 मिनट तक भी चला. जिसके कारण ही अब अंपायरों के ऊपर भी जुर्माना लगाए जाने की मांग उठने लगी है.

अंपायरों पर लगाना चाहिए जुर्माना

लगभग हर मुकाबला देरी से खत्म होने पर एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट बहुत ज्यादा नाराज हैं. उन्होंने इसके बारे में बोलते हुए कहा, 'अंपायर मैच स्लो होने दे रहे हैं. मुझे लगता है कि ये अंपायर की जॉब है कि वो गेम को चलाएं. लेकिन जब हर ब्रेक पर ऐड होता है और करोड़ों लोग देख रहे होते हैं तो आप समझ सकते हैं कि ऐसा क्यों नहीं हो पाता.'

फ्रेजर स्टीवर्ट का मानना है कि अंपायर मैदान पर सही से नियमों का पालन नहीं करा पा रहे हैं. जिसके कारण ही उनके खिलाफ भी एक्शन होना चाहिए. स्टीवर्ट ने बताया कि एक मैच के दौरान वो दूसरी पारी के सिर्फ 6 से 7 ओवर ही देख सके और दोबारा वापस लौट आए. होटल पहुंचकर जब उन्होंने टीवी खोला तो भी 5 ओवर का खेल बचा हुआ था.

अब तक 5 कप्तानों पर लग चुका है जुर्माना

आईपीएल 2026 में अब तक 5 कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लग चुका है. जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या, और केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 1-1 बार जुर्माना लगा है. वहीं पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के ऊपर तो 2 बार जुर्माना लग चुका है. अब तक 84 लाख रुपये का जुर्माना आईपीएल में कप्तानों पर लगा है. हालांकि उसके बाद भी कोई भी कप्तान इसके ऊपर ध्यान नहीं दे रहा है.

सीएसके ने डोसा, इडली... गाने पर नाराजगी जताई

आरसीबी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, कहा- हमारे खिलाड़ियों और टीम का मजाक उड़ाया

चेन्नई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। सीएसके ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से आरसीबी के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सीएसके का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया।

बीसीसीआई को पत्र लिखा

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया है।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में सीएसके और आरसीबी के बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे आईपीएल का सदर्न डर्बी कहा गया।

हेड टु हेड में सीएसके का आरसीबी पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

5 अप्रैल को खेले गए मैच में आरसीबी ने सीएसके को 43 रन से हराया था। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी ने 250 रन बनाए। यह सीजन का बेस्ट स्कोर है। जवाब में सीएसके 207 रन ही बना सकी थी।

आरसीबी के लिए टिम डेविड ने 25 गेंद में 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 48, फिल सॉल्ट ने 46, विराट कोहली ने 28 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए।

अभिनंदन सिंह, जैकब डफी और क्रुणाल पंड्या को 2-2 विकेट मिले। भुवी ने आईपीएल में 200 विकेट पूरे कर लिए।

बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में किया ऐतिहासिक कारनामा

पाकिस्तान में नंबर 1, एशिया में नंबर 2, वर्ल्ड में नंबर 3

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबर आजम इन दिनों अपने देश में खेली जा रही टी20 लीग में खेल रहे हैं. 15 अप्रैल को इधर अगर विराट कोहली बेंगलुरु की पिच पर अपनी टीम आरसीबी के लिए आईपीएल में जीत की कहानी लिख रहे थे. तो उधर कराची में बाबर आजम पीएसएल की अपनी टीम पेशावर जाल्मी के लिए जीत की स्क्रिप्ट गढ़ रहे थे. हालांकि, जिस इनिंग से उन्होंने टीम को जीत दिलाई, उसी के चलते उनका ऐसा नाम हुआ कि वो पाकिस्तान में नंबर 1, एशिया में नंबर 2 और वर्ल्ड में नंबर 3 बन गए.

बाबर आजम बने पाकिस्तान में नंबर 1

अब आप सोच रहे होंगे कि बाबर आजम ने किस मामले में झंडे गाड़ दिए? इस सवाल का जवाब टी20 क्रिकेट में उनके जमाए अर्धशतकों की संख्या से जुड़ा है. पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम ने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ मुकाबले में 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 51 गेंदों पर 71 रन की पारी खेली. ये T20 क्रिकेट में बाबर आजम का 100वां अर्धशतक रहा. इस कामयाबी को हासिल करने वाले वो पहले पाकिस्तानी हैं. बाबर आजम ने 100 अर्धशतक, 354 टी20 मैचों की 341 पारियों में बनाए हैं.

बाबर आजम से पहले विराट कोहली ने T20 में 100 अर्घशतकों की संख्या को पार किया था. विराट के फिलहाल 107 अर्धशतक हैं, जो कि उन्होंने 419 T20 की 402 पारियों में जड़े हैं. इस तरह बाबर आजम टी20 क्रिकेट में 100 अर्धशतक ठोकने के मामले में एशिया के दूसरे बल्लेबाज हैं.

वर्ल्ड में बाबर आजम का तीसरा स्थान

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 116 अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर के नाम हैं. 436 मैचों की 435 पारियों में 116 अर्धशतक जड़कर वॉर्नर पहले नंबर पर हैं. इस तरह पूरी दुनिया में T20 में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में बाबर आजम डेविड वॉर्नर और विराट कोहली के बाद तीसरे नंबर पर हैं.

बाबर आजम के 100 शतक कैसे पूरे हुए?

अब सवाल है कि बाबर आजम ने टी20 करियर में 100 अर्धशतक जड़े कैसे? ऐसा उन्होंने टी20 इंटरनेशनल 39 फिफ्टी, पीएसएल में 38, बीबीएल में 2, बीपीएल में 3 और एलपीएल में एक अर्धशतक लगाकर किया है.

पैट कमिंस फिट हुए: *सिडनी में बैक स्कैन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई*

25 अप्रैल को राजस्थान के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं

सिडनी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस अपनी कमर की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हुई ताजा स्कैन रिपोर्ट में उनकी पीठ की चोट के ठीक होने की पुष्टि हुई है। अब वे जल्द ही टीम के साथ आईपीएल में जुड़ेंगे। उम्मीद है कि वह 25 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान के खिलाफ मैच में खेल सकते हैं।

कमिंस ने इंस्टाग्राम पर एक फैमिली हॉलिडे पोस्ट पर जवाब देते हुए बताया कि वे शुक्रवार को भारत के लिए रवाना होंगे और 25 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में खेलने का लक्ष्य रख रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत में वे टीम के साथ थे, लेकिन फॉलो-अप स्कैन के लिए ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे।

कमिंस को अगस्त में कमर की हड्डी में स्ट्रेस इंजरी हुई थी। इसकी वजह से वह पिछले जुलाई के बाद सिर्फ एक ही मैच खेल पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में उन्होंने 6 विकेट लेकर टीम को एशेज बरकरार रखने में मदद की थी। हालांकि, इसके बाद वे टी-20 वर्ल्ड कप और आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रहे। कमिंस की गैरमौजूदगी में फिलहाल ईशान किशन सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी कर रहे हैं। टीम फिलहाल पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है, जिसने 5 में से 2 मैच जीते हैं।

हेड कोच डेनियल वेटोरी ने बताया कि भले ही कमिंस मैदान पर नहीं थे, लेकिन वे टीम के साथ जुड़े हुए थे। वेटोरी के मुताबिक,'पैट ग्रुप के साथ रहे हैं और उन्होंने ईशान से उनकी कप्तानी स्टाइल को लेकर काफी चर्चा की है, जिसका फायदा टीम को मिल रहा है।'

ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस साल अगस्त से अगले जुलाई के बीच कम से कम 20 टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसमें भारत और इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी सीरीज शामिल हैं। इसी वर्कलोड को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को सावधानी से मैनेज किया जा रहा है। जोश हेजलवुडः आरसीबी के लिए खेल रहे हेजलवुड चोट के बाद वापसी कर चुके हैं। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने 20 रन देकर 1 विकेट लिया, हालांकि उन्हें बीच-बीच में आराम दिया जा रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार स्टार्क अभी तक टीम से नहीं जुड़े हैं। वे कंधे और कोहनी की चोट से उबर रहे हैं, जो उन्हें बिग बैश लीग के दौरान लगी थी।

चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो सकते हैं। 14 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान खलील को गेंदबाजी करते समय खिंचाव महसूस हुआ था।

हार्दिक पांड्या ने सुनील छेत्री को भेंट की एमआई की जर्सी, ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे थे फुटबॉलर

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे थे। इस दौरान एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने छेत्री को एमआई की जर्सी भेंट की। ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे सुनील छेत्री से एमआई के कई खिलाड़ी बात करते हुए नजर आए। छेत्री ने महेला जयवर्धने, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और कप्तान हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों से बातचीत की और अपने शानदार करियर के अनुभव शेयर किए।

छेत्री ने एमआई टीवी के वीडियो में कहा, 'मैं स्टेडियम में बहुत बार नहीं गया हूं, लेकिन जब भी आया हूं, तो यह एक अद्भुत एहसास है।

यहां आकर खेल को अलग तरह से देखना बहुत अच्छा है। मैं मुंबई इंडियंस और फैंस को न केवल इस मैच के लिए बल्कि पूरे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'

विनोद कांबली को 'ब्रेन स्ट्रोक' का खतरा

दिमाग में क्लॉटिंग, याददाश्त भी कमजोर; मदद के लिए पूर्व क्रिकेटर दोस्तों ने वॉट्सएप ग्रुप बनाया

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के 'विनोद' यानी विनोद कांबली इन दिनों अपनी जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। कभी मैदान पर चौके-छक्के जड़ने वाला यह दिग्गज बल्लेबाज आज चलने-फिरने और याददाश्त खोने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली के दिमाग में एक 'ब्लड क्लॉट' (खून का थक्का) है, जिसकी वजह से उन्हें कभी भी ब्रेन स्ट्रोक आ सकता है। कांबली के करीबी दोस्त मार्कस कूटो ने बताया कि कांबली की मानसिक स्थिति काफी नाजुक है। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं।

कूटो के मुताबिक, कांबली ने शराब छोड़ दी है, लेकिन वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें स्मोकिंग नहीं करना है। वे घर के नीचे जाकर राहगीरों या ऑटो वालों से सिगरेट मांग लेते हैं। लोगों को लगता है कि वे 'दिग्गज कांबली' की मदद कर रहे हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि यह उनके दिमाग के लिए कितना खतरनाक है।

कांबली की इस मुश्किल घड़ी में उनके बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर मजबूती से साथ खड़े हैं। सचिन पर्दे के पीछे से लगातार उनकी मेडिकल जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं। इसके अलावा, पूर्व क्रिकेटरों ने एक खास वॉट्सएप ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप के जरिए पूर्व खिलाड़ी कांबली के इलाज और उनके परिवार के लिए आर्थिक मदद जुटा रहे हैं। इससे पहले सुनील गावस्कर और कपिल देव ने भी उनके रिहैब के लिए हाथ आगे बढ़ाया था।

कांबली का इलाज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में चल रहा था, जहां उनकी सेहत में 60% तक सुधार भी हुआ, लेकिन अस्पताल का भारी-भरकम खर्च उठाना मुश्किल हो गया। दोस्त बारी-बारी से कुछ-कुछ दिनों का खर्च उठा रहे थे, लेकिन लंबे समय तक यह संभव नहीं हो पाया और उन्हें डिस्चार्ज करना पड़ा। डॉक्टरों का कहना है कि अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो स्थिति जानलेवा हो सकती है।

अब छड़ी के सहारे चलने लगे हैं कांबली

करीब 6 महीने पहले तक कांबली घर में फर्नीचर पकड़कर चलते थे, लेकिन अब वे 'हाइकिंग स्टिक' (छड़ी) के सहारे खुद चलने लगे हैं। हाल ही में उन्होंने दशकों बाद एक आइसक्रीम ब्रांड के लिए विज्ञापन की शूटिंग भी की है। फिलहाल वे अपना ज्यादातर समय बच्चों के साथ बिता रहे हैं।

500 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज ने लिया संन्यास

रेप केस में गया था जेल

ढाका, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिकेट के सीने पर इस वक्त आईपीएल की धूम मची है. दुनिया भर के खिलाड़ियों के धुआंधार प्रदर्शन ने आईपीएल 2026 के रोमांच को चरम पर पहुंचा रखा है. क्रिकेट में लगे रोमांच के इसी तड़के बीच 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज ने अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है. उसने 36 साल की उम्र में अपने 17 साल लंबे इंटरनेशनल करियर को अलविदा कहा.हम बात कर रहे हैं बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन की, जिनका इंटरनेशनल करियर 159 मैचों का रहा.

रुबेल हुसैन का संन्यास, 5 साल पहले खेला था आखिरी मैच

रुबेल हुसैन का इंटरेशनल डेब्यू साल 2009 में हुआ था. उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान भले ही अप्रैल 2026 में किया मगर उन्होंने अपना आखिरी मैच इंटरनेशनल पिच पर अप्रैल 2021 में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में टी20आई के तौर पर खेला था. लेकिन, उसके बाद हुई इंजरी ने उन्हें क्रिकेट से दूर कर दिया. घरेलू क्रिकेट में भी उनकी भागीदारी घटने लगी और अब आखिर में उन्होंने पूरी तरह से इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का मन बना लिया.

569 में से 193 इंटरनेशनल विकेट

रुबेल हुसैन ने अपने प्रोफेशनल करियर में अभी तक कुल मिलाकर 569 विकेट लिए हैं, जिसमें 97 फर्स्ट क्लास विकेट हैं, 287 विकेट उन्होंने लिस्ट ए में लिए हैं जबकि 185 विकेट T20 में झटके हैं. इसमें उनके इंटरनेशनल विकेटों की संख्या 193 हैं, जो उन्होंने 159 मैच खेलते हुए चटकाए हैं.

लगा था रेप का आरोप, वर्ल्ड कप में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद हटे

रुबेल हुसैन अपने वनडे डेब्यू पर 4 विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज हैं. बांग्लादेश के क्रिकेट फैंस 2015 वनडे वर्ल्ड कप में किए उनके प्रदर्शन के चलते उन्हें हमेशा याद रखेंगे, जहां इंग्लैंड के खिलाफ उनके किए मैच विनिंग प्रदर्शन के बाद उन पर से रेप के लगे सभी आरोप भी हटा लिए गए थे.

बांग्लादेश के ये दिग्गज खिलाड़ी रेप के चक्कर में 3 दिन जेल में बिता चुका है. वहां से बेल पर छूटने के बाद ही वो 2015 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने गए थे, जहां उनके प्रदर्शन ने सबका दिल जीत लिया और उनके लिए सोच को बदलने का काम किया.

एयरोस्पेस व रक्षा क्षेत्र में निवेश हेतु तेलंगाना ने अमेरिका को दिया आमंत्रण

> अमेरिका राष्ट्रीय युद्ध महाविद्यालय का प्रतिनिधिमंडल मंत्री से मिला

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने एयरोस्पेस, रक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्रों में निवेश के लिए अमेरिका को आमंत्रित किया है।

गुरुवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में अमेरिका के राष्ट्रीय युद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान उन्होंने यह प्रस्ताव रखा। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना इन क्षेत्रों में निवेश के लिए देश के सबसे उभरते केंद्रों में से एक बन चुका है। राज्य में इस क्षेत्र में 30 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि वर्ष 2024 से 2026 के बीच निर्यात में 103 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को मानव रहित विमान, उनके प्रतिरोधी तंत्र, वायुयान के पुर्जों तथा रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। साथ ही साइबर सुरक्षा, रक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह प्रणालियों तथा उन्नत संचार तकनीकों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रीधर बाबू ने कहा कि रॉकेट निर्माण से लेकर नवीन पीढ़ी के मानव रहित विमानों, युद्धक विमानों के पुर्जों तथा उपग्रहों तक तेलंगाना की पहचान विश्व स्तर पर तेजी से स्थापित हो रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य में अनेक वैश्विक कंपनियों तथा प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों की उपस्थिति इस क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अतिरिक्त 1500 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो सटीक अभियांत्रिकी, मानव रहित विमान तथा रक्षा उपकरण निर्माण में योगदान दे रहे हैं। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद को विश्व के सर्वाधिक किफायती एयरोस्पेस शहरों में स्थान मिला है तथा तेलंगाना को लगातार पांच वर्षों तक इस क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य की औद्योगिक स्वीकृति प्रणाली के अंतर्गत 15 से 30 दिनों के भीतर अनुमतियां प्रदान की जा रही हैं तथा कुशल मानव संसाधन तैयार करने के लिए विशेष कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना न केवल निवेश का प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है, बल्कि अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, विनिर्माण तथा कौशल विकास के क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अमेरिकी प्रतिनिधि पॉल नरैन ने कहा कि अमेरिका तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्यों के साथ सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है और भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। बैठक में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में बिजली कारीगरों की हड़ताल जारी

निर्देशों के बावजूद नहीं लौटे काम पर

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीजी जेनको) द्वारा हड़ताल समाप्त कर गुरुवार सुबह 11 बजे तक काम पर लौटने के निर्देश दिए जाने के बावजूद कई कारीगरों ने अपना आंदोलन जारी रखा है। जीटीएस कॉलोनी स्थित टीजी जेनको कार्यालय के बाहर महिलाओं सहित बड़ी संख्या में कारीगरों ने भीषण गर्मी के बीच विरोध प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की। कारीगरों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि सरकार को लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान करना होगा। हालांकि रंगारेड्डी क्षेत्र में कुछ कर्मचारियों के काम पर लौटने की खबरें हैं, लेकिन कई स्थानों पर हड़ताल अब भी जारी है। यह आंदोलन 8 अप्रैल से चल रहा है। कारीगरों की प्रमुख मांगों में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सेवा नियमितीकरण, एपीएसईबी सेवा नियमों का कार्यान्वयन, टीजीएनपीडीसीएल और टीजीएसपीडीसीएल में मानवरहित श्रमिकों का समायोजन, पीआरसी का लागू होना तथा पीस रेट पर कार्यरत श्रमिकों को न्यूनतम वेतन देना शामिल है।

परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य के आर्थिक विकास को गति : श्रीवास्तव

नियमित बैठकों से विभागों के बीच तालमेल मजबूत होगा : राव

तेलंगाना में रेल परियोजनाओं को लेकर समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) और तेलंगाना राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच गुरुवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने की, जबकि इसमें तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव सहित रेलवे और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह पहली बार है जब रेलवे परिसर में इस स्तर की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार और रेलवे के बीच समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक में रेलवे अधिकारियों ने राज्य में चल रही विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं जैसे रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), नई रेल लाइनों का निर्माण, स्टेशन विकास और पहुंच मार्गों से संबंधित कार्यों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

बैठक के दौरान आरयूबी और आरओबी परियोजनाओं की स्वीकृति एवं क्रियान्वयन में राज्य सरकार से आवश्यक सहयोग पर व्यापक चर्चा हुई। रेलवे ने एनओसी, भूमि अधिग्रहण, यातायात डायवर्जन, बिजली लाइनों और पाइपलाइनों के स्थानांतरण जैसे मामलों में राज्य सरकार से सहयोग मांगा। नई रेल लाइनों के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई, जिसमें भूमि अधिग्रहण और लागत साझा करने के मुद्दे प्रमुख रहे। इसके अलावा हैदराबाद को बेंगलुरू, चेन्नई और पुणे से जोड़ने वाले प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर तथा रीजनल रिंग रेल परियोजना पर भी प्रारंभिक विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार के सहयोग को अहम बताया और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने भी राज्य और रेलवे के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह की नियमित बैठकों से विभिन्न विभागों के बीच तालमेल मजबूत होगा और विकास कार्यों में तेजी आएगी। बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने सार्वजनिक हित में परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ऑटो चालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

> निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अबिड्स ट्रैफिक पुलिस ने 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम के अंतर्गत ऑटो-रिक्शा चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। इस दौरान चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया तथा उनके हित में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर भी आयोजित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऑटो चालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने कहा कि प्रत्येक चालक के पास मूल ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र, बीमा तथा प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। चालकों के लिए खाकी वर्दी पहनना अनिवार्य किया गया है। निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाना प्रतिबंधित है। चालक के बगल में सवारी बैठाना कानूनन अपराध है। यातायात जाम से बचने के लिए यात्रियों को केवल निर्धारित स्टैंड या सुरक्षित स्थानों पर ही बैठाना और उतारना होगा। मद्यपान कर वाहन चलाने पर शून्य सहनशीलता नीति अपनाई जाएगी।

उल्लंघन करने पर वाहन जब्त कर चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। सभी ऑटो चालकों को सड़क की बाईं लेन में ही चलना होगा तथा बीच सड़क पर अचानक रुकने या इधर-उधर चलाने से बचना होगा। अभियान के तहत आबिड्स स्थित नियो रेटिना अस्पताल में ऑटो चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण भी किया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक निरीक्षक मधुसूदन, उपनिरीक्षक पांडुराजू एवं महेश सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

ऑयल मिल में भीषण आग

संगारेड्डी, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सदाशिवपेट कस्बे में स्थित श्री गंगा भवानी ऑयल मिल में बुधवार देर रात भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की चपेट में आकर बड़ी मात्रा में तेल, तिलहन और मूल्यवान मशीनरी जलकर नष्ट हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात अचानक आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने पूरी मिल को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मिल मालिक और दमकल विभाग को दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मिल में रखा अधिकांश सामान जलकर खाक हो चुका था। मिल प्रबंधन के अनुसार, इस अग्निकांड में करीब एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

लू से बचाव के लिए सख्त निर्देश

स्कूलों में 'वॉटर बेल्स' और सार्वजनिक स्थलों पर कूलिंग सेंटर

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बढ़ती गर्मी और लू की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने व्यापक एहतियाती कदम उठाए हैं। स्कूलों में 'वॉटर बेल्स' (पानी की घंटियां) लागू करने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं मॉल, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक भवनों को आम जनता के लिए 'कूलिंग सेंटर' के रूप में नामित किया गया है।

सरकार के निर्देशानुसार अब सभी विद्यालयों में निर्धारित अंतराल पर पानी पीने के लिए घंटी बजाना अनिवार्य होगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विद्यार्थियों को पर्याप्त पानी मिले और उन्हें सीधे धूप से बचाया जाए। स्कूलों को खुले में कक्षाएं न लगाने के निर्देश दिए गए हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन भी सुबह 11 बजे तक ही सीमित कर दिया गया है। राज्य सरकार ने मॉल और दुकानों को अपने परिसर में ठंडा पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, जबकि धार्मिक स्थल, सरकारी भवन और पंचायत कार्यालयों को शीतलन केंद्र घोषित किया गया है, जहां लोग गर्मी से राहत पा सकेंगे। यातायात चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर छायादार व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने जिला कलेक्टरों को लू से बचाव के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। खास तौर पर ऑटो, कैब चालकों और डिलीवरी कर्मियों जैसे गिग इकॉनमी से जुड़े कामगारों के लिए विशेष व्यवस्था करने को कहा गया है, जो दोपहर के समय अधिक जोखिम में रहते हैं।

सरकारी अस्पतालों में लू के मरीजों के लिए आपातकालीन सेवाएं सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मरीजों को तुरंत उपचार मिल सके। बिजली विभाग को अस्पतालों और जल आपूर्ति इकाइयों को निर्बाध बिजली देने की योजना बनाने के लिए कहा गया है, वहीं अग्निशमन विभाग को संभावित आग की घटनाओं को रोकने के लिए निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कई जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए चेतावनी दी है कि मई और जून की शुरूआत में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। नागरिकों से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचने और स्थापित पेयजल केंद्रों का उपयोग करने की अपील की गई है। इसके अलावा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के लिए छायादार स्थान और ठंडे पानी की व्यवस्था करने तथा पशु चिकित्सा सेवाओं को सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि भीषण गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सके।

'तेलंगाना राइजिंग 2047' पर पीआर सम्मेलन 19 अप्रैल को, विशेषज्ञ करेंगे मंथन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के हैदराबाद चैप्टर द्वारा 19 अप्रैल को 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विषय पर चौथे तेलंगाना पब्लिक रिलेशंस सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन बेगमपेट स्थित द प्लाजा होटल में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा।

तेलंगाना राइजिंग 2047 : कम्यूनिकेशन, इन्नोवेशन एंड एंपावरमेंट थीम पर आधारित इस सम्मेलन में नीति-निर्माता, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, संचार विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, छात्र और पीआर पेशेवर एक मंच पर जुटेंगे और विकसित तेलंगाना के निर्माण में संचार की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त प्रियंका विशिष्ट अतिथि रहेंगी। प्रो.के. नागेश्वर 'तेलंगाना की विकास यात्रा' विषय पर मुख्य भाषण देंगे। सम्मेलन के दौरान तीन प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 'कम्युनिकेशन: एआई का उपयोग', 'इनोवेशन: उद्योग, शहरी विकास व अवसंरचना' तथा 'एम्पावरमेंट: कृषि, संस्कृति, पर्यटन व ब्रांडिंग' जैसे विषयों पर चर्चा होगी। समापन सत्र में तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष जी. सुखेंदर रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

सतर्कता विभाग की छापेमारी, रिकॉर्ड की जांच

करीमनगर, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्कता विभाग की टीम ने गुरुवार को करीमनगर उप-पंजीकरण कार्यालय में निरीक्षण कर विभिन्न अभिलेखों की गहन जांच की। इस दौरान स्टांप शुल्क भुगतान, जीएसटी संग्रह और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया। सतर्कता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई राज्यव्यापी अभियान के तहत की जा रही है। जांच के दौरान पंजीकरण प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं, प्रक्रियागत खामियों और राजस्व हानि से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पत्रकारों से बातचीत में सतर्कता विभाग के एसपी श्रीनिवास ने बताया कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शुल्कों का सही ढंग से संग्रह किया गया है या नहीं।

बीआरएस का शक्ति प्रदर्शन 20 अप्रैल को

> के. चंद्रशेखर राव करेंगे संबोधन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) 20 अप्रैल को जगतियाल में बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रही है, जिसमें पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव लंबे अंतराल के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसी मंच पर वरिष्ठ नेता टी जीवन रेड्डी के औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने की भी संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 'जनहित' नामक इस विशाल जनसभा का आयोजन मोठे रोड के पास लगभग 20 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है। पार्टी इसे प्रतिष्ठित आयोजन मान रही है, जिसका उद्देश्य विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना और तेलंगाना की राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करना है। जनसभा की तैयारियों की निगरानी बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव कर रहे हैं। पार्टी का लक्ष्य करीब एक लाख लोगों की भीड़ जुटाने का है, जिसके लिए करीमनगर और निजामाबाद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समर्थकों को लाने की योजना बनाई गई है। समन्वय के लिए वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कोई जनसंपर्क देख रहा है तो कोई रसद और जमीनी स्तर पर समन्वय का कार्य संभाल रहा है। इसके तहत निर्वाचन क्षेत्र और मंडल स्तर पर लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। जगतियाल शहर में जगह-जगह पार्टी के झंडे, बैनर और होर्डिंग लगाए गए हैं, जिससे पूरा क्षेत्र गुलाबी रंग में नजर आ रहा है। वहीं संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी में जुटी है। इस बीच पार्टी नेताओं ने सत्ताधारी कांग्रेस पर जनसभा में बाधा डालने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कोरुतला से जगतियाल जाने वाली सड़क को खोद दिया गया है और आरटीसी बसों की व्यवस्था को लेकर भी सहयोग नहीं मिल रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जगतियाल और आसपास के क्षेत्र बीआरएस के पारंपरिक गढ़ रहे हैं।

अवैध शराब बिक्री में दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 17 बोतल आईएमएफएल (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) व्हिस्की बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 16 अप्रैल की सुबह बेगम बाजार स्थित लेबर अड्डा क्षेत्र में गश्त के दौरान की गई। संदिग्ध रूप से घूम रहे दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी लेने पर उनके पास से 'गुड डे प्रेस्टिज व्हिस्की' की 180 एमएल की 17 बोतलें बरामद हुईं, जिन्हें वे बिना लाइसेंस के ऊंचे दामों पर बेच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन सिंह (29) और ठाकुर गोपाल सिंह (39) के रूप में हुई है।

पूछताछ में दोनों ने सस्ते दाम पर शराब खरीदकर अधिक कीमत पर बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ तेलंगाना आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 3.06 लीटर बताई गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी पहले भी विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त रह चुके हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध स्रोतों से शराब न खरीदें और ऐसी गतिविधियों की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी के खिलाफ 'महाधरना' को सीपीएम का समर्थन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निजी और कॉरपोरेट शिक्षण संस्थानों द्वारा की जा रही मनमानी फीस वसूली के विरोध में 25 अप्रैल को इंदिरा पार्क में आयोजित होने वाले 'महाधरना' को सीपीएम ने अपना समर्थन देने की घोषणा की है। यह धरना ऑल इंडिया नेशनल रक्षा सेना पार्टी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य निजी स्कूलों में बढ़ती फीस और शोषण के खिलाफ आवाज उठाना तथा छात्रों और अभिभावकों के अधिकारों की रक्षा करना है। बुधवार को पार्टी प्रतिनिधियों ने हैदराबाद स्थित सीपीएम राज्य कार्यालय में सीपीएम नेताओं से मुलाकात कर समर्थन मांगा, जिस पर राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने धरने को समर्थन देने की घोषणा की। इस दौरान जॉन वेस्ली ने आरोप लगाया कि निजी शिक्षण संस्थान एडमिशन फीस, डोनेशन और री-एडमिशन शुल्क के नाम पर मनमाने तरीके से लाखों रुपये वसूल रहे हैं, जिससे आम लोगों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई स्कूल अब केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि शॉपिंग मॉल की तरह काम कर रहे हैं, जहां छात्रों को स्कूल से ही संबंधित सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। सीपीएम नेता ने यह भी कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रहा है और मजबूत फीस नियमन कानून के अभाव में निजी संस्थान मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से तत्काल सख्त फीस नियंत्रण कानून लागू करने, सभी स्कूलों द्वारा फीस का पारदर्शी विवरण जारी करने और आरटीई के तहत 25 प्रतिशत निशुल्क प्रवेश को सख्ती से लागू कराने की मांग की। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द करने की भी मांग की गई। सीपीएम ने कहा कि वह इस मुद्दे पर आयोजित महाधरना का पूर्ण समर्थन करेगी।

ईएफएलयू में भारतीय संविधान पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न डॉ.बी.आर. अंबेडकर जयंती के अवसर पर अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) में अधूरा संविधान: समकालीन भारत में स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान एनएएलएसएआर विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीकृष्णा देवा राव ने दिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ईएफएलयू के कुलपति प्रोफेसर एन. नागराजू ने की। प्रोफेसर राव ने कहा कि संविधान का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसके लिए सही व्याख्या और प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बंधुत्व अभी पूरी तरह से साकार नहीं हो पाया है।

परिसीमन को लेकर सांसद वामसी का केंद्र पर हमला

दक्षिण की आवाज दबाने का आरोप

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली से सांसद गड्डम वामसी कृष्णा ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे भाजपा की साजिश बताते हुए आरोप लगाया कि इसके जरिए दक्षिण भारत की राजनीतिक आवाज को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। संसद परिसर के बाहर मीडिया से बातचीत में वामसी कृष्णा ने कहा कि भाजपा उत्तर भारत में अपनी सीटें बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है, जबकि दक्षिण भारत को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत से पार्टी को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है, इसलिए इस तरह की रणनीति अपनाई जा रही है। सांसद ने दक्षिण भारत के आर्थिक योगदान का हवाला देते हुए कहा कि जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व कम है, लेकिन वित्तीय योगदान अधिक है। इसके बावजूद दक्षिण के साथ भेदभाव किया जा रहा है। वामसी कृष्णा ने चेतावनी दी कि तेलंगाना इस तरह के कदम को स्वीकार नहीं करेगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.